बुधवार
10 जुलाई 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

नीतीश सरकार के मंत्री रहे दिग्गज पर वारंट, नाबालिग से दुष्कर्म केस में फंसे

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

अमंगल साबित हुआ मंगलवार... बेगूसराय व एक्सप्रेस वे पर 5-5 की मौत

बेगूसराय और पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर भीषण सड़क हादसे में 10 लोगों की मौत

- बेगूसराय के एफसीआई थाना क्षेत्र के रतन चौक के पास ओवरटेक करने के दौरान ऑटो और कार के बीच हुई भीषण टक्कर
- हादसे में कार का ड्राइवर एवं ऑटो सवार दो अन्य व्यक्ति भी गंभीर रूप से घायल

केटी न्यूज/पटना

बिहार के बेगूसराय में ऑटो और कार के बीच मंगलवार सुबह भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में तीन लोग घायल हुए हैं। घटना एफसीआई थाना क्षेत्र के रतन चौक के निकट हुई। बताया गया है कि ऑटो हथिदह से जीरो माइल और कार जीरो माइल से हथिदह की ओर जा रही थी। हादसे की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को एंबुलेंस की मदद से तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस के अनुसार, मरने वाले में से एक पहचान छोराही थाना क्षेत्र के राजोपुरबेंगा निवासी रमाकांत दास का 25 वर्षीय पुत्र रजनीश कुमार उर्फ गौतम के रुप में हुई है। मृतक मजदूर है, जो टाइल पत्थर का काम करता है। वहीं दूसरे एक शाम्हो के रहने वाले सिंटू कुमार यादव थे। वह दिल्ली से लौटकर बेगूसराय से खगड़िया शादी समारोह में

शामिल होने के लिए जा रहे थे। तीसरे युवक की पहचान नालंदा जिले के पुवारी (गोनामा) निवासी सुनील कुमार का 28 वर्षीय पुत्र विक्की कुमार के रूप में हुई है। सुनील कुमार दिल्ली एम्स में कैंसर डिपार्टमेंट में टेक्नीशियन के रूप में कार्य थे और वह दिल्ली से बेगूसराय अपने ससुराल आ रहा था। चौथे युवक की पहचान गढ़पुरा थाना क्षेत्र के कुंवर टोल वार्ड 15 निवासी रामदास का 24 वर्षीय पुत्र नीतीश कुमार के रूप में हुई है। वह पटना से घर लौट रहा था। वह पॉलिटेक्निक का छात्र था। वहीं पांचवे की पहचान बखरी थाना क्षेत्र के मौजी हरी सिंह गांव निवासी वीरेंद्र तांती का 22 वर्षीय पुत्र अमनदीप कुमार के रूप में हुई। वह प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करता था।

ट्रेन से उतरने के बाद बेगूसराय आ रहे थे: जानकारी के अनुसार, ऑटो सवार सभी लोग हाथीदह स्टेशन पर ट्रेन से उतरने के बाद बेगूसराय की ओर आ रहे थे। ओवरटेक करने के दौरान ऑटो और कार के बीच भीषण टक्कर हो गई। इसमें ऑटो पर सवार पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं कार का ड्राइवर एवं ऑटो सवार दो अन्य व्यक्ति भी गंभीर रूप से घायल हैं। इन्हें इलाज के लिए विभिन्न जगह भर्ती कराया गया है। स्थानीय लोगों एवं पुलिस ने बताया रतन चौक के समीप जोरदार आवाज हुई और जब लोग वहां पहुंचे तो कार एवं ऑटो के आमने-सामने टक्कर हो चुकी थी तथा दोनों ही गाड़ियां बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी।

पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर बस आगे खड़े अज्ञात वाहन में मारी टक्कर, पांच की मौत

लखनऊ। अमेठी के पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर देर रात दिल्ली से सिवान जा रही प्राइवेट बस आगे खड़े अज्ञात वाहन से टक्कर हो गई। हादसे में बस पर सवार चार यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 12 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को बाजार शुकुल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कारण जहां से तीन की हालत गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के दौरान एक कि मौत हो गई। दरअसल पूरा मामला बाजार शुकुल थाना क्षेत्र के पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के किलोमीटर संख्या 68.8 का है। जहां देर रात करीब 2 बजे दिल्ली से सिवान जा रही प्राइवेट बस सामने खड़े किसी अज्ञात वाहन से टकरा गई। छतिग्रस्त बस को क्रेन की मदद से हाईवे से हटाकर यातायात को चालू करवाया गया है। गंभीर रूप से घायल तीन लोगों को जिला अस्पताल रेफर किया गया।

एसपी अनूप सिंह ने अस्पताल जाकर घायलों का हालचाल जाना और हादसे के बारे में घायलों से जानकारी ली। खबर लिखे जाने तक किसी भी मृतक की पहचान नही हो पाई थी। पुलिस इनकी जानकारी लेने में जुटी थी।

खेत में काम करने के दौरान ठनका गिरने से भोजपुर के चार की मौत

आरा। भोजपुर जिला में विभिन्न स्थानों में ठनका गिरने से चार लोगों की मौत का मामला प्रकाश में आया है। जानकारी के अनुसार जगदीशपुर थाना क्षेत्र के मुंगौल गांव निवासी जगदीश यादव की 62 वर्षीय पत्नी देवंती देवी खेत में भैंस चराने के लिए गई थी। तभी आकाशीय बिजली गिरने से उसकी मौत हो गई। वहीं उसी गांव के निवासी कपिल सिंह की 50 वर्षीय पत्नी शैलकुमारी देवी भी खेत में काम करने गई थी। वह भी ठनका की चपेट आकर अपनी जान गंवा बैठी। तियर थाना क्षेत्र के बनकट गांव निवासी सरल पाल के पुत्र राजकुमार पाल उम्र-22 भेड चराने गये थे। वहीं इसी थाना क्षेत्र के विश्वनाथ यादव की पुत्री पूजा कुमारी उम्र-19 खेत में धान रोपनी करने के लिए गई थी। वह भी ठनका की चपेट में आ गई। जिससे उसकी मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार सभी को तत्काल अस्पताल ले जाया गया। परंतु डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इस घटना से चारों के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित

एजेंसी/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रूस के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया गया। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी को अपने देश के अत्यंत प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान द ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द अपोसल' से आधिकारिक रूप से सम्मानित किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, रूस के सर्वोच्च (नागरिक) सम्मान से मुझे सम्मानित करने के लिए मैं राष्ट्रपति पुतिन का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि यह सम्मान सिर्फ मेरा नहीं, यह 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है। यह भारत और रूस के बीच सदियों पुरानी गहरी मित्रता और आपसी विश्वास का सम्मान है। यह हमारी विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी का सम्मान है... पिछले 2.5 दशकों में, आपके नेतृत्व में, भारत-रूस संबंध सभी दिशाओं में मजबूत हुए हैं और हर बार नई ऊंचाइयों को छूए हैं। आपने

पुतिन बोले... सम्मान देकर खुशी हो रही है

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा, मुझे क्रेमलिन में यह मानद पुरस्कार प्रदान करते हुए खुशी हो रही है। यह दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने में आपके द्वारा किए जा रहे महत्वपूर्ण योगदान के लिए रूस की ईमानदारी से कृतज्ञता का प्रमाण है। आपने हमेशा हमारे देश के साथ व्यापक संपर्कों की सक्रिय रूप से वकालत की है। कहा कि जब आप गुजरात के सीएम थे, तो आपने अपने राज्य को रूसी क्षेत्र के साथ जोड़ने की पहल की थी। अब जब आप 10 वर्षों से भारतीय सरकार के शीर्ष पर हैं, तो आपने वास्तव में रूसी-भारतीय संबंधों को एक विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी में बढ़ाने का प्रयास किया है। दोनों देशों के बीच रणनीतिक संबंधों की जो नींव रखी थी, वह समय बीतने के साथ और मजबूत हुई है।

हाथरस कांड: एसआईटी की रिपोर्ट पर एक्शन एसडीएम और सीओ समेत 6 अधिकारी सस्पेंड

केटी न्यूज/लखनऊ

उत्तर प्रदेश के हाथरस में पिछले दिनों सत्संग के दौरान हुई भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई थी जबकि कई लोग घायल हुए थे। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर हादसे की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया था। 9 जुलाई की सुबह एसआईटी ने अपनी जांच रिपोर्ट सरकार को सौंप दी। एसआईटी की रिपोर्ट पर सीएम योगी ने बड़ा एक्शन लेते हुए एसडीएम और सीओ समेत 6 अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया है। दरअसल, बीते 2 जुलाई कोउत्तर प्रदेश के हाथरस जिले के सिकंदराराऊ में आयोजित एक सत्संग के दौरान भगदड़ मच गई। जिसमें 121लोगों की जान चली गई है वहीं दर्जनों लोग घायल हो गए थे।उत्तर प्रदेश सरकार ने हादसे की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया था। एसआईटी ने अपनी जांच रिपोर्ट सरकार को सौंपी है। इस रिपोर्ट में सूरजपाल उर्फ साकार विश्व हरि उर्फ भोले बाबा के नाम तक का जिक्र भी नहीं किया गया है।

एसआईटी की रिपोर्ट में 119 लोगों के बयान दर्ज किए गए थे, जिसमें मृतकों के परिजनों और घायलों के अलावा डीएम, एसपी, एसडीएम, सीओ और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों के बयान भी शामिल हैं। एसआईटी में आगरा जोन के एडीजी और अलीगढ़ कमीशनर की अगुवाई में जांच चल रही थी। एसआईटी की रिपोर्ट में आयोजन कमेटी के द्वारा अनुमति से अधिक लोगों को सत्संग में बुलाने, सुरक्षा को लेकर किसी तरह का इंतजाम नहीं करने और अनुमति देने के बावजूद प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा स्थल का निरीक्षण नहीं करने को घटना का जिम्मेवार बताया गया था। एसआईटी की रिपोर्ट पर योगी सरकार ने मामले में दोषी पाए गए एसडीए और सीओ समेत 6 अधिकारियों को निलंबित कर दिया है जबकि अभी कई और लोगों पर गाज गिरने की संभावना जताई जा रही है।

शहीद कैप्टन अंशुमान सिंह की मां बोलीं, अग्निवीर योजना सही नहीं

एजेंसी/रायबरेली

नेता प्रतिपक्ष और सांसद राहुल गांधी मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली पहुंचे। इस दौरान कांग्रेस पदाधिकारियों और विभिन्न संगठनों से मुलाकात के अलावा सियाचीन में शहीद हुए कैप्टन अंशुमान सिंह के परिवार से भी मुलाकात की। राहुल गांधी से मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत में शहीद की मां ने राहुल की तारीफ की साथ ही अग्निवीर योजना की मुखालफत की। उन्होंने बताया कि जिस तरह राहुल गांधी कह रहे हैं, उससे उम्मीद है कि अग्निवीर योजना खत्म होगी। मंजू सिंह ने कहा कि

राहुल गांधी से मिलने के बाद लगा कि वे फौजियों को लेकर बहुत गंभीर हैं और उनके बारे में सोचते हैं। शहीद कैप्टन अंशुमान सिंह की मां मंजू सिंह बेटे को याद कर भावुक हो गईं। बताया कि अंशुमान उनके बड़े बेटे थे और अभी उनकी एक बेटी और बेटे छोटे हैं जो पढ़ रहे हैं। वहीं शहीद कैप्टन अंशुमान के पिता रवि प्रताप सिंह ने कहा कि राहुल गांधी एक अच्छे इंसान है।

पीलीभीत में बाढ़ में फंसे 7 लोगों को किया गया एयरलिफ्ट, मवेशियों को भी बचाया गया

केटी न्यूज/लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की मॉनीटरिंग कर रहे हैं। इस दौरान वह बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में अधिकारियों और राहत विभाग को आवश्यक दिशा निर्देश दे रहे हैं, जिससे राहत कार्यों में कोई कमी न रहे। इसी कड़ी में मंगलवार को पीलीभीत में बाढ़ में फंसे 7 लोगों को एयरफोर्स टीम द्वारा एयरलिफ्ट कर रेस्क्यू किया गया। इस दौरान मवेशियों को भी सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। वर्तमान में नेपाल में मूसलाधार बारिश के बाद छोड़े गये पानी और उत्तराखंड से आए पानी से प्रदेश के 10 जिले प्रभावित हैं। यहां पर युद्धस्तर पर राहत कार्य किये जा रहे हैं। सीएम योगी के निर्देश पर क्षतिग्रस्त फसलों का भी सर्वे कराया जा रहा है।

राहत आयुक्त जीएस नवीन कुमार ने बताया कि पीलीभीत में बाढ़ से 5 तहसील के 252 गांव प्रभावित हैं। यहां पानी का स्तर घट रहा है। राज्य इमरजेंसी सेंटर को सूचना मिली कि पीलीभीत के ग्राम बिनौरा में कुछ लोग बाढ़ में फंसे हुए हैं। इस पर जिलाधिकारी को अवगत कराया गया। इसके बाद बाढ़ में फंसे 7 लोगों को एयरलिफ्ट ऑपरेशन के माध्यम से सकुशल सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। एयरलिफ्ट के जरिये रामआसरे, मुजफ्फर, सहबर, साहिल, रेबान, क्षत्रपाल और जागेश्वर को बचाया गया। इसके अलावा बाढ़ में फंसे अन्य 7365 लोगों को भी सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। इस दौरान मवेशियों को भी सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। यहां पर एनडीआरएफ, एसडीआरएफ की एक-एक टीम और पीएसी की 2 टीम तैनात है। इसके अलावा एसएसबी की एक टीम द्वारा रेस्क्यू कार्य किया जा रहा है। यहां पर राहत कार्यों में 37 नाव लगी हैं। 23 शरणालय स्थापित किये गये हैं, जिनमें 261 लोग रह रहे हैं। सभी को कम्युनिटी किचन के माध्यम से खाना खिलाया जा रहा है।

सीबीआई ने नीट पेपर लीक मामले में दो और लोगों को किया गिरफ्तार

केटी न्यूज/पटना

नीट यूजी पेपर लीक मामले में सीबीआई का एक्शन लगातार जारी है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने मंगलवार को बहिरा से दो और लोगों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में अब तक 11 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। सीबीआई ने नालंदा और गया से सन्नी कुमार और रंजीत नाम के दो आरोपियों को अरेस्ट किया है। सन्नी ने ठएएळ का एग्जाम दिया था, जबकि रंजीत एक अन्य स्टूडेंट का पिता है। इन दोनो पर पेपर लीक में शामिल होने का आरोप है।

इससे पहले सीबीआई ने 8 जुलाई को महाराष्ट्र के लातूर से भी एक शख्स को गिरफ्तार किया था। आरोपी की पहचान नंजुने धप्पा के रूप में हुई थी, जो छात्रों को पैसे लेकर उनके नंबर बढ़ाने का दावा करता था। लातूर के सरकारी स्कूल के दो शिक्षकों ने नीट यूजी अभ्यर्थियों से परीक्षा में सफलता सुनिश्चित करने के लिए करीब पांच लाख रुपये की मांग की थी।

दिल्ली में किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट का भंडाफोड़, डॉक्टर समेत सात लोग गिरफ्तार, बांग्लादेशी है मास्टरमाइंड

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। पुलिस ने एक ह्यूमन ऑर्गन ट्रांसप्लांट रैकेट का भंडाफोड़ किया है। ये रैकेट राष्ट्रीय राजधानी में धड़ल्ले से ह्यूमन ऑर्गन ट्रांसप्लांट कर रहा था। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को एक ह्यूमन ऑर्गन ट्रांसप्लांट रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए एक डॉक्टर सहित 7 लोगों को गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस कमिश्नर अमित गोयल के मुताबिक, इस मामले का मास्टरमाइंड बांग्लादेशी है और मामले में डोनर और रिसीवर दोनों ही बांग्लादेश से थे। इस रैकेट में शामिल सभी लोगों के बांग्लादेश से जुड़े होने का संदेह है। डीसीपी गोयल ने अपने एक बयान में कहा, हमने रसेल नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जो मरीजों और डोनर की व्यवस्था करता था और आर्गन ट्रांसप्लांट (अंग प्रत्यारोपण) में शामिल एक महिला डॉक्टर समेत 7 लोगों से पूछताछ अभी भी जारी है।

गोयल ने कहा, ये रैकेट साल 2019 से चल रहा था। वे हर ट्रांसप्लांट के लिए 25-30 लाख रुपये लेते थे। डीसीपी के अनुसार, जिस डॉक्टर को गिरफ्तार किया गया है, उसका दो-तीन अस्पतालों से संबंध है। डीसीपी गोयल ने कहा, इस मामले में उसकी भूमिका यह थी कि वह ऑर्गन ट्रांसप्लांट में मदद कर रही थी, जबकि उसे पता था कि डोनर और रिसीवर के आपस के (सगे संबंधी) कोई रिश्ते नहीं थे।

योगी सरकार महाकुंभ 2025 को बनाएगी दिव्य-भव्य, खुद रख रहे योजनाओं पर नजर

नमामि गंगे मिशन ने 211 करोड़ की 3 परियोजनाओं को दी मंजूरी

केटी न्यूज/लखनऊ

योगी सरकार 2025 महाकुंभ को दिव्य-भव्य बनाने में जुटी है। इसके क्लियर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद समय-समय पर सभी विभागों के कार्यों की जानकारी ले रहे हैं। वहीं नमामि गंगे मिशन ने प्रयागराज महाकुंभ के मद्देनजर स्वच्छता संबंधित बुनियादी ढांचों के निर्माण के लिए कुल तीन परियोजनाओं को मंजूरी दी है, इसकी लागत 211.08 करोड़ रुपये है। वहीं, उत्तर प्रदेश के देवबंद में इंटरसेप्शन एंड डायवर्जन और एसटीपी कार्यों के लिए 134.71 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी दी गई। जबकि लखनऊ के बरिकला

में स्थित एसटीपी की क्षमता को बढ़ाने के लिए 27.02 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। यह निर्णय राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के कार्यकारी समिति की 55वीं बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता महानिदेशक राजीव कुमार मित्तल ने की।

54400 से अधिक शौचालय बनाये जाएंगे

योगी सरकार का महाकुंभ में स्वच्छता पर विशेष जोर है। इस मद्देनजर प्रयागराज में महाकुंभ 2025 के लिए स्वच्छता संबंधित इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 152.37 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इस परियोजना के अंतर्गत 54,400 शौचालय-मूत्रालय तथा एक प्राथमिक ठोस अपशिष्ट संग्रह प्रणाली का निर्माण किया जाएगा। इसका उद्देश्य अस्थायी स्वच्छता सुविधाओं का निर्माण कर महाकुंभ में आने वाले तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए पर्याप्त सुविधाएं देने के साथ ही आयोजन के दौरान स्वच्छता और नदी के जल की बेहतर गुणवत्ता सुनिश्चित करना है। महाकुंभ के दौरान प्रयागराज से निकलने वाले 22 नालों को पूरी तरह से टैप करने के लिए 55.57 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी दी गई है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य इन नालों से निकलने वाले सीवेज को रोककर उसको पूरी तरह ट्रीट करना है, ताकि महाकुंभ के दौरान गंगा और यमुना नदी की अविरलता और निर्मलता सुनिश्चित की जा सके। महाकुंभ 2025 के दौरान सीवरेज इंफ्रास्ट्रक्चर और नदी के पानी की गुणवत्ता पर अस्थायी आबादी के प्रभाव का मानचित्रण करने और नदियों के किनारे भविष्य में होने वाले ऐसे सामूहिक आयोजनों के लिए बेहतर रणनीति विकसित करने के लिए 3.14 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली आईपीएसए-कुंभ परियोजना को मंजूरी दी गई है।

पूर्व आईएएस मनीष वर्मा जेडीयू में शामिल, नीतीश दे सकते हैं बड़ी जिम्मेदारी

केटी न्यूज/पटना

जदयू में नीतीश के पसंदीदा नौकरशाह की जेडीयू में एंट्री हुई है। जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने दिलाई मनीष वर्मा को सदस्यता दिलायी है। बिहार में लंबे समय तक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीब रहे भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी मनीष वर्मा ने अवकाश ग्रहण करने के बाद आखिरकार जनता दल यूनाईटेड की सदस्यता ग्रहण कर ली। मंगलवार को पटना स्थित जदयू कार्यालय में पार्टी के नए राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद संजय झा ने उन्हें जदयू की सदस्यता दिलाई। कई मंत्रियों समेत जदयू के बड़े नेता इस स्वागत समारोह में शामिल हुए। बताया जा रहा है कि मनीष वर्षा विधानसभा चुनाव 2020 के वक्त से ही सीएम नीतीश कुमार से सीधे तौर पर जुड़े थे। जब उन्होंने वीआरएस लिया तो इन्हें सीएम नीतीश कुमार अतिरिक्त परामर्शी भी बना दिया गया था। इतना ही नहीं इनके लिए अलग से ही एक पद का सृजन किया गया। मनीष वर्मा बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकार के भी सदस्य हैं। सूत्रों की मानें तो मनीष वर्म लोकसभा चुनाव में भी पूरी तरह एक्टिव थे। पर्दे के पीछे से वह जदयू की सारी

गतिविधियों की मॉनिटरिंग कर रहे थे। ओडिशा कैडर के आईएएस अधिकारी रह चुके है। 2000 बैच के ओडीसा कैडर के आईएएस मनीष वर्मा की पहली पोस्टिंग कालाहांडी के सब कलेक्टर के तौर पर हुई थी। मनीष वर्मा ने 2018 में वीआरएस लिया था। ओडिशा के कई जिलों में वह डीएम भी रह चुके हैं। 2012 में वह अंतरराज्यीय प्रतिनियुक्ति के तहत बिहार आए थे। इसके बाद वह पटना और पूर्णिया के जिलाधिकारी भी रह चुके हैं। 2012 में जब अंतरराज्यीय प्रतिनियुक्ति के तहत मनीष वर्मा बिहार आए थे तभी उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। वो पटना, पूर्णिया सहित कई जिलों के डीएम भी बने फिर नीतीश कुमार के सचिव भी रह चुके हैं मनीष वर्मा सीएम नीतीश कुमार के गृह जिला नालंदा के हैं। वह कुर्मी जाति से आते हैं। कहा जा रहा है कि लोकसभा चुनाव में जदयू के अच्छे प्रदर्शन के पीछे मनीष वर्मा ने भी अहम भूमिका निभाई है। इस कारण सीएम नीतीश कुमार सक्रिय राजनीति में उनकी इंट्री करवा दी। आज उन्होंने पार्टी सदस्यता हासिल की है। वो नीतीश कुमार के काफी करीबी माने जाते हैं। बहुत जल्द मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उन्हें बड़ी जिम्मेदारी सौंपेंगे। मनीष वर्मा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के परामर्शी भी रह चुके हैं। प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने बुके देकर उनका स्वागत किया। कहा कि मनीष वर्मा जी का प्रशासनिक अनुभव रहा है इनका आना पार्टी के लिए और बेहतर होगा। बता दें कि अनिवार्य सेवानिवृति लेने के बाद मनीष वर्मा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के परामर्शी थे। आज औपचारिक तौर पर जनता दल यूनाइटेड की सदस्यता हासिल कर ली है।

अनिश्चितकालीन हड़ताल पर गईं एएनएम, अस्पताल में भर्ती मरीजों की बढ़ी परेशानी

केटी न्यूज/पटना

पूर्वी चंपारण के मोतिहारी स्थित सुगौली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में संविदा पर तैनात एनएसएम अपनी मांगों को लेकर मंगलवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चली गईं। नर्सों के हड़ताल पर जाने के कारण स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा गई है और मरीज निजी अस्पतालों का रूख कर रहे हैं। इस दौरान हड़ताली एएनएम ने बताया कि वह लोग पिछले 15 वर्षों से काम कर रही हैं। अपना काम पूरी ईमानदारी और मेहनत से करते रही हैं लेकिन मानदेय काफी कम है। मंहगाई के इस दौर में परिवार का भरण-पोषण काफी कठिनाई से होता है, इसलिए समान काम समान वेतन लागू करते हुए सेवा स्थाई की जाए। फेश अटेंडेंश बनाने की बाध्यता समाप्त की जाएं। हड़ताल पर गईं एनएचएम ने बताया कि जब तक फेश अटेंडेंश (एफआरएएस) का निर्णय वापस नहीं लिया जाएगा तब-तक हमारी हड़ताल जारी रहेगी। इमरजेंसी सेवा को छोड़कर आरआई, ओपीडी सहित अन्य सेवा बांधित रहेगी। उन्होंने मांगों से संबंधित एक ज्ञापन प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को सौंपकर मांगों पर जल्द से जल्द विचार करने को कहा गया है।

कोर्ट में हाजिर नहीं होने के बाद पूर्व मंत्री के खिलाफ गैर जमानतीय वारंट जारी कर दिया

नीतीश सरकार के मंत्री रहे दिग्गज पर वारंट, नाबालिग से दुष्कर्म केस में फंसे

- नवंबर 2023 में मुजफ्फरपुर की के विशेष पॉक्सो अदालत में एक कंप्लेंट दायर किया था
- राजद से नाता तोड़ने के पहले वृषिण पटेल पिछले साल चर्चा में आए थे

केटी न्यूज/पटना

बिहार की दोनों प्रमुख क्षेत्रीय पार्टियों राष्ट्रीय जनता दल और जनता दल यूनाइटेड के बैनर तने लंबे समय तक राजनीति करने वाले वृषिण पटेल इस बार बड़े झमेले में फंस गए हैं। मुजफ्फरपुर की पॉक्सो अदालत ने उनके खिलाफ वारंट जारी किया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ मंत्री रह चुके पटेल के खिलाफ एक शिकायत पत्र कोर्ट में दाखिल हुआ था। उन पर आरोप है कि उन्होंने एक नाबालिग लड़की से बलात्कार किया था। विशेष अदालत ने इस मामले में संज्ञान लेते हुए सुनवाई शुरू कर दी है। जब यह केस दर्ज किया गया, उस समय पटेल लालू प्रसाद यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल में थे। उन्होंने इसी साल अप्रैल में राजद से नाता तोड़ा है। राजद से नाता तोड़ने के पहले वृषिण पटेल पिछले साल तब चर्चा में आए थे, जब उन्होंने खुद को इसी तरह के केस के लिए ब्लैकमेल किए जाने की शिकायत आर्थिक अपराध इकाई में दी थी। बताया जा रहा है कि आरोपी पूर्व मंत्री के 12 जून और छह जुलाई को हाजिर नहीं हुए थे। इसके बाद कोर्ट ने अब जमानती वारंट जारी करने का आदेश दिया। अब 31 अगस्त को पेश होने का आदेश दिया गया है। मुजफ्फरपुर के विशेष पॉक्सो कोर्ट में सुनवाई चल रही थी और इस मामले में अब कोर्ट ने वारंट जारी किया है। इसके बाद अब पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता वृषिण पटेल की मुश्किलें बढ़ गई हैं। पूरा मामला मुजफ्फरपुर जिले का है। कुढ़नी थाना क्षेत्र की रहने वाली नाबालिग लड़की ने बीते नवंबर 2023 में मुजफ्फरपुर की के विशेष पॉक्सो अदालत में एक कंप्लेंट दायर किया था। इसमें पूर्व मंत्री के खिलाफ पटना ले जाकर शारीरिक शोषण करने जैसे गंभीर आरोप लगाए थे।

पूर्व मंत्री वृषिण पटेल ने नौकरी देने के नाम पर बुला गया था पीड़िता को

पटना। पीड़िता की अधिवक्ता ने बताया ने कोर्ट में जो कंप्लेन दायर की गई है, उसमें बताया गया कि पूर्व मंत्री उनके गांव जनसभा करने आए थे। कई अन्य लड़कियों के साथ जाकर मैं उनसे मिली थी। मैंने पूर्व मंत्री से कहा कि आप लोग सिर्फ चुनावी वादा करते हैं, कोई रोजगार नहीं देते हैं। तब पूर्व मंत्री ने कहा कि कागज पर अपना मोबाइल नंबर, नाम, पता लिख कर दो और पटना आकर हमसे मिलो। मैंने नाम, पता और नंबर लिखकर उन्हें दे दिया। इसके बाद वापस घर लौट गई। कुछ दिन बाद फोन आया, कहा गया कि पटना में आकर मिलो। बोरिंग रोड में आकर फोन करना। जब मैं बोरिंग रोड पहुंची तो सड़क किनारे पहले से ही गाड़ी लगी थी। पूर्व मंत्री ने कहा कि गाड़ी लगी है, उसमें बैठ जाओ। इसके बाद मुझे एक फ्लैट में ले गए। वहां पर पूर्व मंत्री ने मुझे अपनी हवस का शिकार बनाया। इसके बाद शारीरिक शोषण करने लगे। विरोध करने पर पूर्व मंत्री ब्लैकमेल करने लगते थे। अश्लील वीडियो क्लिप भी दिखाकर कहते थे कि मेरी बात नहीं मानोगी तो यह वीडियो वायरल कर दूंगा।पीड़िता ने कोर्ट के समक्ष वीडियो क्लिप और एक व्यक्ति से अभियुक्त का कॉल रिकॉर्डिंग भी साक्ष्य के तौर पर उपलब्ध करवाया है। पॉस्को कोर्ट 2 के पीपी अजय कुमार ने बताया कि इस मामले में पूर्व मंत्री वृषिण पटेल के खिलाफ में कोर्ट में पेश नहीं होने पर वारंट जारी किया गया है और अब इस मामले में कोर्ट ने 31 अगस्त तक का हाजिर होने के लिए कहा है। हालांकि, यह वारंट जमानती है।

नवोदय विद्यालय में 10वीं के छात्र का पेड़ से लटका मिला शव

केटी न्यूज/ पटना

नवोदय विद्यालय पूर्णिया के प्रागंण में पेड़ से 10वीं के छात्र का शव मिलने से हडकंप मच गया है। घटना की सूचना मिलते ही विद्यालय प्रशासन व छात्रों ने शव को पेड़ से नीचे उतार समुदायिक केन्द्र ले गये। जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटन की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस जांच में जूट गई। वहीं पिता ने अपने बेटे की हत्या का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि यह हत्या है उसे आत्महत्या का रूप दिया जा रहा है।

मृतक छात्र की पहचान बनमनखी थाना क्षेत्र के धोकरधारा गांव निवासी गौरव कुमार 15 पिता पंकज कुमार चौधरी के रूप में हुई है। मृतक छात्र का छोटा भाई भी इसी स्कूल में 8वीं क्लास का छात्र है। वहीं पूर्णियां जवाहर नवोदय विद्यालय के प्रिसिपल प्रकाश शर्मा ने कहा कि स्कूल के छात्र मेरे पास दौड़ते हुए आए और कहा कि एक छात्र छत से लगे आम से लटका हुआ है। जिसके बाद मैं पहुंचा उसे अस्पताल पहुंचा, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। सदर एसडीपीओ-2 डॉ. विमलेंदु कुमार गुलशन ने कहा कि हॉस्टल में रहने मृतक के दोस्त व छात्रों, विद्यालय के प्रिसिपल, मृतक के छोटे भाई प्रिंस कुमार से पूछताछ की गई है। जिसके बाद छात्र के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जीएमसीएच पूर्णिया भेजा दिया गया है।

पुलिस सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा का रिजल्ट जारी, 1275 कैंडिडेट्स हुए सफल; तीन ट्रांसजेंडर ने प्राप्त की सफलता

केटी न्यूज/पटना

बीपीएससी ने पुलिस सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा का रिजल्ट जारी कर दिया है। इस परीक्षा में 1275 कैंडिडेट्स सफल हुए हैं। इसमें 822 पुरुष, 450 महिला और 3 ट्रांसजेंडर हैं। 1275 पदों के लिए ही यह वैकेंसी भी निकली थी। जिसके लिए 5.35 लाख परीक्षाथीयों ने परीक्षा दिया था। लिखित परीक्षा में कुल 7,623 परीक्षार्थी सफल घोषित किए गए थे। जिनका डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन 10 जून से लेकर 19 जून तक शहीद राजेन्द्र प्रसाद सिंह उच्च माध्यमिक विद्यालय (पटना हाई स्कूल), गर्दनीबाग में किया गया था। डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन में 7,623 अभ्यर्थियों में से 6788 अभ्यर्थी ही उपस्थित हुए। जबकि 835 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। आयोग द्वारा अंतिम चरण के लिए 3727 अभ्यर्थियों को सफल घोषित

किया गया। जब फाइनल रिजल्ट जारी कर 1275 अभ्यर्थियों को सफल घोषित किया गया है। सब इस्पेक्टर भर्ती परीक्षा 1275 पदों के की गई है। जिसमें एससी के 275, एसटी के 16, अत्यंत पिछड़ा वर्ग के 238, पिछड़ा वर्ग के 107, पिछड़े वर्ग की महिलाओं के लिए 82, ईडब्ल्यूएस के 111, ट्रांसजेंडर के 05 पद आरक्षित थे। रिजल्ट के बाद सभी सफल अभ्यर्थियों के सभी सर्टिफिकेट की जांच करायी जाएगी। इसके बाद उनका ज्वांइनिंग कराते हुए ट्रेनिंग में भेजा जाएगा।

शिक्षकों के ट्रांसफर-पोस्टिंग को लेकर एक्टिव हुआ शिक्षा विभाग, जल्द होगी बैठक

केटी न्यूज/ पटना

शिक्षकों की ट्रांसफर-पोस्टिंग को लेकर शिक्षा विभाग एक्टिव हो गया है और तबादला और पदस्थापन नीति पर काम शुरू कर दिया है। विभाग ने इसके लिए गठित कमेटी की बैठक आगामी 11 जुलाई को होगी। कमेटी की सिफारिश पर शिक्षकों के ट्रांसफर और सक्षमता परीक्षा पास शिक्षकों की पोस्टिंग पर फैसला लिया जाएगा। दरअसल, शिक्षकों के ट्रांसफर और पोस्टिंग के लिए शिक्षा विभाग ने इसी महीने दो जुलाई को कमेटी का गठन किया था। शिक्षा विभाग के सचिव बैद्यनाथ प्रसाद की अध्यक्षता में गठित कमेटी को 15 दिनों में अपनी रिपोर्ट सौंपने का निर्देश सरकार की तरफ से दिया गया है। यह कमेटी शिक्षकों के ट्रांसफर पोस्टिंग के अलावा अनुकंपा पर नियुक्ति, छुट्टी तालिका और बिहार शिक्षा सेवा कैडर को फिर से गठित करने से संबंधित रिपोर्ट भी सौंपेगी। कमेटी द्वारा रिपोर्ट सौंपने के बाद शिक्षा मंत्री और विभागीय सचिव एस.सिद्धार्थ रिपोर्ट की समीक्षा करेंगे। इसके बाद इसपर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। शिक्षकों को शिक्षा विभाग के फैसले का बेसब्री से इंतजार है। महिला शिक्षक और उम्रदराज शिक्षकों की ट्रांसफर पोस्टिंग दूसरे जिलों में नहीं करने का अनुरोध किया गया था। इन सभी विषयों को ध्यान में रखकर कमेटी अपनी रिपोर्ट शिक्षा विभाग को सौंपेगी। इस रिपोर्ट को तैयार करने में सभी सावधानी रखी जा रही है।

तीसरे चरण की परीक्षा 05 मार्च को हुई थी आयोजित, लीक के कारण किया गया रद्द

बीपीएससी ने जारी किया शिक्षक भर्ती परीक्षा का एडमिट कार्ड, 19 से 22 जुलाई को चार सौ सेंटर पर होगा एग्जाम

- तीसरे चरण की शिक्षक बहाली में कुल 87 हजार 774 पदों पर शिक्षकों की नियुक्ति होनी है
- पेपर लीक होने के बाद झारखंड के हजारीबाग स्थित एक होटल के कई कमरों में 270 से अधिक शिक्षक अभ्यर्थियों को रटवाया गया था उत्तर

केटी न्यूज/पटना

बीपीएससी ने तीसरे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा के लिए एडमिट कार्ड जारी कर दिया है। अभ्यर्थी आयोग की वेबसाइट पर जाकर अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। परीक्षा के लिए 27 जिलों में चार सौ से अधिक केंद्र बनाए गए हैं। 19 से 22 जुलाई के बीच परीक्षा आयोजित की गई है। बिहार में तीसरे चरण की शिक्षक बहाली में कुल 87 हजार 774 पदों पर शिक्षकों की नियुक्ति होनी है। 19, 20 और 21 जुलाई को एक पाली में परीक्षा होगी जबकि 22 जुलाई को दो पालियों में परीक्षा आयोजित की जाएगी। बीते पांच मार्च को तीसरे चरण की परीक्षा आयोजित की गई थी, लेकिन पेपर लीक होने के कारण परीक्षा को रद्द कर दिया गया था। बीपीएससी की तरफ से पहले जारी शेड्यूल के मुताबिक, पहली पाली की परीक्षा दोपहर 12 बजे से ढाई बजे तक आयोजित की जाएगी जबकि 22 जुलाई को दो पालियों में शिक्षक भर्ती परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। 22 जुलाई को पहली पाली की परीक्षा सुबह साढ़े 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली की परीक्षा ढाई बजे से शाम पांच बजे तक ली जाएगी। बता दें कि इससे पहले तीसरे चरण की शिक्षक बहाली के लिए मार्च महीने में परीक्षा आयोजित की गई थी लेकिन इसका पेपर लीक हो गया था। झारखंड के हजारीबाग स्थित एक होटल के कई कमरों में 270 से अधिक शिक्षक अभ्यर्थियों को उत्तर रटवाया गया था। मामले का खुलासा तब हुआ था जब सभी अभ्यर्थियों को बस से बिहार लाया जा रहा था। पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद 20 मार्च को पूरी परीक्षा रद्द कर दी गई थी। वहीं इस बार बीपीएससी ने पूरी तैयारी कर रखी है। प्रशासन की ओर से यह प्रयास किया जा रहा है कि पारदर्शिता के साथ परीक्षा संपन्न हो। यदि कोई भी परीक्षा में धांधली करते हुए पाया जाएगा। तब सख्त कार्रवाई के मूड में सरकार है। अब देखना है कि इस बार सरकार कितना सफल होती है।

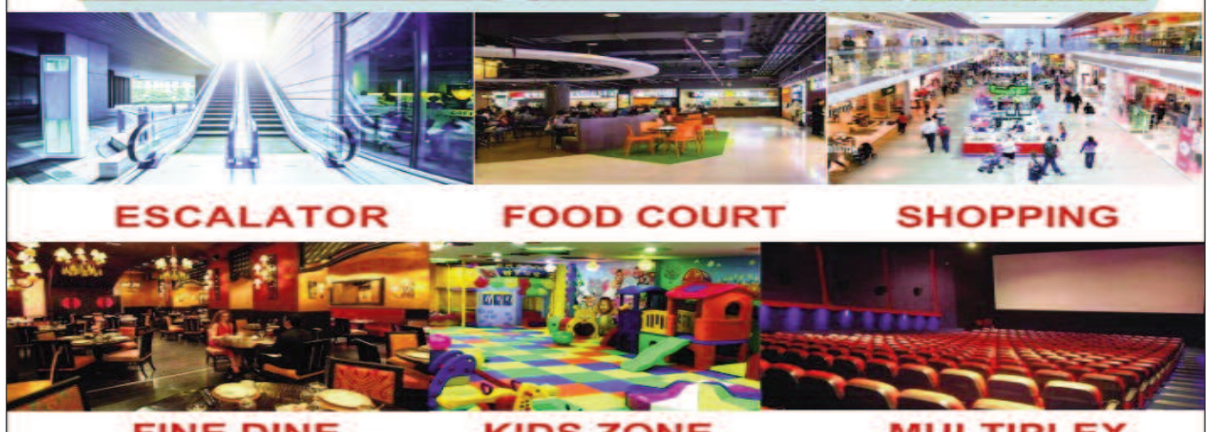

हाई रिस्क प्रेगनेंसी से बचाव के लिए एएनसी के साथ एनीमिया प्रबंधन जरूरी: एमओआईसी

केटी न्यूज/बक्सर

♦ गंभीर एनेमिक की श्रेणी की गर्भवतियों को प्रथम रेफरल यूनिट में ही प्रसव कराने की दी जाती है सलाह

गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को खानपान का विशेष ध्यान रखना होता है। ताकि, गर्भवती महिलाएं किसी गंभीर रोग की चपेट में न आ सकें। जिनमें गर्भवती महिलाओं के लिए एनीमिया सबसे बड़ा बाधक है। एनीमिया के कारण न केवल गर्भवती महिलाओं को बल्कि उनके गर्भ में पल रहे बच्चों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

वहीं, कई मामलों में एनीमिया के कारण प्रसव के दौरान जटिलताएं भी बढ़ जाती हैं। जिसके कारण अधिक रक्त स्राव से गर्भवतियों की मौत की भी संभावना होती है। ऐसे में गर्भावस्था में बेहतर शिशु विकास एवं प्रसव के दौरान होने वाली रक्त स्राव प्रबंधन के लिए महिलाओं में पर्याप्त मात्रा में खून होना आवश्यक होता है। एनीमिया प्रबंधन के लिए प्रसव पूर्व जांच के प्रति महिलाओं की जागरूकता ना सिर्फ एनीमिया रोकथाम में सहायक होती है, बल्कि सुरक्षित मातृत्व की आधारशिला भी तैयार करती है। इस क्रम में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत मंगलवार को जिले के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स समेत सभी सरकारी अस्पतालों में प्रसव पूर्व जांच के लिए शिविर का आयोजन किया गया।

35 महिलाओं की हुई एएनसी जांच, किसी में हाई रिस्क प्रेग्नेंसी के लक्षण नहीं : सदर प्रखंड के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. मिथिलेश सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत मंगलवार को गर्भवती महिलाओं की जांच के लिए शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 35 गर्भवती महिलाओं में प्रसव पूर्व विभिन्न जांच की गई। इन गर्भवती महिलाओं में किसी में हाई रिस्क प्रेगनेंसी नहीं पाया गया। उन्होंने बताया कि एएनएसी जांच के आधार पर गर्भवतियों को एनेमिक या गंभीर एनेमिक होने की जानकारी मिल जाती है। एनेमिक महिलाओं को तीन श्रेणी में रखा जाता है। 10 ग्राम से 10.9 ग्राम खून होने पर माइल्ड एनीमिया, 7 ग्राम से 9.9 ग्राम खून होने पर मॉडरेट एनीमिया एवं 7 ग्राम से कम खून होने पर सीवियर एनीमिया होता है। गंभीर एनेमिक की श्रेणी की गर्भवतियों को प्रथम रेफरल यूनिट में ही प्रसव कराने की सलाह दी जाती है। ताकि, प्रसव की जटिलताओं से आसानी से निपटारा पाया जा सके।

दूसरी जांच गर्भधारण के 14वें से 26वें सप्ताह

सदर प्रखंड के सामुदायिक उत्प्रेरक प्रिंस कुमार सिंह ने बताया कि प्रसव से पूर्व गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व चार जांच होती है। पहली जांच गर्भधारण से लेकर 12वें सप्ताह तक, दूसरी जांच गर्भधारण के 14वें से लेकर 26वें सप्ताह तक, तीसरी जांच गर्भधारण के 28वें से 34 वें सप्ताह तक और आखिरी जांच 36वें सप्ताह से लेकर प्रसव होने के पहले तक कराई जाती है। इसे एएनसी जांच कहते हैं। एएनसी जांच से प्रसव के समय होने वाली जटिलताओं को भी चिह्नित किया जाता है।

दूसरी व तीसरी तिमाही में भी गर्भवती महिलाएं कराएं जांच : जिला सामुदायिक उत्प्रेरक हिमांशु कुमार सिंह ने बताया कि गर्भावस्था की पहली तिमाही में महिलाएं आसानी से एएनसी जांच कराती हैं। लेकिन, उसके बाद दूसरी व तीसरी तिमाही में महिलाएं एएनसी जांच कराने में आनाकानी करती हैं। जो उनके व उनके गर्भ में पल रहे शिशु के लिए चिंता का विषय है। क्यूंकि गर्भ में भ्रूण के बढ़ने के साथ-साथ जटिलताएं भी बढ़ती है, जिससे बचाव के लिए एएनसी जांच कराना अनिवार्य रहता है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष अप्रैल, 2023 से लेकर मार्च, 2024 एएनसी जांच के लिए 52,250 गर्भवती महिलाओं का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। जिसमें 44,547 महिलाओं ने ही सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों पर आकर अपनी जांच कराई। वहीं, गर्भावस्था की पहली तिमाही में 27,506 महिलाओं ने एएनसी जांच कराई। वहीं, 34,106 महिलाओं ने गर्भावस्था के दौरान चार या उससे अधिक एएनसी जांच कराई।

खबरें फटाफट

लोजपा जिलाध्यक्ष ने प्रभारी मंत्री को सौंपा ज्ञापन

डुमरांव। लोजपा रामविलास के जिलाध्यक्ष अखिलेश कुमार सिंह ने बक्सर जिले के प्रभारी मंत्री सह बिहार सरकार के नगर आवास एवं विकास विभाग के मंत्री नीतीन नवीन को एक ज्ञापन सौंप जर्जर हो चुकी ग्रामीण क्षेत्र की कई सड़कों के मरम्मत व पक्कीकरण कराने की मांग की है। प्रभारी मंत्री को दिए ज्ञापन में लोजपा जिलाध्यक्ष ने डुमरांव विधानसभा व राजपुर विधानसभा को जोड़ने वाली कोरानसराय सरेंजा पथ के सोनकी पुल से खंडरीचा होते हुए सिकरौल लख तक जाने वाली सड़क का मरम्मत व कालीकरण करने के साथ ही मठिला से कजिया डेरा होते हुए खंडरीचा तक जाने वाली सड़क, वासुदेवा मोड़ से शिवपुर व गोविंदपुर जाने वाले पथ तथा सिकरौल ठोरा नदी पुल से हसवाडीह, डफाडीह, बाबूगंज होते हुए बराढ़ी तक जाने वाले पथ की मरम्मत की मांग की है। लोजपा नेता ने प्रभारी मंत्री को बताया कि इन सड़कों के जर्जर होने से जिले के एक बड़ी आबादी के समक्ष आवागमन की समस्या उत्पन्न हो गई है। जिलाध्यक्ष ने बताया कि प्रभारी मंत्री ने मामले में साकारात्मक संकेत दिए है और बताया कि जल्दी ही इन पथों की मरम्मत की कवायद शुरू कराई जाएगी।

गोलीबारी के आरोपी ने किया सरेंडर

बक्सर। पिछले साल दुर्गापूजा के दौरान शहर के एक पूजा पंडाल के पास फायरिंग करने वाले अभियुक्त रोहित राय उर्फ अतुल राय ने मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के न्यायालय में मंगलवार को सरेंडर कर दिया। जहां जमानत के आवेदन को सुनवाई के बाद न्यायाधीश ने खारिज करते हुए अभियुक्त को जेल भेज दिया। बताते चले कि 24 अक्टूबर 2023 को बक्सर दुर्गा पूजा समिति के पंडाल पर अभियुक्तों ने अंधाधुंध फायरिंग किया था, उक्त कांड की सूचना समिति के अध्यक्ष रवि तिवारी ने पुलिस को दिया था। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने बताया कि अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। जल्दी ही इस घटना में शामिल अन्य अभियुक्तो को गिरफ्तार कर जेल के सलाखों के पीछे कर दिया जाएगा।

बक्सर के किसानों के लिए दो दिवसीय कृषि यांत्रिकरण मेले शुरू, डीएम ने किया उद्घाटन

कृषि यंत्रों का प्रयोग कर करें पराली प्रबंधन, नहीं तो होगी कार्रवाई: डीएम

♦ बोले डीएम... उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि के लिए कृषि यंत्रों का प्रयोग महत्वपूर्ण

केटी न्यूज/बक्सर

दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते डीएम व अन्य अधिकारी।

कार्यक्रम में मौजूद अधिकारी, कर्मी व कृषक।

जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल के द्वारा संयुक्त कृषि भवन के प्रागंण में कृषि विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय कृषि यांत्रिकरण मेला का शुभारंभ द्वीप प्रज्जवलित कर किया गया।

अपने संबोधन में डीएम ने कहा कि उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि के लिए कृषि यंत्रों का प्रयोग महत्वपूर्ण है। इस वर्ष बक्सर जिलें में 47 से 48 डिग्री तक सार्वधिक तापमान का आंकलन किया गया है। जो आने वाली भावी पीढ़ियों के लिए खतरे की घंटी है। कृषि यांत्रिकीकरण मेला में उपस्थित कृषकों से पराली न जलाने का अनुरोध करते हुए फसल अवशेष प्रबंधन से संबंधित यंत्र यथा हैपी सीडर, सुपर सीडर, स्ट्रॉ रीपर, स्ट्रॉ बेलर, रीपर, रीपर कम बाईन्डर, रोटरी मल्चर, रोटरी सलेशर, जीरोटिलेट, पैडी स्ट्रॉ चौपर, ब्रश कटर, रिभरसेबुल एमबी प्लाउ, स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम इत्यादि यंत्रों पर 75 प्रतिशत से 80 प्रतिशत अनुदान के बारे में बताया गया। कृषक इन यंत्रों का प्रयोग कर पराली प्रबंधन करें अन्यथा पराली जलाने वाले किसानों पर कड़ी कार्रवाई भी की जायेगी।

मेला में कृषि यंत्रो का प्रदर्शन कर बताया जाता है महत्व : जिला कृषि पदाधिकारी अविनाश शंकर ने बताया कि कृषि यांत्रिकरण मेला का मुख्य उद्देश्य एक स्थान पर प्रमुख कृषि यंत्रों का प्रदर्शन कर इसके महत्व से किसानों को अवगत कराना है। इस वित्तीय वर्ष में अनुदानित दर पर दिये जाने वाले 75 प्रकार के कृषि यंत्रों पर अनुदान देय है। जिसमें खेतों की जुताई, बुआई, निकाई-गुडाई, सिंचाई, कटाई, दवनी इत्यादि एवं उद्यान से संबंधित कृषि यंत्र शामिल है।

बदलते मौसम में बढ़ गई है यंत्रों की भूमिका

कृषि यांत्रिकरण मेला के पहले दिन कृषि वैज्ञानिकों व अधिकारियों ने उपस्थित किसानों से कहा कि जलवायु परिवर्तन के इस दौर में कृषि यंत्रो की भूमिका और बढ़ गई है। किसान इन यंत्रों के सहारे कम समय और कम लागत में न सिर्फ फसलों की बुआई कर सकते है बल्कि उसकी कटाई व थ्रेसिंग भी मशीनों से आसान बन गई है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने कहा कि अब कृषक मजदूर भी आसानी से नहीं मिल रहे है, ऐसी स्थिति में कृषि उपकरण किसानों के लिए वरदान साबित हो रहे है। सरकार द्वारा भी किसानों को इन यंत्रो की खरीद पर सहूलियत दी जा रही है। जिससे किसानों के लिए इन यंत्रो को खरीदना अब आसान हो गया है।

बीस हजार से कम मूल्य के यंत्रो पर नहीं है एलपीसी की बाध्यता : सहायक निदेशक (कृषि अभियंत्रण) के द्वारा बताया गया कि कृषि यांत्रिकरण योजना अंतर्गत बीस हजार से कम मूल्य के यंत्रों पर एलपीसी की बाध्यता समाप्त कर दी गई है। बीस हजार से अधिक मूल्य वाले यंत्रों पर एलपीसी अनिवार्य होगा। मैनुअल किट पर चर्चा करते हुए बताया गया कि किसानों के दैनिक प्रयोग में होने वाले यंत्र यथा खुरपी, हसुआ, कुदाल इत्यादि यंत्रों के किट पर अस्सी प्रतिशत अनुदान के साथ दो सौ रूपय में उपलब्ध कराया जा रहा है। वैसे कृषक जो अनुदानित दर पर यंत्र खरीदना चाहते है वे विभाग के अधिकारिक बेवसाइट पर पंजीकरण कर सकते है। अनुदानित दर पर कृषि यंत्र क्रय करने के इच्छुक कृषकों से ऑन लाईन आवेदन कृषि विभाग के बेवसाइट से प्राप्त किया जायेगा। मेला के दौरान कृषकों से प्राप्त योग्य आवेदनों को ऑन लाईन लॉटरी के माध्यम से कुल 596 स्वीकृति पत्र निर्गत किया गया। उदघाटन समारोह में जिला कृषि पदाधिकारी बक्सर, कृषि विज्ञान केन्द्र बक्सर के वैज्ञानिक सह प्रधान, अनुमंडल कृषि पदाधिकारी बक्सर, सभी सहायक निदेशक, प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी, कृषि समन्वयक, प्रगतिशील किसान एवं यंत्र विक्रेता सम्मिलित हुए।

एक नजर

श्रावणी मेले को राजकीयकृत राजस्व मेला घोषित करने की भाजपा प्रत्याशी ने की मांग

बक्सर। बक्सर संसदीय सीट से एनडीए के प्रत्याशी रहे मिथलेश तिवारी ने बिहार सरकार के भूमि सुधार एवं राजस्व विभाग के मंत्री दिलीप जयसवाल से पटना में मिलकर अनुरोध किया है कि बक्सर जिला अंतर्गत रामरेखा घाट स्थित श्री रामेश्वर नाथ महादेव मंदिर, नाथ बाबा मंदिर बक्सर, ब्रह्मेश्वर नाथ मंदिर ब्रह्मपुर, महादेवा घाट चौसा तथा सोखा धाम मंदिर ईटाढ़ी में हर साल श्रावणी मेला का आयोजन होता है। जिसमें लाखों श्रद्धालु भगवान शंकर को जलाअभिषेक करते हैं। श्रावणी मेले में सही और सुचारू रूप से व्यवस्था नहीं होने के कारण श्रद्धालुओं को बहुत ही कष्ट का सामना करना पड़ता है। सांसद प्रत्याशी ने राजस्व मंत्री से मांग की है कि बक्सर के मंदिरों में सावन महीने में आयोजित होने वाले मेला को राजकीय कृत राजस्व मेला घोषित किया जाए, जिसके अंतर्गत तीर्थ यात्राओं के ठहरने के लिए वाटरप्रूफ टेंट पंडाल, स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति, लाइट, साउंड, चिकित्सा व्यवस्था, ट्रैफिक व्यवस्था, स्वच्छता व्यवस्था, घाट की सुरक्षा के लिए बैरकेटिंग, श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए एनडीआरएफ या एसडीआरएफ की तैनाती, कांवरियों के पथ को सुगम बनाने का काम तथा पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की मांग की है। श्री तिवारी ने बताया कि मंत्री द्वारा आश्वस्त किया गया की शीघ्र ही इस प्रस्ताव पर स्वीकृति का प्रयास किया जाएगा।

अनियंत्रित वाहन ने बिजली पोल में मारी जोरदार टक्कर, एक किशोर जख्मी

नावानगर। स्थानीय थाना के पास मंगलवार को एक अनियंत्रित वाहन ने बिजली पोल में टक्कर मार दी। जिससे बिजली का पोल जमीन पर गिरने के दौरान एक किशोर उसकी चपेट में आ गया। फलस्वरूप किशोर गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जख्मी किशोर अमीरपुर गांव निवासी संदीप कुमार कुशवाहा बताया जाता है। जो नावानगर स्थित कोचिंग जा रहा था। इधर जख्मी को नावानगर प्रखंड प्रमुख अंकित कुमार उर्फ अंकित यदुवंशी ने स्थानीय लोगों की मदद से नावानगर सीएचसी में इलाज के लिए ले गए। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद बक्सर रेफर कर दिया। प्रखंड प्रमुख के अनुसार जख्मी किशोर को गंभीर स्थिति देखते हुए चिकित्सक ने बक्सर से पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया है। इधर दुर्घटना के बाद वाहन चालक अपनी वाहन छोड़ फरार हो गया। प्रखंड प्रमुख ने बताया कि उक्त स्थान पर गड्ढा खोद बिजली का पोल खड़ा किया गया था। तभी एक अनियंत्रित वाहन ने पोल से टकरा गई। वहीं, नावानगर थानाध्यक्ष नंदू कुमार ने बताया कि वाहन को पकड़ पुलिस अभिरक्षा में थाना में रखा गया है।

शराब तस्करी रोकने को बरतें चौकसी: एसपी

बक्सर। एसपी मनीष कुमार ने मंगलवार को मासिक क्राइम मीटिंग की। जिसमें जिले के सभी थानों के थाना अध्यक्ष तथा पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे। क्राइम मीटिंग में विधि व्यवस्था और शराब तस्करी रोकने पर एसपी सख्त दिखे। उन्होंने साफ लहजों में सभी को चेतावनी देते हुए कहा कि कार्य में लापरवाही बरतने वालों पर विभागीय कार्रवाई तय है। एसपी ने समीक्षा बैठक में सभी थानों के लंबित कांडों के निष्पादन को लेकर ग्राउंड जीरो से जानकारी ली। इसके साथ ही उसे निष्पादन करने का गुरुमंत्र दिया। वहीं एसपी ने क्षेत्र में विधि व्यवस्था बनाए रखने और शराब तस्करी पर रोक लगाने को लेकर विशेष रूप से गश्ती करने का निर्देश दिया। इस मौके पर सीडीपीओ सदर सीडीपीओ सर्किल इंस्पेक्टर नगर थाना अध्यक्ष मुफस्सिल थाना अध्यक्ष महिला थाना अध्यक्ष समेत सभी थाना लक्ष्य मौजूद रहे।

प्रखंड स्तरीय समन्वय समिति की बैठक में संचालित योजनाओं की हुई समीक्षा

राजपुर। प्रखंड मुख्यालय कक्ष में डीसीएलआर सुधीर कुमार एवं बीडीओ सिद्धार्थ कुमार की अध्यक्षता में प्रखंड स्तरीय समन्वय समिति की बैठक की गई। सभी विभागों के अधिकारियों के साथ सरकार के तरफ से संचालित योजनाओं पर बिंदुवार समीक्षा की गई। जिसमे प्रमुख तौर पर चौसा-कोचस मार्ग पिछले कई माह खराब व जर्जर स्थिति में होने से हो रही परेशानियों पर चर्चा की गई। डीसीएलआर ने जानकारी देते हुए बताया कि इसके निर्माण के लिए सभी प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। शीघ्र ही कार्य प्रारम्भ किया जाना है। स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों को गति देने के लिए सभी विभागों के लोग सहयोग करेंगे। टीवी मुक्त गांव, एनीमिया, फाइलेरिया उन्मूलन अभियान सहित कई अन्य स्वास्थ्य संबंधित कार्यक्रम में स्वास्थ्य कर्मी के अलावा अन्य विभागों के कर्मी भी सहयोग करेंगे। बरसात के समय पशुओं में कई प्रकार की बीमारियां होती है। जिससे निपटने के लिए सरकार के तरफ से जारी निर्देश के बाद पशु चिकित्सक भी पूरी तरह से अलर्ट रहेंगे। भ्रमणशील पशु चिकित्सक टीम विभिन्न गांव का दौरा कर पशुओं की स्वास्थ्य जांच करते रहेंगे। इसके लिए सरकार के तरफ से एंबुलेंस की भी व्यवस्था कर दी गई है। पशु सुरक्षा को लेकर सरकार काफी चिंतित है। फिलहाल एंबुलेंस प्राप्त हो गया है रखने की व्यवस्था नहीं है। पहले से पशु अस्पताल मुख्यालय के बगल में ही बना है। जो निर्माण के बाद अभी भी खंडहर अवस्था में है। अभी तक विभाग को नहीं सौंपा गया है। जिस पर सभी अधिकारियों ने गहन विचार व्यक्त कर कहा कि इसकी सही तरीके से जांच कर कार्य एजेंसी पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। पहले से पंचायत में निर्मित पंचायत सरकार भवन पर अब पंचायत के काम का निपटारा किया जाएगा।

सारिमपुर में सरेशाम युवक के सिर में मारी गोली, गंभीर हालत में रेफर

केटी न्यूज/बक्सर

मंगलवार की शाम बक्सर के सारिमपुर में अज्ञात अपराधियों ने एक युवक के सिर के बीचों-बीच गोली मार दी। गोली सिर के पार कर गई है तथा उसकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। चिंताजनक स्थिति में ही बक्सर के विश्वामित्र अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। इलाज करने वाले डॉक्टर की मानें तो उसकी स्थिति बेहद गंभीर है। युवक की पहचान सारिमपुर के खालिद साह के 18 वर्षीय पुत्र सोनू साह के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार वह सारिमपुर मदरसे से वापस अपने घर आ रहा था। इसी दौरान रास्ते में घेर अज्ञात अपराधियों ने उसे गोली मार दिया। अचानक अवाज तेज सुन लोग नजदीक जाकर देखे तो पता चला कि सोनू खून से लथपथ गिरा हुआ है। जिसके बाद तत्काल उसके परिजनों को सूचना दी गई। परिजन बक्सर गोलम्बर स्थित विश्वामित्र हॉस्पीटल लेकर आए। वही घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मामले की जांच में जुट गई हैं। हालांकि, परिजनों ने किसी से अदावत की बात पुलिस से नहीं बताई है। इस घटना के बाद सारिमपुर में अफरा तफरी का माहौल रहा। लोग भय के मारे अपने घर में छिप गए थे। लोगों में इस घटना को लेकर गहरा आक्रोश व्याप्त है। वही घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी आराम से भाग निकले है। पुलिस इलाके की नाकेबंदी कर उनकी गिरफ्तारी का प्रयास कर रही है। लेकिन, समाचार लिखे जाने तक इसमें सफलता नहीं मिली है।

अतिक्रमण हटाने में लापरवाही करने वाले एडीएम ने इटाढ़ी सीओ से मांगा शो-कॉज

केटी न्यूज/बक्सर

एडीएम कुमारी अनुपम सिंह ने अंचल कार्यालय इटाढ़ी का निरीक्षण किया। कार्यालय निरीक्षण के क्रम में एडीएम ने दाखिल खारिज, परिमार्जन, राजस्व वसूली, न्यायालीय पत्र का अनुपालन, आधार सीडिंग, ई मापी, मुख्यमंत्री जनता दरबार से संबंधित आवेदन, क्यूआर कोड से संबंधित आवेदन, सीपी ग्राम से संबंधित आवेदन, अभियान बसेरा 2, फसल अगलगी से संबंधित आपदा का भुगतान की समीक्षा की गई। अंचल कार्यालय के कार्य प्रबंधन से एडीएम नाराज दिखी और कार्यसंस्कृति में सुधार लाने का निर्देश दिया। इस दौरान राजस्व संबंधी पंजी का संधारण सही तरीके से नहीं पाया गया।

सीओ द्वारा अतिक्रमण संबंधी मामले में अतिक्रमणवाद में काफी लंबे समय से कोई कार्रवाई नहीं की गई है। जिसके लिए सीओ से शोकॉज मांगा गया। वहीं, कार्यालय में आगत पंजी व निर्गत पंजी का संधारण, आकस्मिक अवकाश पंजी का भी संधारण सही से नहीं किया गया है। निरीक्षण के क्रम में पाया गया कि सरकार की अतिमहत्वपूर्ण योजना अभियान बसेरा - 2 जिसके तहत सुयोग्य श्रेणी के भूमिहीन परिवारों को बंदोबस्ती के माध्यम से भूमि का पर्चा वितरण किया जाता है। जिसके तहत अंचलाधिकारी के द्वारा लगभग डेढ़ साल पूर्व 4 मार्च 2023 से दिनांक 5 फरवरी 2024 तक कुल आनावाद बिहार सरकार की भूमि चिन्हित करते हुए बंदोबस्ती हेतु 59 परिवारों व अनावाद सर्वसाधारण भूमि का 18 परिवारों से संबंधित अभिलेख स्वीकृति हेतु भूमि सुधार उप समाहर्ता बक्सर के कार्यालय में भेजा गया है।

जिलाधिकारी ने उद्योग विभाग का किया निरीक्षण, विभाग के कार्यों की समीक्षा की

पीएमएफएमई योजना में बक्सर पूरे राज्य में अव्वल: डीएम

♦ बैंक अधिकारियों को योजनाओं का शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने का दिया निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने मंगलवार को जिला उद्योग केन्द्र का निरीक्षण किया एवं उद्योग विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा की। समीक्षा बैठक उद्योग विभाग के बियाडा स्थित कार्यालय परिसर में की गई। निरीक्षण के क्रम में जिला पदाधिकारी द्वारा कार्यालय का रंग-रोगन कराने एवं पुराने सामग्रियों को नीलाम या निस्तारित करने तथा कार्यालय के सभी पंजियों का संधारण सुचारू रूप से किए जाने का निर्देश दिया।

डीएम ने महाप्रबंधक, अग्रणी जिला प्रबंधक एवं बैंक समन्यवकों के साथ समीक्षा बैठक कर योजनाओं के शत प्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निर्देशित किया। कार्यों में तेजी लाने के लिए डीएम ने सभी पदाधिकारियों को बैंकवार व प्रखंडवार कार्य आवंटन करते हुए साप्ताहिक रूप से समीक्षा करने का निर्देश दिया गया। बैंक प्रबंधकों को अपने स्तर से भी विभिन्न योजना के आवेदनों का सृजन करने तथा लंबित आवेदनों पर निश्चित समय में कार्रवाई करने का निर्देश डीएम ने दिया और कहा कि इसका मुख्य उदेश्य योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाना होना चाहिए तथा अधिक से अधिक पात्र लाभुकों को लाभ देने का प्रयास करना है। डीएम ने जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक को निर्देश दिया कि सभी उद्योग मित्रों के साथ साप्ताहिक समीक्षा बैठक करते हुए उनका व्यक्तिगत लक्ष्य निर्धारित करेंगे एवं आगामी बैठक में उपलब्धि असंतोषजनक पाए जाने की स्थिति में चयनमुक्त करने की कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।

पीएमएफएमई योजना के तहत 74 आवेदनों की स्वीकृति

पीएमएफएमई योजना अंतर्गत आवंटित कुल लक्ष्य 190 के विरूद्ध 74 आवेदनों की स्वीकृति के साथ बक्सर जिला का राज्य में प्रथम स्थान है। जिस पर जिलाधिकारी ने संतोष व्यक्त किया। जबकि पीएमईजीपी योजना अंतर्गत कुल लक्ष्य 272 के विरूद्ध 49 आवेदनों की स्वीकृति के साथ जिला का राज्य में पांचवे स्थान पर है। जेड सर्टिफिकेसन में बक्सर जिला का स्थान आठवां है। उद्यम पंजीय में आवंटित लक्ष्य 33575 के विरूद्ध 14187 पंजीकरण के साथ जिला का स्थान पंद्रहवा है। जिला पदाधिकारी ने निर्देशित किया कि निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति प्राप्त करना सुनिश्चित करें। लक्ष्य के विरुद्ध विभिन्न योजनाओं में उपलब्धि नहीं होने के कारण सभी संबंधित से स्पष्टीकरण करने तथा महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र बक्सर को भी अपना वस्तु स्थिति स्पष्ट करने का निर्देश दिया। महाप्रबंधक एवं सभी उद्योग विस्तार पदाधिकारी को नियमित रूप से बैंक जाकर आवेदनवार समेकित प्रतिवेदन तैयार करने का निदेश दिया गया। समीक्षात्मक बैठक के बाद जिला पदाधिकारी द्वारा जिला उद्योग केन्द्र के प्रांगण में पौधरोपण किया गया।

डुमरांव अनुमंडल में भारी वर्षा से दुकानों व घरों के अंदर पहुंचा पानी, लोग हुए हलकान

झमाझम बारिश... खेतों से लेकर सड़क तक लबालब

◆ डुमरांव नगर परिषद क्षेत्र में जलजमाव से छुटकारा दिलाने की नप के दावे पर फिरा पानी, स्टेशन रोड व गोला रोड में जलजमाव से हुई फजीहत

केटी न्यूज/डुमरांव

मंगलवार की दोपहर को करीब एक घंटें की बारिश से ही डुमरांव के कई इलाकों में जलजमाव का नजारा बन गया। झमाझम बारिश से खेत से लेकर सड़क तक जलमग्न हो गए। जिससे एक तरफ जहां किसान काफी खुश नजर आ रहे थे तो दूसरी तरफ डुमरांव में मुख्य सड़को व गली मोहल्लों में जलजमाव से आवागमन की समस्या गंभीर हो गई थी। सबसे खराब स्थिति मुख्य पथ स्टेशन रोड तथा मुख्य व्यवसायिक पथ राजगोला रोड की हो गई थी। बारिश के दौरान स्टेशन रोड में लालगंज कड़वी से राज हाई स्कूल के मैदान तक जलजमाव हो गया था। बता दें कि एक दिन पहले ही नगर परिषद द्वारा मुख्य पथ पर उभरे गड्ढों को पाटने के लिए ईंट के टुकड़े गिराए गए थे। लेकिन बारिश से वे ईंट के टुकड़े भी पानी में डूब गए थे, जिससे सड़क दुर्घटना की आशंका भी बढ़ गई है। यही स्थिति राजगोला रोड का था। पूरा राजगोला रोड जलजमाव से झील सा नजर आ रहा था।

इस बारिश ने नगर परिषद के जलजमाव से शहर को निजात दिलाने के दावे पर पानी फेर दिया है। झमाझम बारिश से शहर के मुख्य सड़क सहित कई इलाकों की सड़क बरसात के पानी से भर गया। कई मोहल्लों में बारिश का पानी घरों के आंगन व कई दुकानों तक प्रवेश कर गया, जिससे लोगों की परेशानी बढ़ गयी। सड़क पर गुजरने वाले वाहन भी रेंगने पर मजबूर हो गये। जैसे-तैसे लोग बरसात के पानी को झेलते हुए सड़क पार कर रहे थे। करीब एक घंटे की बारिश ने लोगों के लिए आफत बन गयी और कई मंडियों की हालत बदतर हो गयी। जलजमाव के बाद लोगों का गुस्सा नप प्रशासन के खिलाफ झलका। लोगों का कहना है कि हर वर्ष नप लाखों रुपये खर्च कर सफाई अभियान चलाती है। लेकिन, एक घंटे की बारिश ने पोल खोलकर रख दी। मानसून शुरू होने पर नप के सफाईकर्मी नाली व सेंट्रल नाला की सफाई में जुटते है और बारिश होते ही सफाई का काम ठप हो जाता। नालियों की सफाई नियमित रूप से नही होने से उसमें गाद भर जाता है और ओवरफ्लो होकर गंदा पानी सड़को पर बहने लगता है। बारिश के दौरान शहर के गोला रोड़, पुराना थाना रोड, शहीद गेट नप मार्केट, सफाखाना रोड, हरिजी के हाता, स्टेशन रोड, कड़वी रोड, ठठेरी बाजार, टेक्सटाइल व चाणक्यपुरी कॉलोनी के गली व सड़को की हालत बदतर बन गयी है। इस स्थिति में राहगीरों व व्यवसायियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। पानी निकासी के लिए बनाये गये नाले ओवरफ्लो होकर सड़को पर बहने लगे। शहर की मुख्य मंडी गोला रोड में नालियों का पानी इस कदर सड़क पर चढ़ गया कि अधिकतर दुकानों के अंदर प्रवेश कर गया, जिस वजह से दुकानदारों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। दुकानदारों ने बताया कि सड़क किनारे दोनों ओर नाले गंदगी व गाद से भरे पड़े है। जिससे नालों से पानी आगे न जाकर ओवरफ्लो होकर सड़को पर बहने लगते है। अगर इसी तरह भारी बरसात होती रही तो दुकानों का सामान बचा पाना एक चुनौती साबित होगा। हालांकि सफाई के मामले में नप प्रशासन ने दाव

डुमरांव एनएच 120 पर ईद गाह के समीप सड़क पर लबालब भरा बारिश का पानी।

रघुनाथपुर मध्य विद्यालय के बगल में स्थित पंचमंदिर पर हुआ वज्रपात

ब्रह्मपुर। मंगलवार की दोपहर झमाझम बारिश के दौरान रघुनाथपुर मध्य विद्यालय से सटे प्राचीन पंच मंदिर पर वज्रपात हो गया। यह घटना करीब पौने तीन बजे की है। वज्रपात से एक तरफ मंदिर का गुंबज व एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है तो दूसरी तरफ विद्यालय में पढ़ने वाले सैकड़ो छात्रों व शिक्षकों की जान बाल बाल बच गई। हालांकि बिजली गिरने के दौरान हुए तेज धमाके से छात्रों व शिक्षकों में भय व्याप्त हो गया था।

करीब आधा घंटा तक शिक्षक व छात्र सहमें रहे। इसके बाद ही वे सामान्य हो सकें। घटना के संबंध में जानकारी देते हुए विद्यालय के शिक्षक मो. आजाद ने बताया कि उस वक्त वे वर्ग छह में पढ़ा रहे थे। अचानक बिजली गिरने का तेज आवाज सुनाई पड़ा। ऐसा लगा मानों स्कूल की छत पर ही बिजली गिर रही हो। मैने

तत्काल सभी छात्रों को उंगली से कान बंद करने को कहा तथा खुद भी ऐसा किया। बावजूद तेज धमाके जैसी आवाजे सुनाई पड़ रही थी तथा तेज प्रकाश चमका। जिससे सभी छात्र डर गए थे। सबको लगा कि स्कूल पर ही बिजली गिर गई है। वही विद्यालय के दूसरे शिक्षक नाजिर हुसैन खुद बिजली गिरने के आवाज से सदमे में आ गए थे। हालांकि कोई क्षति नहीं होने से सभी ने राहत की सांस ली। इस घटना में पंचमंदिर का मुख्य गुंबज तथा माइक भी क्षतिग्रस्त हुआ है। बिजली गिरने से आस पास के ग्रामीण भी डर से अपने घर में छिप गए। बता दें कि यह इलाका रघुनाथपुर रेलवे स्टेशन के काफी नजदीक है तथा आस पास में सघन आबादी निवास करती है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि पंचमंदिर के उपर तड़ितरोधी मेटल नहीं लगाया गया होता तो मुमकिन था कि यह मंदिर के बजाय स्कूल या किसी घर पर भी गिरता। तब जान माल की क्षति भी हो सकती थी।

ठनका की चपेट में आने से दो मवेशियों की मौत

डुमरांव। डुमरांव थाना क्षेत्र के दो नंबर चौकी के समीप तेज बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से दो भैंसों की मौत हो गयी। घटना के बाद मवेशी मालिक के परिजनों में कोहराम मच गया। चारमोटिया इनार निवासी गुप्तेश्वर कुशवाहा मंगलवार की दोपहर अपने मवेशियों के साथ खेत पर खेती का काम कर रहे थे। इसी दौरान तेज बारिश के साथ बादल गरजने की आवाज होने लगी। पशुपालक ने अपने मवेशी को बांधकर बारिश से बचने के लिए दूसरी जगह खड़ा हो गया। तब तक वहां

बिजली गिरने से दोनों मवेशी उसकी चपेट में आ गये और मौके पर उनकी मौत हो गयी। उन्होंने सरकार से मुआवजा की भी मांग की है।

बारिश की झलकियां...

डुमरांव के गोला रोड में बारिश के दौरान हुआ जलजमाव।

एनएच 120 पर बारिश के दौरान परेशानी झेलती वाहन चालक।

बारिश के बाद डुमरांव राज हाईस्कूल में जलजमाव।

डुमरांव में झमाझम बारिश के बाद सड़क लगा पानी।

डुमरांव में शहर को हराभरा रखने के लिए लगेंगे दो हजार पैधे

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर परिषद बोर्ड की बैठक में पांच एजेंडों पर चला बहस, फिर मिली स्वीकृति। शहर को हराभरा बनाने के लिए लगेंगे दो हजार पौधे। सरकारी जमीन के साथ ही कोई अपने निजी जमीन पर पेड़-पौधा लगाना चाहता है तो उसे भी नप उपलब्ध कराएगा। फिर शहर के हर गली, मोहल्ला, रोड से अंधेरा होगा दूर, होगी बिजली की व्यवस्था। इतना ही नहीं शहर में जहां दाह संस्कार किये जाते हैं, वहां बनेगा सेड और होगी पानी की व्यवस्था। फिर सभी वार्ड पार्षदों ने अपने-अपने वार्ड की समस्याओं को लिखकर दिया। चेयरमैन सुनीता गुप्ता ने सभी को आश्वासन दिया की उनकी

समस्याओं को शीघ्र दूर किया जाएगा।

इस दौरान बैठक में उठे एजेंडों पर बहस चली, जिसमें डुमरांव शहर और विस्तारित क्षेत्र में दो हजार पौधे पहले फेज में लगाने की सहमति बनी। वार्ड पार्षद भी नप से पौधा लेकर अपने वार्ड में लगवा सकते हैं। इतना ही नहीं नगरवासी यदि पौधा अपनी नीजी जमीन में लगवाना चाहते हैं, तो उन्हें भी नप उपलब्ध कराएगा। कई ऐस मोहल्ला और गली हैं, जहां अंधेरा छाया रहता है। इस अंधेरे को दूर करने के लिए चारोतरफ लाइट की व्यवस्था होगी। इसके लिये वार्ड पार्षद भी अपनी तरफ वैसे स्थानों का चयन कर सूची उपलब्ध करा सकते हैं। फिर वार्ड पार्षदों ने जलजमाव पर जमकर बहस की। इस पर उन्हें आश्वासन दिया गया की शहर से जलजमाव की समस्या शीघ्र दूर की जाएगी। इस पर काम लगाया भी जा चुका है। खिरौली और लालगंज कड़वी जो पूरी तरह से जलजमाव से घिर गया है, वहां पंपिंग सेट लगाकर जलजमाव दूर करने काम शुरू कर दिया गया है। मुख्य सड़क स्टेशन रोड में भी जलजमाव की स्थिति काफी भयावह हो गई है, इसे दूर करने के लिए गड्?ढों को भरने का काम शुरू कर दिया गया है। विस्तारित क्षेत्र नयाभोजपुर व पुरानाभोजपुर के वार्ड पार्षदों ने अपने-अपने वार्ड की समस्याओं को उठाया।

बारिश में भींगकर अस्पताल पहुंचे लोग, इलाज को तरसे

समय से पहले डॉक्टर गायब, 41 मिनट मरीज करते रह गए इंतजार; बेरंग लौटे

केटी न्यूज/डुमरांव

अनुमंडलीय अस्पताल की व्यवस्था स्वास्थकर्मियो की मनमानी के कारण पटरी पर नहीं लौट रही है। डीएम की सख्त मॉनिटरिंग के बावजूद अस्पताल में फिजियोथेरेपिस्ट जेनरल ओपीडी संभाल रहे हैं। मंगलवार दोपहर एक बजे रजिस्ट्रेशन काउंटर पर पहुंचे मरीज पुर्जी कटाने के बाद जेनरल फिजिशियन के चैंबर में दोपहर 01:13 में पहुंचे। रोस्टर के अनुसार सामान्य कक्ष में डॉ शिव कुमार चौधरी की ड्यूटी थी, लेकिन डॉक्टर साहब चैंबर से गायब थे, और उनकी जगह फिजियोथेरेपिस्ट डॉ अजय कुमार सिंह ओपीडी संभाले हुए थे।

सामान्य मरीजों को फीजियोंथेरेपिस्ट दनादन दवा लिख रहे थे। फिर जैसे ही उन्हें मालूम हुआ की मीडिया के लोग आए हुए हैं ओपीडी चेम्बर से गायब हो गए। समय से पहले डॉक्टर गायब हो जाने से, 41 मिनट तक मरीज ओपीडी में सेवा में डाक्टर का इंतजार करते रहे,

लेकिन नहीं आने पर बैरंग वापस लौट गए। फिजियोथेरेपिस्ट द्वारा मरीजों की ओपीडी में सामान्य मरजों को देखें जानक जानकारी जैसे ही डीएम अंशुल अग्रवाल को मिली उन्होंने जांच करने का अदेश देते हुए एडीएम को जांच के लिए भेजा।

मिली जानकारी के अनुसार काउंटर पर रजिस्ट्रेशन कराकर जेनरल कक्ष में पहुंचे मरीज अपनी बारी का इंतजार करते रहे। लगभग दोपहर 01:19 से ओपीडी के 02:00 बजे बंद होने तक कोई डॉक्टर कक्ष में नहीं आया, मरीज इंतजार करते रह गए। दूर दराज से बारिश में आए मरीजों को बेरंग वापस लौटना पड़ा। हालांकि ओपीडी का समय खत्म होते देख इक्के दुक्के मरीजों का अन्य विभागों के डॉक्टरों ने इलाज किया, लेकिन न जाने जेनरल फिजिशियन डॉ शिव कुमार चौधरी कहां गायब रहे कि वो दो बजे तक चैंबर में नहीं आए। इसी बीच मरीज द्वारा जानकारी डीएम अंशुल अग्रवाल को दी गई। फिर क्या डीएम ने इस मामले को सख्ती से लेते हुए इसकी जांच कराने का आश्वासन दिया। डीएम ने कहा कि अगर जांच में डॉक्टर गायब मिले तो कड़ी से कड़ी कारवाई की जायेगी।

एक घंटें की बारिश से कई मोहल्ले जलमग्न

डुमरांव। मंगलवार की दोपहर को करीब एक घंटें की बारिश से ही डुमरांव के कई इलाकों में जलजमाव का नजारा बन गया। नगर परिषद के जलजमाव से शहर को निजात दिलाने के दावे पर फिर पानी फिर गया। झमाझम बारिश से शहर के मुख्य सड़क सहित कई इलाकों की सड़क बरसात के पानी से भर गया।

कई मोहल्लों में बारिश का पानी घरों के आंगन व कई दुकानों तक प्रवेश कर गया, जिससे लोगों की परेशानी बढ़ गयी। सड़क पर गुजरने वाले वाहन भी रेंगने पर मजबूर हो गये। जैसे-तैसे लोग बरसात के पानी को झेलते हुए सड़क पार कर रहे थे। करीब एक घंटे की बारिश ने लोगों के लिए आफत बन गयी और कई मंडियों की हालत बदतर हो गयी। जलजमाव के बाद लोगों का गुस्सा नप प्रशासन के खिलाफ झलका। लोगों का कहना है कि हर वर्ष नप लाखों रुपये खर्च कर सफाई अभियान चलाती है। लेकिन, एक घंटे की बारिश ने पोल खोलकर रख दी। मानसून शुरू होने पर नप के सफाईकर्मी नाली व सेंट्रल नाला की सफाई में जुटते है और बारिश होते ही सफाई का काम ठप हो जाता।

डीएसपी ने छात्राओं को साइबर क्राइम, गुडटच-बैडटच से कराया अवगत

♦ नये आपराधिक कानून व साइबर सुरक्षा के बारे में छात्राओं को किया गया जागरूक

केटी न्यूज/रोहतास/बिक्रमगंज

नये कानून के तहत महिलाओं एवं बच्चियों की सुरक्षा के बारे में कालेज के छात्राओं को जागरूक किया गया । प्रशिक्षु डीएसपी कंचन राज व एसआई नेहा कुमारी के नेतृत्व में 9 जुलाई को महिला कालेज डालमिया नगर, डेहरी ऑन सोन में नये भारतीय कानून के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। छात्राओं को नये कानून के साथ साथ साईबर सुरक्षा के बारे में बारी-बारी से महिला पुलिस द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने कहा 1 जुलाई 2024 से नये आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू हो गए है तीनों नये कानून को लाने का उद्देश्य जांच और न्याय प्रणाली को पारदर्शी, सहज और सुलभ बनाना है। वर्तमान समय को देखते हुए नए कानून में टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल पर जोर दिया गया है। अपराध में पीड़ित को पूरा न्याय मिल सके। छात्राओं को साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन वर्ल्ड में सतर्क रहने, महिलाओं एवं बच्चियों से जुड़े अपराध, गुडटच-बेडटच, यातायात नियमों का पालन करने आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। बच्चियों के साथ कोई छेड़छाड़, छींटाकशी हो तो उसको चुप रहकर सहें नहीं, बल्कि उसकी शिकायत करें। पुलिस द्वारा संचालित विभिन्न हेल्पलाइनों पर इन घटनाओं की शिकायत करें। डेहरी नगर महिला पुलिस आपके सुरक्षा के लिए चौबीस घंटे तैयार है । डर को छोड़कर, चुप्पी को तोड़कर पुलिस संपर्क करें । मौके पर एसआई माधुरी कुमारी, एसआई अलका सोनी, एएसआई सुप्रिया कुमारी, सहित कई महिला पुलिस मौजूद थी। वहीं दूसरी ओर बिक्रमगंज स्थित इंटर स्कूल के सभागार भवन में सेमिनार का आयोजन किया गया । जिसमें नये कानून के तहत महिलाओं एवं बच्चियों की सुरक्षा के बारे में स्कूल के छात्राओं को जागरूक किया गया बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार व महिला एसआई रेशमी कुमारी ने नये भारतीय कानून के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई । छात्राओं को नये कानून के साथ-साथ साइबर सुरक्षा के बारे में महिला पुलिस द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई । थानाध्यक्ष ललन कुमार व एसआई रेशमी कुमारी ने स्कूल की छात्राओं को नये कानून के बारे में सरल शब्दों में बताया गया। विद्यालय के शिक्षक व शिक्षिका सहित स्कूल की बच्चियां उपस्थित थी। सभी को बारिकियां बतायी गई। ताकि वह सुरक्षित रहे।

बिहिया-बिहटा स्टेट हाईव पर पीरो थाना क्षेत्र के मनैनी छलका के समीप मंगलवार को घटी घटना

पोता को स्कूल से छोड़कर आ रहे दादा को अनियंत्रित स्कार्पियो ने रौंदा, मौके पर मौत

♦ पुलिस ने शव का सदर अस्पताल में कराया पोस्टमार्टम
♦ मृतक पेशे से मजदूर थे वह राजमिस्त्री का काम करते थे

केटी न्यूज/आरा

बिहिया-बिहटा स्टेट हाईवे पर जिले के पीरो थाना क्षेत्र के मनैनी छलका के समीप अनियंत्रित स्कॉर्पियो साइकिल सवार एक मजदूर को रौंद दिया। हादसे में उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गई। वही घटना के बाद चालक स्कॉर्पियो लेकर मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार मृतक पीरो थाना क्षेत्र के मनैनी गांव निवासी स्व.राम किशुन राम के 50 वर्षीय पुत्र विक्रमा पासवान है। वह पेशे से मजदूर थे एवं राजमिस्त्री में मजदूरी करते थे। इधर मृतक के बेटे इंद्रजीत पासवान ने बताया कि मंगलवार की सुबह साइकिल से उनके बेटे को स्कूल पहुंचाने के लिए गए थे। स्कूल पहुंचाने के बाद जब वह वापस गांव लौट रहे थे। लौटने के क्रम में जैसे ही वह मनैनी छलका के समीप पहुंचे। तभी पीछे से आ रही अनियंत्रित स्कॉर्पियो उन्हें रौंद दिया। जिससे उनकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। इसके बाद में मौजूद लोगों द्वारा इसकी सूचना परिजनों को मिली। सूचना पाकर परिजन घटनास्थल पर पहुंचे। इसके पश्चात उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय को दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया।

बताया जाता है कि मृतक के परिवार में पत्नी फूलझारो देवी व एक पुत्र इंद्रजीत पासवान एवं एक पुत्री रिंकू देवी है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृतक की पत्नी फूलझारो देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं दूसरी ओर स्कापियो चालक अपना वाहन लेकर भागने में सफल रहा। पुलिस का कहना है कि स्कापियो की तलाश की जा रही है। आसपास के सीसीटीवी कैमरा को खंगाला जा रहा है। ताकि पहचान हो सके।

अगिआंव बाजार में करंट की चपेट में आने से उप सरपंच की मौत

आरा। भोजपुर जिले के अगिआंव बाजार थाना क्षेत्र के अहमेता गांव में सोमवार की शाम करंट की चपेट में आने से उप सरपंच की मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच लोगो के बीच काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही। जानकारी के अनुसार मृतक अगिआंव बाजार थाना क्षेत्र के अहमेता गांव वार्ड नंबर 7 निवासी राम गणेश राम के 41 वर्षीय पुत्र सह अमेहता पंचायत के उप सरपंच संतोष कुमार है एवं वह पेशे से किसान थे। इधर मृतक उप सरपंच के पड़ोसी मुन्ना राम ने बताया कि सोमवार की शाम वह अपना खेत देखने के लिए जा रहे थे। पानी होने के कारण रास्ते में कीचड़ था। जब वह खेत में उत्तर रहे थे। तभी उनका पैर फिसल गया। उसी दौरान वहां पर बिजली के पॉल के सपोर्ट के लिए लगे लोहे के तार को पकड़ लिया। जिससे वह करंट की चपेट में आ गए। जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इसके बाद वह मौजूद लोगों ने जब उन्हें गिरा पड़ा देखा तो फौरन वहां पहुंचे तो उन्होंने देखा कि उनकी मौत हो चुकी है। इसके बाद उन्होंने इसकी सूचना उनके परिजनों एवं स्थानीय थाना को दी। सूचना पाकर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदस्य अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृतक अपने तीन भाई व एक बहन में बड़े थे। उनके परिवार में पत्नी ललिता देवी,तीन पुत्री प्रियांशु ,अंशु खुशबू व दो पुत्र अमित एवं अंकित है। घटना के बाद मृतक के घर में हाहाकार मच गया है। घटी इस घटना के बाद मृतक की पत्नी ललिता देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

करंट की चपेट में आने से युवक की मौत

आरा। शहर के नवादा थाना क्षेत्र के पावरगंज मोहल्ले में करंट की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा- तफरी का आलम रहा। जानकारी के अनुसार मृतक नवादा थाना क्षेत्र के पावरगंज मोहल्ला निवासी जयराम चौहान का 27 वर्षीय पुत्र सोनू कुमार है। इधर मृतक के भाई लालू कुमार ने बताया कि वह घर के इलेक्ट्रिक बोर्ड में पलक लगा रहा था। उसी दौरान वह करंट की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सक ने देख उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन द्वारा इसकी सूचना सदर अस्पताल में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारी को दी गई। सूचना पाकर पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाया। बताया जाता है कि मृतक अपने तीन भाई व एक बहन में बड़ा था। उसके परिवार में मां उषा देवी,पत्नी कविता देवी एक पुत्र हर्ष एवं एक पुत्री अनुष्का है।

लोहे के रॉड से मारकर हत्या के दोषी को आजीवन सश्रम कारावास

जहानाबाद। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय जावेद अहमद खान की अदालत ने कमलेश ठाकुर हत्याकांड मामले में दोषी करार अभियुक्त उपेंद्र भगत को आजीवन सश्रम कारावास की सजा सुनाई है । आरोपी अरवल जिले के करपी थाना क्षेत्र लोदीपुर गांव का रहने वाला है। मामले में सरकार की ओर से पैरवी कर रहे अपर लोक अभियोजक बिंदुभूषण प्रसाद ने बताया कि, यह मामला करपी थाना 250/20 से संबंधित है, जिसमें मृतक का पुत्र रंजीत ठाकुर ने अभियुक्तों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराते हुए बताया था कि, जमीनी विवाद को लेकर गांव के ही रहने वाले उपेंद्र भगत एवं परमेश्वर भगत से झगड़ा झंझट होते रहता था ! इसी विवाद को लेकर उपेंद्र भगत अन्य अभियुक्तों के साथ मिलकर लाठी एवं लोहे के रड से सूचक के पिता कमलेश ठाकुर के सर पर मारा जिससे कमलेश ठाकुर लहूलुहान होकर गिर गया।वही कमलेश ठाकुर को जख्मी हालत में ग्रामीणों के सहयोग से करपी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां उसे बेहतर इलाज के लिए अरवल सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया था , वही इलाज के क्रम में कमलेश ठाकुर की मृत्यु हो गई थी। लिहाजा मामला न्यायालय पहुंचा, जहां अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय जावेद अहमद खान की अदालत ने अभियोजन एवं बचाव पक्ष की दलीलें सुनने के बाद मामले में सुनवाई करते हुए बीते बुधवार को अभियुक्त उपेन्द्र भगत को दोषी करार दिया था।

एक नजर

ठनका गिरने से 6 जख्मी, एक की मौत

चेनारी। थाना क्षेत्र के रामगढ़ गांव में अपने मकान में 5 लोग बैठकर आपस में बातचीत कर रहे थे। जिसमे महिला भी थी। अचानक तेज गर्जन और बारिश होने के कारण आकाशीय बिजली गिरने से पांच लोग घायल हो गए। जिनका नाम नीतीश कुमार, प्रमिला देवी, देवी कुमारी, संगीता देवी, गुड़िया कुमारी शामिल है। उधर मल्हीपुर गांव में भी आकाशीय बिजली गिरने से मल्हीपुर गांव निवासी दिनेश शाह बुरी तरह जख्मी हो गए हैं। सभी घायल को चेनारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जहा स्थिति गंभीर होने के कारण डॉक्टर ने बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया। मल्हीपुर गांव निवासी दिनेश शाह की मृत्यु हो गई।

शराब पीने के आरोप में एक गिरफ्तार

दावथ। थाना क्षेत्र के डेढ़गांव से शराब पीने के आरोप में एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान स्व साहेब दयाल सिंह के पुत्र संजय उर्फ मंटू सिंह के रूप में हुई है। गिरफ्तार आरोपी को आवश्यक कार्रवाई के बाद न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अभाविप का मना 76 वां स्थापना दिवस

बिक्रमगंज। मंगलवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बिक्रमगंज द्वारा 76 वां स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत जिला प्रचारक विभास कुमार एवं दक्षिण बिहार प्रांत के खेलो भारत प्रमुख चंदन तिवारी एवं सत्य प्रकाश तिवारी ने दीप प्रज्वलित कर विधिवत उद्घाटन किया गया। वहीं उपस्थित चंदन तिवारी ने कहा कि विद्यार्थी परिषद विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है। जो कि 365 दिन में छात्र हित, राष्ट्रीय हित एवं समाज हित में काम करता है । संगठन का उद्देश्य है कि राष्ट्र का पुनर्निर्माण को लेकर वर्तमान समय में भी पूरे देश में काम कर रहा है । वहीं उपस्थित जिला प्रचारक विभाष कुमार ने कहा कि देश आजाद होने के बाद देश के युवा को देश के प्रति समर्पित करने को लेकर दिल्ली विश्वविद्यालय के अंदर अभाविप का स्थापना किया गया । सन 1949 से विद्यार्थी परिषद काम कर रहा है । कार्यक्रम में सैकड़ों छात्र उपस्थित थे ।

देशी शराब साथ एक कारोबारी गिरफ्तार

बिक्रमगंज। पुलिस ने देशी शराब के साथ एक कारोबारी को धर दबोचा। नटवार थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के धनकुटिया गांव से पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर राम लखन चौधरी को 200 एमएल का 35 पैकेट यानी कुल मात्रा करीब 7 लीटर देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया । उन्होंने बताया कि गिरफ्तार कारोबारी के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज करते हुए न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया ।

युवती के गुमशुदगी मामले में एफआईआर दर्ज

काराकाट। काराकाट थाना क्षेत्र के विशनपुर से एक युवती के गायब होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस को दिए गए आवेदन में बताया गया है की विशुनपुर गांव से 27 जून से एक 18 वर्षीय युवती लपाता है। युवती के चाचा ने कहा कि भोजपुर जिला के कोईलवर थाना क्षेत्र के कोसीहान निवासी रमेश चौधरी के साथ मेरी भतीजी उनके गांव गई थी। गुप्त सुचना से पता चला कि उसकी सौतेली मां ने अपने परिजनों और रिस्तेदारों के सहयोग से उसे अपने यहां ले जाकर उसकी हत्या कर दिया गया है। उन्होंने ने कहा कि भतीजी के संबंध में रमेश से पूछा तो उसने टाल मटोल करते हुए कहा कि मुझे पता नहीं है। तब हमने हर रिश्तेदारों के यहां खोजना शुरू किया । लेकिन अभी तक भतीजी का कोई सुराग नहीं मिल पाया है । उन्होंने ने कहा कि मुझे सक है कि मेरी भतीजी की हत्या उसके सौतेली मां विना कुअर पति स्व. श्री भगवान, मौसा रमेश चौधरी सहित अन्य लोगों ने कर दी है। अपर थानाध्यक्ष रविभूषण कुमार ने बताया कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। मामले कि हर पहलू को ध्यान में रख कर अनुसंधान किया जा रहा है।

पुलिस ने अवैध बालू लदे ट्रक किया जब्त

बिक्रमगंज। बिक्रमगंज पुलिस ने शहर के तेंदुनी चौक से अवैध बालू लदे एक ट्रक को जब्त कर लिया। ट्रक को तेंदुनी चौक से थाना लाने के क्रम में चालक थाना चौक के पास ट्रक खड़ा कर फरार हो गया। बताया जाता है कि अवर निरीक्षक चंदलाल राय के नेतृत्व में पुलिस नासरीगंज की ओर से आ रहे बालू लदे एक ट्रक की जांच की। इस दौरान खनन निरीक्षक राहुल कुमार भी वहां उपस्थित हो गए। खनन निरीक्षक द्वारा जांच में बालू अवैध पाया गया। ट्रक चालक ट्रक लेकर थाना पहुंचने के बजाए थाना चौक पर ट्रक खड़ा कर फरार हो गया।

खिड़की तोड़कर चोरों ने लाखों की संपत्ति पर हाथ किया साफ, सुबह मिली गृहस्वामी को जानकारी

केटी न्यूज/डेहरी

रोहतास जिले की डिहरी नगर थाना अंतर्गत लालापुर मोहल्ला वार्ड नंबर 21 में चोरों के आतंक से लोगों का रात का नींद उड़ गई है। समाजसेवी निर्दोष पांडेय के घर में खिड़की तोड़कर चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया। इससे पहले भी कई घरों में चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम देकर आराम से चलते बने। डिहरी नगर थाना के गश्ती के बीच आए दिन हो रही चोरी की घटनाएं से डिहरी नगरवासी परेशान है। रात की नींद भी उनकी हराम हो गई है। ऐसे में लोगों ने गश्ती बढ़ाने की भी मांग की है। वहीं लोगों ने बताया कि लालपुर मोहल्ला में चोरी की घटना आए दिन घट रही है। लेकिन डिहरी नगर थाना के पुलिस कि इस ओर कार्रवाई नहीं होने से बेखौफ चोर लगातार चोरी की घटना को अंजाम दे रहे हैं। इस बार चोरों ने समाजसेवी निर्दोष पांडेय के घर को निशाना बनाया। पीड़ित समाजसेवी निर्दोष पांडेय ने बताया की खिड़की तोड़कर चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दी है। वहीं पीड़ित ने पुलिस को दिये आवेदन में कहा है कि चोर खिड़की के रास्ते घर में प्रवेश किये थे। घर में रखे आलमीरा को तोड़कर गहना, कीमति वस्त्र सहित लाखों की संपत्ति पर हाथ साफ कर लिया है। वहीं दूसरी ओर पुलिस ने आवेदन प्राप्त करने के बाद मामले की छानबीन शुरू कर दी है। हालांकि गिरफ्तारी की सूचना नहीं है।

नगर निगम सासाराम की मेयर काजल कुमारी ने नगर आयुक्त पर लगाया गुंडागर्दी का आरोप

केटी न्यूज/सासाराम

नगर निगम सासाराम की मेयर काजल कुमारी ने नगर आयुक्त पर गुंडागर्दी करने का आरोप लगाई। मेयर काजल कुमारी ने कहा कि नगर आयुक्त सासाराम वह एक पदाधिकारी नहीं है उनके द्वारा गुंडागर्दी की जा रही है।नगर निगम सासाराम के सफाई कर्मी सह वार्ड 44 अमरा तालाब के रहने वाली महिला गुड़िया देवी से मेयर के परिवार पर झूठे मुकदमे कराई गई है।मेयर काजल कुमारी ने कहा कि महिला गुड़िया देवी पिछले दिनों मेरे नीजी आवास पर प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए पहुंची थी। जिस समय महिला गुड़िया देवी पहुंची उस वक्त मेयर के पति या उनके बड़े भाई से मुलाकात भी नहीं हुई है।और महिला ने अभद्र व्यवहार मारपीट गाली गलौज की आरोप लगाकर झूठा मुकदमा दर्ज कराई है। मेयर काजल कुमारी ने उस वक्त का सीसीटीवी फुटेज भी जारी कर बताया कि जिसका अवलोकन किया जा सकता है। शिकायतकर्ता महिला गुडिया देवी से मेयर पति या पति के बड़े भाई से मुलाकात भी नहीं हुई है। मेयर ने बताई कि नगर आयुक्त सासाराम के पैसे की उगाही वाले सारी व्यवस्था बंद होने से आयुक्त ने मेयर के परिवार पर झूठे मुकदमे कराने पर उतारू हो गए हैं। उन्हें इसकी जांच की मांग वरीय पदाधिकारियों से की है।

खेत में ठनका गिरने से मजदूर विष्णु और कांति की हुई थी मौत

सांत्वना: मृतक के परिजनों से विधायक अरुण ने जताया दु:ख

केटी न्यूज/नोखा

भाकपा-माले के काराकाट विधानसभा क्षेत्र विधायक अरुण सिंह ने नोखा प्रखंड के हसनाडीह व नोनसारी पहुंच मृतक मजदूर के परिजनों से मिल मदद का भरोसा दिलाया। विगत दिन आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 6 जुलाई को नोनसारी गांव निवासी 65 वर्षीय मजदूर विशुन दयाल राम जो मोजराढ़ गांव स्थित खेत में धान रोपाई करते वक्त आकाशीय बिजली के चपेट में आने से घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। जबकि 7 जुलाई को हसनाडीह में मजदूर महिला कांति देवी,पति राममुरत,उम्र 40 वर्ष की धान की खेत में रोपाई करते वक्त आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई और बुचानो देवी-पति महेंद्र राम, उम्र 40 वर्ष,प्रियंका कुमारी,पिता-महेंद्र राम, उम्र 13 वर्ष, गोधनी कुंवर, पति-स्व प्रभू राम, उम्र 60 वर्ष, सखरी देवी पति-जोखन राम,उम्र 60 वर्ष,सोनी देवी पति-अनिल राम,उम्र 34 वर्ष गंभीर रूप से घायल हैं। मठिया गांव की ममता देवी,पति-जालू चन्द्रवंशी,उम्र 30 वर्ष गंभीर रूप से घयला अवस्था में सासाराम सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिसको वाराणसी रेफर करना पड़ा। विधायक अरुण सिंह नोखा पीएचसी अस्पताल में घायल भर्ती महिलाओं से हालात जाना और चिकित्सा पदाधिकारी को बेहतर इलाज करने का निर्देश दिया। साथ ही मृतक के परिजन से मिलकर उन्हें सांत्वना दी। दूसरी तरफ बिहार सरकार से मांग करते हुए कहा कि मृतक के आश्रितों को 10-10 लाख और घायलों को 2-2 लाख रुपए मुआवजे दिलाने का आश्वासन दिलाया। अवसर पर भाकपा-माले के नोखा प्रखंड प्रभारी रविशंकर राम,जिला कमेटी सदस्य जितेन्द्र प्रसाद, सक्रिय कार्यकर्ता अनवर अंसारी,जोखन राम,प्रेम शंकर सहित अन्य लोग मौजूद थे।

सीओ ने मृतक के परिजनों को दिया 4 लाख का मुआवजा

नोखा। आकाशीय बिजली गिरने से अरवीश कुमार का मौत हो गया था उसी क्रम में नोखा अंचल अधिकारी मकसूदन चौरसिया पहुंचकर और उनके पत्नी को चार लाख का चेक दिया गया आपको बता दे की अरवीश कुमार नोखा प्रखंड के ठेकही बलिरामपुर गांव के रहने वाले हैं अपने घर के बगल में नाली सफाई करने के दौरान ठनका के चपेट में आने से इलाज के क्रम में उनकी मौत हो गयी थी।

शिक्षक संगठनों ने ऑनलाइन उपस्थिति का किया विरोध, 15 जुलाई को जिला मुख्यालय पर धरने की चेतावनी

♦ विभिन्न शिक्षक संगठनों ने बैठक कर अगली रणनीति पर की मंत्रणा

केटी न्यूज/ बलिया

ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में विशिष्ट बीटीसी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों व शिक्षकों ने काली पट्टी बांध कर शिक्षण कार्य किया। इस दौरान शिक्षकों ने सरकार के निर्देश को अतार्किक एवं विद्यालय की भौतिक स्थिति को नजरंदाज कर डिजिटाइजेशन करने की बात कही।

जिलाध्यक्ष डॉ. घनश्याम चौबे ने कहा यह सिलसिला 14 जुलाई तक चलेगा। यदि सरकार फिर भी इस काले कानून को वापस नहीं लेती तो आगामी 15 जुलाई को जिला मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। जिलाधिकारी/जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा जाएगा। वरिष्ठ उपाध्यक्ष अवनीश सिंह ने कहा कि

डिजिटलाइजेशन जैसा अविवेकपूर्ण काला कानून मानवीय मूल्यों को दरकिनार कर लाया गया है। जिला महामंत्री धीरज राय ने कहा कि मानविकी को किसी भी दशा में यांत्रिक नहीं किया जा सकता है। संरक्षक अरुण सिंह ने इसे अव्यवहारिक काल कानून बताया।

कहीं टैबलेट मिला नहीं, तो कहीं काम ही नहीं कर रहा

बलिया। परिषदीय विद्यालयों में शिक्षकों की आनलाइन उपस्थिति का निर्देश नगरा में पहले ही दिन फ्लॉप हो गया। हालांकि कुछ शिक्षकों ने प्रयास किया लेकिन सफल नहीं हो सके। शासन ने आनलाइन हाजिरी के लिए 7.45 बजे से 8.30 बजे तक का समय निर्धारित किया था। सभी शिक्षक समय से विद्यालय पहुंच गए थे। जूनियर हाईस्कूल में टैबलेट न उपलब्ध होने से शिक्षकों ने ऑनलाइन उपस्थिति का प्रयास नहीं किया। प्राथमिक विद्यालय ढेंकवारी के प्रधानाध्यापक रामनिधि राम ने बताया कि प्रेरणा पोर्टल काम नहीं कर रहा है। उच्च प्राथमिक विद्यालय तुर्की दौलतपुर के प्रधानाध्यापक ने बताया कि उन्हें टैबलेट ही नहीं मिला है। प्राथमिक विद्यालय इंदासों के प्रधानाध्यापक ने बताया कि टैबलेट काम नहीं कर रहा है। अधिकतर विद्यालयों पर टेबलेट का सिम एक्टीवेट ही नहीं हुआ था। नगरा के बीईओ आरपी सिंह ने बताया कि आनलाइन हाजिरी का पहला प्रयोग था इसलिए सफल नहीं हो सका।

शिक्षक बोले- जब तक मांगें पूरी नहीं होतीं, नई व्यवस्था स्वीकार नहीं

गाजीपुर। मरदह ब्लाक संसाधन केंद्र के सभागार में मंगलवार को प्राथमिक शिक्षक संघ, माध्यमिक शिक्षक संघ, विशिष्ट बीटीसी शिक्षक संघ एवं तपसा ब्लाक ईकाई की संयुक्त बैठक हुई। जिसमें सभी वक्ताओं ने एक स्वर में संगठन की मजबूती पर बल देते हुए ऑनलाइन उपस्थिति का विरोध जताया। प्राथमिक शिक्षक संघ के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष आनंद प्रकाश यादव ने साथ ही कहा महानिदेशक स्कूल शिक्षा के द्वारा 8 जुलाई से पंजिकाओं का ऑनलाइन उपस्थिति देने का आदेश निर्गत किया गया था जो कि तुगलकी फरमान है। विभागीय अधिकारी वातानुकूलित कक्ष में बैठकर बिना जमीनी हकीकत जाने ही इस प्रकार के अव्यवहारिक आदेश करते रहते हैं जिनमे आने वाली व्यवहारिक कठिनाइयों को दूर किए बिना उसको लागू करा पाना संभव ही नहीं है। प्रदेशीय नेतृत्व द्वारा कई बार महानिदेशक स्कूल शिक्षा को ज्ञापन सौंपकर डिजिटाइजेशन से जुड़ी मौलिक समस्याओं को दूर करने की मांग की गई। फिर भी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ। 23 जुलाई को जिला मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा जिसमें डिजिटाइजेशन से जुड़ी मौलिक समस्याओं के निस्तारण का मांग किया जाएगा। किंतु मांगे पूरी नहीं की गई तो हम आगे भी आन्दोलन के लिए बाध्य होंगे। आगे कहा कि विभागीय अधिकारी दमन पूर्वक ऑनलाइन उपस्थिति व्यवस्था लागू करना चाहते हैं जिसका संगठन पुरजोर विरोध करता है। संगठन विभागीय व सामाजिक दायित्वों के प्रति सजग रहकर छात्र हित व शिक्षा हित में इस आदेश का बहिष्कार कर रहा है। जब तक जायज मांगे पूरी नहीं हो जाती हैं तब तक ऑनलाइन उपस्थिति स्वीकार्य नहीं है। इस मौके पर जगदीश चतुर्वेदी,वेदप्रकाश पाण्डेय,महेन्द्रनाथ यादव,अजय विक्रम सिंह,राजेश भारती,अनीता वर्नवाल,संध्या सिंह आदि मौजूद रहे।

खबरें फटाफट

डीआरएम ने सांसद को किया आश्वस्त, नहीं बदलेगा राजधानी एक्सप्रेस का रूट

बलिया। डिब्रूगढ़ से चलकर छपरा बलिया के रास्ते नई दिल्ली को जाने वाली राजधानी एक्सप्रेस के रूट बदलने की जैसे ही बलिया सांसद सनातन पांडेय को हुई वह तत्काल सोमवार को डीआरएम वाराणसी डीके श्रीवास्तव से मुलाकात की और पत्रक सौंपा। कहाकि जनपद में चर्चा है कि राजधानी एक्सप्रेस का रूट न बदलने की तैयारी चल रही है। जिस पर डीआरएम डीके श्रीवास्तव ने सांसद सनातन पांडेय को बताया कि डिब्रुगढ-दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस का रूट नहीं बदलेगा ।बलिया के लोगों को कभी परेशानी नहीं होगी। बलिया सांसद ने राजधानी एक्सप्रेस को छपरा से गोरखपुर होकर चलाए जाने की अटकलो को लेकर वाराणसी में डीआरएम से मिलकर समाप्त कर दिया। कहाकि यदि ऐसा हुआ तो यह बलिया, गाजीपुर व वाराणसी के लोगों संग छलावा होगा। जिस पर सांसद को डीआरएम ने आश्वस्त किया कि कहीं कोई रूट बदलने का प्रस्ताव नहीं है।

कोपागंज नगर से व्यापारिक सदस्यता अभियान का किया गया श्रीगणेश

मऊ। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल जनपद इकाई मऊ के जिलाध्यक्ष उमाशंकर ओमर तथा प्रदेश आईटी मंच के महामंत्री आनंद ओमर के साथ मऊ जनपद के बढ़ुवा गोदाम बाजार मऊ, नगर कोपागंज बाजार तथा घोसी बाजार, गोठा बाजार, दोहरीघाट, भिखारीपुर, सराय शादी, नदवा सराय तथा खुरहट बाजार में सघन जनसंपर्क अभियान चलाया गया। तथा व्यापारियों की बैठक कर प्रदेश की सदस्यता अभियान चला करके व्यापारिक सदस्य बनाने का आह्वान किया गया। कोपागंज में व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमृतलाल जायसवाल के प्रतिष्ठान पर व्यापारियों को सदस्य बनाकर इस अभियान का श्री गणेश किया गया। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष उमाशंकर ओमर ने जनपद के सभी व्यापारियों से अपील किया कि वह सदस्यता अभियान को तीव्र गति प्रदान करते हुए अधिक से अधिक व्यापारियों को सदस्य बनाएं।

प्रेमिका से शादी न कराने से नाराज था किशोर, एसपी ने दी जानकारी

ट्रिपल मर्डर का खुलासा... छोटा बेटा ही निकला मां-पिता व बड़े भाई का कातिल

♦ खुरपी से पहले मां, फिर पिता और भाई का काटा गला

केटी न्यूज / गाजीपुर

जनपद के नंदगंज थाना अंतर्गत कुसुम्हीं कला (खिलवां) गांव में हुए तिहरे हत्याकांड का पुलिस ने 24 घंटे में पदार्फाश कर दिया। प्रेमिका से शादी न कराने से नाराज छोटे पुत्र ने ही पिता, मां और बड़े भाई की हत्या कर वारदात को अंजाम दिया था। खुरपी से पहले उसने मां, फिर पिता और भाई गला काटकर मौत की नींद सुला दिया। एसपी ओमवीर सिंह ने पत्रकार वार्ता कर तिहरे हत्याकांड का खुलासा कर दिया। हालांकि आरोपी किशोर है, ऐसे में पुलिस ने उसे मीडिया के सामने प्रस्तुत नहीं किया। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त खुरपी सहित खून से सने कपड़ों को भी बरामद कर लिया है। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने बताया कि कुसुम्हीं कला (खिलवां) गांव में आयोजित कार्यक्रम में मुंशी यादव, बड़ा पुत्र रामाशीष और छोटा पुत्र भी गया था। वहां से तीनों रात करीब 11 बजे वापस चले आए। इसके बाद मां देवंती देवी व पिता मुंशी बिंद घर के बाहर सो रहे थे। जबकि बड़ा पुत्र रामाशीष घर के अंदर सोने चला गया। इधर मौका देख छोटा पुत्र घर से निकल गया। रात करीब 12 बजे उसने घटना को अंजाम दिया। इसके बाद यह स्वंय जाकर गांव में बज रहे डीजे को बंद कराया और घटना की जानकारी लोगों को दी थी। पुलिस ने चोचकपुर श्मशान घाट से जब किशोर को जब उठाया तो पूछताछ में वह टूट गया और हत्या की वारदात को उसने कैसे अंजाम दिया था, सारी कहानी को बयां कर डाला। इस संबंध में एसपी ओमवीर सिंह ने बताया कि तिहरे हत्याकांड का पुलिस ने जब गहनता से जांच शुरू की गई और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद जब कड़ी जोड़ी गई तो पता चला कि जिस व्यक्ति पर हत्या का आरोप लगाया गया है, उसकी भूमिका कहीं नहीं

कच्ची उम्र में प्यार का पागलपन, घटना से आश्चर्यचकित हैं जनपदवासी

गाजीपुर। किसी लड़की की मोहब्बत में ऐसा पागलपन शायद ही कहीं देखने को मिला हो। सिरफिरे किशोर ने अपने खून के रिश्तों को भी नहीं पहचान। उसने वह कर डाला जिसकी कभी किसी ने कल्पना तक नहीं की थी। जिस मां ने जन्म दिया, पिता ने गोद में खेलाया, पढ़ाया- लिखाया और जिस भाई ने कदम-कदम पर साथ दिया, इनकी हत्या कोई और नहीं, बल्कि अपने खून ने किया। ऐसा 24 घंटे के अंदर पुलिस द्वारा किए गए खुलासे में सच सामने आया है। इसे जानकर सभी अवाक हैं। बता दें कि मां-बाप और भाई को इसलिए मौत की नींद सुला दिया गया, क्योंकि जिस प्रेमिका से वह शादी करना चाहता था उससे घर वालों ने शादी से इंकार कर दिया था। गाजीपुर के नंदगंज थाना अंतर्गत खिलवा कुसम्हीं गांव निवासी मुंशी बिन (45) उनकी पत्नी देवंती देवी (40) घर के बाहर झोपड़ी में चारपाई डालकर अलग-अलग सो रहे थे। जबकि बड़ा पुत्र राम आशीष बिना (20) घर के अंदर सो रहा था। सभी की खूरपी से गर्दन काटकर हत्या की गई थी। घटना को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही थी। इस मामले में मुकदमा भी दर्ज कर पुलिस ने तत्काल दबिश दी और छह लोगों को हिरासत में भी लिया था। सबसे बारी-बारी से पूछताछ भी की गई। लेकिन जब मुंशी बिन के छोटे पुत्र आशीष बिन से कड़ाई से पूछा गया तो उसने अपना जुर्म कबूल करते हुए कत्ल की पूरी कहानी बताई। घटना की रात वह एक योजना के तहत घर से बाहर चला गया था। आधी रात के बाद वह घर लौटा और एक-एक कर मां -बाप और बड़े भाई की हत्या कर दी। इसके बाद खुद ही शोर मचाना शुरू कर दिया। आस- पास के लोग तुरंत इकट्ठे हो गए और घटना की सूचना पुलिस को दी गई। एक साथ तीन लोगों की हत्या और अलग-अलग खून से लथपथ शव को देखकर सभी भौचके थे। हमेशा से शांत रहने वाला खिलवा कुसम्हीं गांव अचानक चीत्कार उठा था। गांव में काफी शांत एवं व्यवहार कुशल मुंशी बिन (45) उनकी पत्नी देवंती देवी (40) केशव को देखकर सभी दुखी थे। दंपति के अलावा इनके बड़े पुत्र राम आशीष बिन (20) का शव भी घर में एक तरफ पड़ा हुआ था। घटना के बाद अपर पुलिस महानिदेशक वाराणसी, पुलिस उप महानिरीक्षक व पुलिस कप्तान घटनास्थल पर पहुंचे थे। यहां तक कि बौखलाए ग्रामीणों ने बनगांव का सड़क मार्ग को जाम कर दिया था। लेकिन किसी को क्या पता था कि हत्यारोपी कोई बाहरी नहीं, बल्कि मां -बाप का लाडला व छोटा पुत्र ही है। खुलासे के बाद अब बेटे के इस कृत्य पर सभी थू-थू कर रहे हैं।

मिल रही थी। मृतक के छोटे बेटे के प्रेम-प्रसंग के मामले में गहनता से छानबीन की गई तो स्थिति स्पष्ट हुई। तीनों शवों के दाहसंस्कार के बाद जब मृतक के छोटे पुत्र से पूछताछ की गई तो बताया कि उसने ही पिता, माता और भाई का हत्या किया है।

एक नजर

181, 1098, 112, 1090, 1076, 102, 108 हेल्पलाइन नम्बर की दी गई जानकारी

बलिया। भारत सरकार द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत मातृत्व लाभ योजना सप्ताह थीम का आयोजन जिला महिला

चिकित्सालय, बलिया में मंगलवार को आयोजित किया गया। जिसमें केंद्र प्रशासक प्रिया सिंह द्वारा दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, घरेलू हिंसा अधिनियम 2005, कार्यस्थल पर महिलाओं का लैगिग उत्पीड़न अधिनियम 2013, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना। जिसमें वृद्धि की गई धनराशि 15000 से 25000 के बारे तथा वन स्टॉप सेन्टर में दी जाने वाली सहायता, कार्य प्रणाली (मेडिकल सुविधा, अल्पावास, काउंसलिंग, विधिक सहायता, पुलिस सहायता) के बारे में अवगत कराया गया। इसके अलावा सरकार द्वारा संचालित हेल्पलाइन नम्बर 181, 1098, 112, 1090, 1076, 102, 108 आदि के बारे में अवगत कराया गया। इस अवसर पर वन स्टॉप सेन्टर से नीलम शुक्ला, हर्षवर्धन तथा महिला अस्पताल के कर्मचारी उपस्थित रहे।

एक साल से खोदकर छोड़ी गई सड़क पर जलजमाव से नाराज ग्रामीणों ने शुरू किया धरना-प्रदर्शन

गाजीपुर। मेदनीपुर गांव के समीप 17 नंम्बर रेल पुलिया के नीचे आरवीएनएल (रेल विकास निगम लिमिटेड) के द्वारा गाजीपुर से

सैय्यदराजा राष्ट्रीय राजमार्ग 24/97 को एक साल से खोदकर छोडे जाने एवं जलजमाव से तंग आकर मंगलवार को ग्रामीणों ने धरना- प्रदर्शन शुरू कर दिया।इसकी जानकारी आरवीएनएल को होते ही उनमें हडकंप मच गया। उच्चाधिकारियों के निर्देश पर तत्काल मौके पर उसके कर्मी जेसीबी लेकर खोदे गए हाई-वे में जमा पानी को निकालने में जुट गए। ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि एक हफ्ते के अंदर इस खोदे गये मार्ग की मरम्मत करा दी जाएगी। तब जाकर ग्रामीण शांत हुए। साथ ही चेताया कि अगर एक हफ्ते के अंदर इसकी मरम्मत नहीं हुई तो ग्रामीण दोबारा सड़क पर उतरकर हाई-वे के साथ ही रेल चक्काजाम करेगें। इसकी पूरी जिम्मेदारी आरवीएनएल की होगी। ग्रामीणों ने बताया कि बीते एक वर्ष पहले इस रूट पर गार्डर लांचिंग के लिए हाई-वे रेलवे ने खोद दिया। गार्डर लांचिंग एवं रेल रुट चालू होने के बाद खोदे गये हाईवे की मरम्मत आज तक उसके द्वारा नहीं किया जा सका,जबकि इसको लेकर उनके उच्चाधिकारियों से दर्जनों बार गुहार लगाया गया।ग्रामीणों ने बताया कि वर्तमान समय में बरसात के चलते इस खोदे गये हाईवे में चारों तरफ भारी जलजमाव होने के कारण आए दिन राहगीर गिरकर चोटहिल हो रहे है,बावजूद अधिकारी पूरी तरह से गैर जिम्मेदार बने हुए है,जबकि हैरानी की बात है कि रेलवे के उच्चाधिकारी आए दिन इस मार्ग से गुजरते है।लोगों ने कहा कि खोदे गये हाईवे की जल्द जलनिकासी एवं इसकी मरम्मत की जाए ताकि आवागमन में सहूलियत हो सके,कहा कि यह मार्ग काफी व्यस्त रहता है,इस हाईवे से दिन रात बिहार, चंदौली, सैयदराजा,गोरखपुर, वाराणसी, नेपाल आदि के वाहनों का आना जाना लगा रहता है।

दो घंटे की बारिश ने खोली शहर में सफाई व्यवस्था की पोल

केटी न्यूज / बलिया

मंगलवार की दोपहर बाद दो घंटे की बारिश ने मौसम सुहाना करने के साथ तन मन तो भिगाया। लेकिन एक घंटा की बारिश ने शहर में जल निकासी की व्यवस्था की पोल खोल दी। कई मोहल्लों में जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। नगर पालिका की ओर से कुछ दिन पहले नालों के शिल्ट की सफाई कराई गई थी, लेकिन शिल्ट को वहीं पर किनारे रख दिया गया गया था। पहली बारिश में ही वह शिल्ट पुनः नालों में चला गया। इससे बारिश के दिनों में जलजमाव की समस्या और बढ़ेगी। बारिश से सब्जी की खेती करने वाले किसान खुश हैं। किसान अशोक वर्मा ने बताया कि इस बारिश से परवल किसानों को भी राहत मिली है। तेज धूप के कारण सब्जी के खेतों से नमी गायब होने लगी थी। अब कुछ राहत मिलेगी। शहर के बहेरी, चंद्रशेखर नगर, एससी कॉलेज चौराहा, कुंवर सिंह चौराहा, जापलिनगंज आदि जगहों पर घर व दुकान में पानी घुस गया। वहीं कलेक्ट्रेट व सिविल कोर्ट परिसर मानो झील में

पानी में उतरकर किया प्रदर्शन, जिला प्रशासन हाय-हाय के लगाए नारे

बलिया। मूसलाधार बारिश के बाद एनएच- 31 से पानी निकासी न होने पर मंगलवार की शाम बहेरी गांव के लोगों ने पानी में उतरकर प्रदर्शन किया। इस दौरान जिला प्रशासन हाय, हाय, ठेकेदार हाय हाय के नारे भी लगाए। इस दौरान चेताया कि यदि जल्द से जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। बताया कि हैबतपुर से कदम चौराहा तक एनएच-31 के दोनों साइड में जो नाला बनाया गया है, वह एक तो सड़क से उंचा है, दूसरा उसमें होल न होने के कारण तथा नाला जाम होने के कारण पानी निकासी नहीं हो पा रही है। जिससे इस इलाके दुकानदारों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों की मानें तो अभी तक बरसात की शुरूआत है तो यह हाल है। आगे क्या होगा, इसका अंदाजा कोई भी लगा सकता है।

तब्दील हो गया था। उधर मौसम विभाग पटना की मानें तो अभी तक शुरूआत इस तरह की बारिश अभी लगातार जारी रहेगी। मौसम विभाग पटना के अनुसार 10 जुलाई यानी आज से मौसम और भी ज्यादा बिगड़ेगा और लगातार मूसलाधार बारिश का दौर जारी रहेगा।

मूसलाधार बारिश के बाद ठप हुआ न्यायालय कामकाज

बलिया। नगर में मंगलवार की दोपहर दो घंटे की बारिश के बाद सिविल कोर्ट परिसर में पानी भर जाने से काम काज ठप हो गया। पूरा न्यायालय परिसर मानो झील में तब्दील हो गया था। उधर इसे लेकर सिविल कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता मनोज राय हंस ने नगर पालिका चेयरमैन संत कुमार को जमकर आड़ेहाथ लिया। बताया कि बलिया के चेयरमैन व ईओ भ्रष्ट है। 15 जून के बाद नगर में नालों की सफाई शुरू की थी, ऐसे में इस तरह की हालत होना लाजिमी है। बताया कि नाला सफाई का ठेका कब हुआ, यह भी किसी को मालूम नहीं है। बताया कि सिविल कोर्ट का ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरह से फेल है। सच कहूं तो सिविल कोर्ट परिसर के अंदर बनी नाली की सफाई आज तक हुई ही नहीं है।

मदद संस्थान ने वृद्धाआश्रम में जाकर बुजुर्गों के बीच मनाई पहली वर्षगांठ

बुजुर्गों से कटवाया केक, मिठाई खिलाकर लिया आशीर्वाद

♦ बुजुर्ग माता-पिता को उपहार स्वरूप प्रदान किया साड़ी, गमछा, धोती, नगद, फ्रिज व वाशिंग मशीन

♦ एक वर्ष के कार्यकाल में समाज के अनेक जरूरतमंद लोगों की किया मदद

केटी न्यूज/ बलिया

मानवता की सेवा के लिए बने मदद संस्थान की पहली वर्षगांठ गड़वार स्थित वृद्धा आश्रम में मंगलवार को संस्थान के पदाधिकारियों ने बुजुर्ग लोगों के बीच केक काटकर तथा उन्हें मिठाई खिलाकर मनाई। ततपश्चात संस्थान के सदस्यों ने सभी महिला व पुरुष वृद्धजनों को उपहार स्वरूप गिफ्ट सप्रेम भेंट किया और उनके दुःखो साझा करने का काम किया। वही वृद्धा आश्रम में निवास कर रहे सभी वृद्धजनों

ने मदद संस्थान को बलिया ही नहीं, बल्कि प्रदेश व देश में रात दिन आगे बढ़ने की आशीर्वाद दिया। इस दौरान अपनों के बीच मदद संस्थान के सदस्यों को पाकर सभी वृद्धजन प्रफुल्लित दिखे।

आपको बता दे कि नौ जुलाई 2023 को मदद संस्थान की स्थापना की गई। जिसकी पहली वर्षगांठ गड़वार स्थित वृद्धा आश्रम में जाकर मदद संस्थान के सदस्यों ने बुजुर्ग माता-पिता से केक कटवाकर मनाया। इसके बाद वही लोगों को साड़ी, गमछी, धोती, गंजी, ब्रश, टूथपेस्ट, फल, मिठाई व नगद प्रदान किया। इसके अलावा फ्रिज और वाशिंग मशीन भी प्रदान किया गया। जिससे बुजुर्ग माता-पिता अपना कपड़ा धो सके और ठंडा पानी पी सके। इस मौके पर संस्थान के अध्यक्ष अखिलानंद तिवारी ने कहा कि मदद संस्थान ने अपने एक वर्ष के कार्यकाल में समाज के अनेक बेहद जरूरतमंद लोगों के बीच पहुंचकर उनकी यथासंभव मदद अपने समर्थ के अनुसार किया है। यह कार्य निरंतर मदद संस्थान करता रहेगा। उन्होंने मदन संस्थान के सफलतापूर्वक संचालन के लिए एक-एक सदस्यों के प्रति धन्यवाद और आभार प्रकट किया। इस मौके पर मुख्य रूप से अरुणेश पाठक, प्रियंवद दुबे, पवन महराज, जितेंद्र उपाध्याय, रमेश चतुर्वेदी, नरेंद्र सिंह,अजीत सिंह विनीत सिंह, सुजीत सिंह, शंकर प्रसाद चौरसिया, अशोक, संजय सिंह, हरेराम सिंह, अनिल चौबे, विवेक सिंह, पवन गुप्ता, विनोद पासवान, सूर्य प्रताप यादव, राजीव शंकर चतुर्वेदी, संतोष उपाध्याय, सुरेश पाठक, मुन्ना मिश्रा, अजीत सिंह, समीर मिश्रा, रितेश पांडेय, श्रवण कुमार पांडेय, डॉ हरेंद्रनाथ यादव, बब्बन विद्यार्थी आदि लोग रहे। संचालन रणजीत सिंह ने किया ।

छात्रों को सतर्कता के प्रति जागरूक करने का लिया निर्णय

केटी न्यूज / गाजीपुर

रेवतीपुर बीआरसी सभागार में मंगलवार को विद्यालय के शिक्षकों द्वारा स्वास्थ्य सुरक्षा सप्ताह सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ बीईओ अशोक कुमार गौतम ने किया। आयोजित इस सेमिनार में सभी प्रधानाध्यापक, एआरपी और नोडल शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। इस सेमिनार में बोलते हुए बीईओ अशोक कुमार गौतम ने कहा कि विद्यालयों में सर्तकता एवं सुरक्षा के उद्देश्य से यह जागरूकता सप्ताह आयोजित किया जा रहा है। कहा कि सभी विद्यालयों में प्रार्थना के समय छात्रों को इसकी जानकारी एवं इसका डेमो ट्रायल करते हुए उन्हें सतर्कता के प्रति जागरूक किया जाए। बीईओ ने कहा कि यह सुरक्षा सप्ताह आठ जुलाई से तेरह जुलाई तक चलाया जाना है। इसमें छात्रों, अध्यापकों, अभिभावकों, विद्यालय प्रबन्ध समिति, ग्राम प्रधान आदि लोगों को आमंत्रित कर शामिल किया जाए। कहा कि विद्यालय में रोस्टरवाइज प्रत्येक गतिविधियो के संचालन के समय सभी शिक्षकों में दायित्व का बंटवारा कर दिया जाए,ताकि विद्यालय का प्रत्येक छात्र विद्यालय अवधि तक शिक्षकों की निगरानी में रहे, किसी भी दशा में कक्षाएं जर्जर भवन में संचालित न हो तथा यह सुनिश्चित करें कि कोई छात्र जर्जर भवन के तरफ न जाये।इसके अतिरिक्त विद्यालय के निकट तालाब, विद्युत तार,हाईवे सड़क होने की स्थिति में प्रत्येक शिक्षक का यह दायित्व होगा कि वे सुनिश्चित करे कि कोई भी छात्र इसके निकट न जाने पाये, लापरवाही पाए जाने पर सम्बन्धित प्रधानाध्यापक, अध्यापक के खिलाफ सख्त कार्यवाई की जाएगी। उन्होंने निर्देशित किया कि विद्यालय में निर्धारित समय सारणी का अनुपालन सभी अध्यापक सुनिश्चित करें और कहा कि सुरक्षा के तहत हैण्डपम्प, किचेन, एमडीएम/राशन की साफ-सफाई, गैस सिलेंडर में रिसाव,छिपकली या अन्य कोई कीड़अ खाना में न पडने पाए। साथ ही शौचालय, यूरिनल की साफ- सफाई आदि पर विशेष ध्यान दिया जाए, साथ ही उन्होंने कहा कि सुरक्षा जागरूकता के उद्देश्य से विद्यालयों में निबन्ध, चित्रकला, भाषण एवं वाद विवाद व रंगोली आदि प्रतियोगिता का आयोजित सुनिश्चित किया जाए।

पूरे देश मे अंध विश्वास का विस्तार हो रहा है, खुला लाइसेंस मिला है इस प्रतिबंध लगना चाहिए : संजय सिंह

♦ राजनीति में अहंकार नही चलता है, अगली बार जनता 240 से 24 पर ले आएगी

केटी न्यूज / जौनपुर

आम आदमी की पार्टी के नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह देर रात एक निजी कार्यक्रम में जौनपुर पहुंचे।उन्होंने मीडिया के सवालों का जबाब देते हुए कहा कि पूरे देश में जिस तरह से अंधविश्वास का विस्तार हो रहा है,इसका खुला लाइसेंस मिला हुआ है कोई भी अपने आप को बाबा घोषित कर भगवान घोषित कर देता है परमात्मा घोषित कर देता है यह जो बाबो का बाजार पूरे देश में चल रहा है इस पर प्रतिबंध लगना चाहिए इस पर एक सख्त कानून भी बनना चाहिए।उन्होंने किसी का नाम लिए कहा कि हमने देखा कि हरियाणा में एक ऐसा व्यक्ति जेल में है जब चाहता है पेरोल पर बाहर आ जाता है पूरी की पूरी सरकार उसके सामने नतमस्तक है।यही हाल इस बाबा का है।लोगों में ऐसा अंधविश्वास भर दिया गया है कि उनको ऐसे लोगों में कोई दोष नहीं दिखाई देता है। संजय सिंह बोले अयोध्या के मुख्य पुजारी ने कहा कि पहली बार मे ही गर्भ गृह से पानी टपकने लगा है,प्रभु श्री राम के नाम पर भ्रष्टाचार हो रहा है,अयोध्या में जगह जगह सड़के टूटी हुई है और तीस हजार करोड़ रुपये खर्च करने का दावा किया जा रहा है।हालात यह है जगह जगह पानी भरा हुआ है।इसलिए शायद प्रभु श्री राम ने इनके साथ न्याय किया है अयोध्या के साथ जहां जहां श्री राम का नाम जुड़ा है सभी जगह यह हारे है।प्रधानमंत्री को बहुत अहंकार हो गया था।उन्होंने तो कहा था कि जो राम को लाये है हम उनको लाएंगे।यानी अब बेटा कहेगा कि बाबू हम आपको लाये है। संसद में हम लोगो को बोलने नही दिया जाता है।हमारे पास भी बहुत सवाल है। पिछले एक साल से मणिपुर जल रहा है उस पर प्रधानमंत्री जी को वहां जाने की फुरसत नही है। लोग अभी भी रिलीफ कैम्प में रह रहे है। वहां कारगिल योद्धा की पत्नी को निर्वस्त्र कर घुमाया गया।मैंने सदन में यह मुद्दा उठाया तो मुझे 11 महीने तक सस्पेंड कर दिया गया। 22 जुलाई से सदन फिर से शुरू हो रहा है इंडिया गठबंधन यह सभी मुद्दे सदन में उठाएगा।और राजनीति में अहंकार नही चलता है नही तो जनता आपको अगली बार 240 से 24 पर लाने में देर नही लगाएगी।यह सरकार ज्यादा दिन चलने वाली नही है।यह सरकार बैशाखी पर है।

खबरें फटाफट

घर में लगी आग, गृहस्थी खाक

चंदौली। सदर कोतवाली क्षेत्र के डेवढिल गांव में सोमवार की देर शाम सोलारख के घर में लगी आग के कारण नगदी सहित घर गृहस्थी का सामान जलकर राख हो गया। हालांकि ग्रामीणों के अथक प्रयास के बाद आग पर किसी प्रकार काबू पाया गया। सदर कोतवाली क्षेत्र के डेवढिल गांव निवासी सोलारक के घर में अचानक अज्ञात कारणो से लगी आग के कारण घर में लगे रखें 2500 रूपए नगदी ,चावल, गेहूं, कपड़ा ,बिस्तर, बर्तन, मोबाइल सहित आवश्यक कागजात जलकर राख हो गए। हालांकि ग्रामीणों के प्रयास के बाद आग पर किसी प्रकार काबू पाया गया ।तब तक हजारों रुपए मूल्य के समान जलकर राख हो गया। इस दौरान अफरा तफरी का माहौल बन गया।

चंदौली के शूटरों ने 10 मीटर एयर राइफल में लगाया मेडल पर निशाना

चंदौली। जिले के शूटरों ने 47 वीं उत्तर प्रदेश शूटिंग चैंपियनशिप नई दिल्ली में कांस्य पदक हासिल किया है । यह प्रतियोगिता डाक्टर करणी सिंह शूटिंग स्टेडियम में 5 से 14 जुलाई तक आयोजित थी। जिसमे एकौनी सिंघीताली निवासी एकलाख अहमद, सुजीत यादव ने और कठौरी निवासी अखिलेश चौरसिया ने इस प्रतियोगिता में कांस्य पदक हासिल किया। इस प्रतियोगिता में चंदौली की टीम तीसरे स्थान पर रही और तीनों खिलाड़ियों ने अगले प्रतियोगिता प्री नेशनल के लिए क्वालिफाई कर लिया । चन्दौली के ये तीनो खिलाड़ी केडी शूटिंग रेंज एकौनी सिंघीताली में में अभ्यास करते हैं और तीनो खिलाड़ियों को सोता बसनिया बबुरी निवासी कोच सुरेश कुमार पाठक मोबाइल वीडियो कॉलिंग द्वारा खिलाड़ियों का अभ्यास कराते हैं ।कोच सुरेश पाठक ने तीनों खिलाड़ियों को ऊंचे मुकाम तक पहुंचाने की जिम्मेदारी ली है।

डीएम ने एआरटीओ व पुलिस विभाग को ढाबों पर हो रही अवैध पार्किंग रोकने के दिए निर्देश

ढाबा संचालक अपने परिसर में पार्किंग की वैकल्पिक व्यवस्था करें : जिलाधिकारी

♦ सड़क सुरक्षा के सभी उपाय करने का निर्देश सभी संबंधित अधिकारियों को दिया गया

केटी न्यूज/ चंदौली

कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को जिलाधिकारी निखिल टी. फुंडे की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई। इसमें सड़क सुरक्षा के सभी उपाय करने का निर्देश सभी संबंधित अधिकारियों को दिया गया। डीएम ने एआरटीओ व पुलिस विभाग को ढाबों पर हो रही अवैध पार्किंग रोकने के कड़े निर्देश दिए। कहा कि इस संबंध में सघन अभियान चला कर कार्रवाई की जाए। साथ ही सभी ढाबा संचालकों को नोटिस निर्गत किया जाए कि अपने परिसर में पार्किंग की वैकल्पिक व्यवस्था करें, ताकि यातायात प्रभावित न हो।

जिलाधिकारी ने नशा कर के वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए एडिशनल एसपी को निर्देश दिया। कहा कि सभी थानों की ओर से अभियान चला कर कार्रवाई की जाए। उन्होंने ओवर स्पीडिंग,बिना सीट बेल्ट,बिना हेलमेट वाहन चलाने व वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग करने वालों के विरुद्ध अपेक्षित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। जनपद में पड़ने वाले समस्त ब्लैक स्पाट को खत्म कराने के लिए 15 दिन के अंदर कार्रवाई पूर्ण करने का निर्देश लोक निर्माण विभाग व एनएचआइ के संबंधित अधिकारियों को दिया। सैयदराजा जमानियां रोड का आडिट कराने व एनएचआइ को सड़कों पर व्यवस्थित तरीके से साइनेज लगाने का निर्दश दिया। अपर जिलाधिकारी वित्त व प्रशासन, एसडीएम सदर, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी, एआरटीओ, डीआइओएस, एनएचआइ व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

पत्रक सौंपकर किसानों ने उचित मुआवजा की मांग की

चंदौली। किसान न्याय मोर्चा के बैनर तले मंगलवार को दुलहीपुर, महाबलपुर, गंजख्वाजा, मिल्कीपुर, अकबरपुर आदि गांवों के किसानों ने जिलाधिकारी निखिल टी. फुंडे को पत्रक सौंपा। मांग किया कि किसानों को पुनर्वास विस्थापन के लिए उचित मुआवजा दिया जाए। मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र प्रसाद यादव ने कहा कि दुलहीपुर में छह लेन की बजाय चार लेन की सड़क बनाई जाए साथ ही पड़ाव से गोधना मोड़ व पचफेड़वा तक ओवर ब्रिज बनाया जाए। प्रभावित लोगों को उचित मुआवजे का भुगतान किया जाए। ईट भट्ठा व्यवसायी संघ के अध्यक्ष रतन श्रीवास्तव ने कहा कि जिला प्रशासन की ओर से समस्या के बाबत सार्थक पहल नहीं की गई तो अदालत का दरवाजा खटखटाया जाएगा। इस अवसर पर किसान न्याय मोर्चा के अध्यक्ष कृष्ण कांत यादव, शमीम मिल्की, इंद्रजीत शर्मा, महेन्द्र, कन्हैया सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

वाहनों में सुरक्षा मानकों का पालन करायें विद्यालय संचालक: डीएम

केटी न्यूज / चंदौली।

जिलाधिकारी निखिल टी फुंडे की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विद्यालय परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक हुई। डीएम ने विद्यालयों में लगे वाहनों के फिटनेस, वाहन चालकों के लाइसेंस व चरित्र सत्यापन किए जाने का निर्देश अधिकारियों को दिया। कहा कि वाहन चालकों से सुरक्षा मानकों का अनुपालन कराएं। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। एआरटीओ, डीआइओएस व ट्रैफिक विभाग को निर्देश दिया कि सघन अभियान चला कर सभी स्कूली वाहनों का फिटनेस जांच करें।

डीएम ने कहा कि वाहन चालकों का लाइसेंस/चरित्र सत्यापन अवश्य कराया जाए। विद्यालय के वाहनों के अलावा प्राइवेट वैन/आटो/मैजिक आदि से विद्यालय जाने वाले सभी वाहनों का फिटनेस और चरित्र सत्यापन कराएं। कहा कि विद्यालय प्रबंधकों की ओर से सभी मानकों का कड़ाई से अनुपालन कराया जाए। यदि विद्यालयों की ओर से इस पर विशेष ध्यान न दिया जाए तो उन्हें नोटिस निर्गत की जाए। स्कूटी/बाइक से विद्यालय जाने वाले अंडर एज बच्चों के संबंध में निर्देश दिया कि ऐसे मामलों में अभियान चलाकर कार्रवाई करें।

डीआइओएस को निर्देश दिया कि उपर्युक्त सभी बिंदुओं के संबंध में पत्र बनाकर सभी विद्यालयों को सूचित करें कि मानकों का पूर्णतः अनुपालन कराया जाए। एआरटीओ व ट्रैफिक विभाग की ओर से संयुक्त रूप से समय समय पर आकस्मिक जांच की जाए। एडीएम वित्त व प्रशासन अभय पांडेय, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट हर्षिका सिंह, एसडीएम अविनाश कुमार सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

एक नजर

मेडिकल कॉलेज में सुविधा न मिलने पर नाराज हुई विधायक

जौनपुर। उमानाथ सिंह स्वाशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में शिक्षा और दुर्व्यवस्था को लेकर मछलीशहर की सपा विधायक डॉ रागिनी सोनकर

ने गंभीर आरोप लगाया है । सोमवार को उन्होंने कालेज परिसर में 3 घंटे निरीक्षण करने के बाद कहा कि यहां पढ़ने वाले विद्यार्थियों को किताबी डॉक्टर बनाया जा रहा है । उन्हें प्रैक्टिकल की सुविधा नहीं है। उन्होंने कहा कि एमबीबीएस का चौथा बैच आने को है इन छात्रों को सर्जिकल की जानकारी देने का समय है लेकिन कोई जिम्मेदार चिकित्सक नहीं है जो यहां से छात्रों को जिला अस्पताल ले जाए और उन्हें जानकारी हासिल कराए। इसे उन्हें उन्हें व्यावहारिक ज्ञान नहीं मिल रहा है। विधायक डॉक्टर रागिनी सोनकर मेडिकल कॉलेज की चरमराई व्यवस्था पर गंभीर रूप से नाराजगी जताई और कहा कि मेडिकल के विद्यार्थियों के दुख दर्द को विधानसभा में उठाकर समस्या का समाधान कराया जाएगा। उन्होंने ओपीडी, प्रशासनिक भवन और हॉस्टल का बारी-बारी से निरीक्षण कर छात्र-छात्राओं की व्यवस्था का हाल जाना कहा कि दूसरों को स्वस्थ रहने की सलाह देने वाली चिकित्सक खुद अस्वस्थ हो जाएंगे क्योंकि छात्रावास के सामने नाले का पानी बह रहा है। परिसर में भी क्रिकेट से जाने वाले मार्ग पर बरसात का पानी लगा हुआ था। लेक्चर हाल में पार्टीशन डाल कर क्लास चलाने पर गहरा दुख व्यक्त किया। कहा कि एक क्लास की आवाज दूसरे क्लास में जा रही है इससे छात्रों को पठन पाठन में मुश्किलें हो रही है। यहां के छात्राओं ने दुखी मन से निंदा करते हुए कहा कि हमें किताबी डॉक्टर बनाया जा रहा है। यहां की पूरी व्यवस्था चौपट हो गई है बिजली पानी की समस्या 10 दिनों तक बनी रहती है। डॉ सोनकर ने कहा कि सपा के कार्यकाल में बना मेडिकल कॉलेज के अधूरे कार्यों का फीता काटकर मुख्यमंत्री ने यहां के लोगों के साथ अन्याय किया है। साथ में मेडिकल कॉलेज को फंड न देने के कारण यहां के विद्यार्थियों की पढ़ाई और चिकित्सा सुविधा बेकार हो गई है। उन्होंने कहा कि विधानसभा में सवाल उठाकर यहां की व्यवस्था को ठीक कराया जाएगा ताकि यहां ओपीडी के साथ मरीज के भरती की व्यवस्था सुचारू रूप से चले। साथ में कुछ महत्वपूर्ण जांच की भी सुविधा यहां के लोगों को उपलब्ध हो सके।

दूसरे दिन भी शिक्षकों ने दिखाई एकजुटता

जौनपुर। बेसिक शिक्षा परिषद विभाग द्वारा 08 जुलाई से शिक्षकों के डिजिटल उपस्थिति का आदेश था लेकिन जनपद जौनपुर में यह आदेश

पूर्णतः हवाहवाई साबित हो रहा है, जहाँ पहले दिन विभाग द्वारा मात्र तीन प्रतिशत शिक्षकों की उपस्थिति का दावा किया गया। तो वहीं दूसरे दिन यह संख्या उससे भी कम बताई जा रही है। सनद रहे कि यहां उत्तर प्रदेश की प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष अमित सिंह के नेतृत्व में जनपद के समस्त परिषद शिक्षकों ने डिजिटल उपस्थिति के प्रथम दिन से ही बहिष्कार की घोषणा की है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अमित सिंह ने बताया कि विभाग द्वारा तानाशाही फरमान के तहत 08 जुलाई 2024 से डिजिटल उपस्थिति (डिजिटल अटेंडेंस) आदेश का उत्तर प्रदेश की प्राथमिक शिक्षक संघ जौनपुर प्रांतीय नेतृत्व के आंदोलन के आह्वान के क्रम में पूरी मजबूती के साथ डिजिटल उपस्थिति का पूर्ण बहिष्कार कर रहा है।

सदर विधानसभा में भाजपा का मतदाता अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित

केटी न्यूज / गाजीपुर

लोकसभा चुनाव के बाद मतदाता अभिनंदन कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी ने जखनियां और सैदपुर विधानसभा के बाद मंगलवार को गाजीपुर सदर विधानसभा का मतदाता अभिनंदन कार्यक्रम जिलाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला कार्यालय पर सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी लक्ष्य आधारित सामाजिक संकल्पों के साथ राष्ट्र सेवा धर्म का पालन करते हुए नैतिक जिम्मेदारी का निर्वहन करने वाली राजनैतिक पार्टी है। हमारा ध्येय स्पष्ट है। हम सरकार सत्ता सुख के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्धारित मूल्यों की स्थापना और जन सेवा के अवसर के रुप में बिना भेद एकात्म मानववाद की प्रेरणा से समाज के सबसे कमजोर व कतार के अंतिम व्यक्ति के लिए काम करते हैं। कहा कि निः संदेह भारतीय जनता पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता संगठित होकर संगठन क्षमता की वृद्धि तथा मजबूती के लिए काम करता है। कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता एवं मतदाता अत्यंत परिश्रमी एवं परिणाम का परवाह किए बिना लगातार काम करते रहते हैं। आज उन्हीं मतदाताओं के योगदान का परिणाम है कि देश प्रगति पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। कहा कि जिले के चुनाव परिणामों से हमें सीख लेना हैं। हमें अपनी कमियों और खामियों को ढूंढकर उस पर काम करने कि जरूरत है। जिलाध्यक्ष सुनील सिंह ने विधानसभा में प्राप्त 89797 मतों के प्रति एक -एक मतदाता का आभार व्यक्त करते हुए उनका हृदय से अभिनन्दन किया।जिला महामंत्री प्रवीण सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का मतदाता बिना किसी लोभ लालच जाति और वर्ग से परे देश के समृद्धि और सामाजिक मूल्यों के स्थापना के लिए मतदान करता है और अपने नागरिक कर्तव्यों के पालन में सही निर्णय लेने की क्षमता रखता है। इसके लिए वह कोटि कोटि अभिनंदनीय है। नगरपालिका अध्यक्ष सरिता अग्रवाल ने कार्यक्रम का समापन किया।

भक्त भगवान के स्वास्थ्य लाभ के लिए काढ़े का भोग लगाते हैं

काशी में भगवान जगन्नाथ डोली में आते हैं और कार पर जाते हैं मंदिर

♦ पिछले 14 सालों से भगवान को कार में विराजमान कराकर वापस लाया जाता है मंदिर

केटी न्यूज/वाराणसी

काशी की परंपरा, प्रथा और रस्में पूरी दुनिया में अनोखी हैं। यही कारण है कि यहां नाथों के नाथ भी बालसुलभ भाव से भक्तों को दर्शन देते हैं। भक्तों के प्रेम में स्नान करके बीमार पड़ते हैं और अज्ञातवास पर चले जाते हैं। भक्त भगवान के स्वास्थ्य लाभ के लिए काढ़े का भोग लगाते हैं और भगवान जब स्वस्थ हो जाते हैं तो भक्तों से मिलने के लिए काशी की गलियों में निकल पड़ते हैं। भगवान जगन्नाथ काशी के इकलौते देवता हैं जो चार दिनों में तीन वाहनों की सवारी करते हैं। डोली में सवार होकर भक्तों को दर्शन देने आते हैं और जब विदाई की बेला होती है तो इन्हें कार में सवार होकर मंदिर परिसर जाते हैं। काशी के पहले लक्खा मेले की परंपराएं 222 सालों से निभाई जा रही हैं। काशी के पहले लक्खा मेले रथयात्रा में भक्त मंगलवार तक भगवान जगन्नाथ, सुभद्रा और बलभद्र के दर्शन करेंगे। बीते शनिवार को भगवान सपरिवार डोली पर सवार होकर मंदिर के गर्भगृह से काशी की गलियों में निकले। 13 मोहल्लों से डोली गुजरी। इसके बाद रथ पर सवार हुए और तीन दिनों तक भक्तों को दर्शन देंगे। मंगलवार की देर रातद भक्तों से विदा लेकर भगवान कार में सवार होकर मंदिर में लौट जाएंगे। यह काशी के इकलौते भगवान हैं जो वर्ष के चार दिनों में अलग-अलग तीन वाहन पर सवार होते हैं। डोली और रथ पर विराजमान भगवान के दर्शन तो हर कोई करता है लेकिन कार में सवार भगवान के दर्शन किसी को नहीं होते। मध्यरात्रि के बाद अपने नियत समय पर भगवान को रथ से उतारकर कार में विराजमान कराया जाता है। इसके बाद कार सीधे मंदिर परिसर में ही पहुंचकर रुकती है। इसके समय के बारे में सिर्फ और सिर्फ पुजारी व ट्रस्ट के पदाधिकारियों को ही पता होता है। ट्रस्ट श्री जगन्नाथ के दीपक शापुरी ने बताया कि 2010 तक भगवान डोली पर सवार होकर निकलते थे, रथ पर विराजमान होकर दर्शन देते थे और फिर वापस डोली से अपने मंदिर में लौट जाते थे। इसके बाद रात में डोली उठाने वालों की किल्लत हो गई तो फिर इसमें बदलाव करना पड़ा। स्वस्थ होने के बाद भगवान जगन्नाथ, सुभद्रा और बलभद्र जब काशी की गलियों में निकलते हैं तो डोली उठाने वालों की होड़ सी लग जाती है लेकिन रात के समय ना तो भक्त होते हैं और ना ही कोई डोली उठाने वाला। इसको देखते हुए बदलते समय के साथ परंपराओं में थोड़ा सा बदलाव करना पड़ा। पिछले 14 सालों से भगवान को कार में विराजमान कराकर मंदिर वापस लाया जाता है। इस दौरान मंदिर के पुजारी और चालक के अलावा कोई तीसरा व्यक्ति मौजूद नहीं होता है।

सुभाषितम्

महान लोगों को हमेशा ही सामान्य मन से हिंसक विरोध का सामना करना पड़ता है। -अल्बर्ट आइंस्टीन

बारिश के पानी को बचाने के लिए करने होंगे नए उपाय

भारत में बारिश के 8 फीसदी पानी को ही हम संचित कर पाते हैं। शेष पानी नदियों से बहते हुए समुद्र में चला जाता है। बारिश के पानी का हम संचयन कर सकें, तो काफी हद तक जल संकट से निपटा जा सकता है। छोटी-छोटी योजना बनाकर बेहतर तरीके से पेयजल और भूमिगत जल स्तर को बढ़ाने की दिशा में बेहतर उपाय करने होंगे। हमें बारिश के पानी की बहुत अधिक जरूरत है। भारत में भूमिगत जल स्तर बड़ी तेजी के साथ गिर रहा है। खेती किसानी के काम में भी भूमिगत जल स्तर का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जा रहा है। जिसके कारण साल दर साल जल स्तर गिरता ही जा रहा है। भारत की बहुत बड़ी आबादी पेय जल संकट से 1 माह से लेकर 3 माह तक जूझती रहती है। पानी के कारण कई हिस्सों से पलायन होता है। देश में पिछले 75 सालों से पानी को लेकर हम कई अभियान संचालित कर रहे हैं। उसके बाद भी केवल 8 फीसदी बारिश का जल ही हम बचाने में सफल हो पा रहे हैं। यह बड़ी चिंता का विषय है। 1947 में भारत में 6042 क्यूबिक मीटर पानी की उपलब्धता थी। जो 2021 में घटकर 1486 रह गई है। पर्यावरण विद् ज्ञानेंद्र रावत के अनुसार भारत में हर व्यक्ति को रोजाना लगभग 150 लीटर पानी की जरूरत होती है। लापरवाही के कारण 45 लीटर पानी रोजाना बर्बाद कर दिया जाता है। भारत सरकार अभी भी शुद्ध पेयजल अपने नागरिकों को उपलब्ध नहीं कर पा रही है। प्राकृतिक जल स्रोतों के ऊपर भारत सरकार का ध्यान नहीं है, जैसा होना चाहिए। देश के अधिकांश जल स्रोत इस समय संकट में है। कुआं, तालाब और पोखरों का रख-रखाव नहीं हो पा रहा है। जिसके कारण बारिश के जल का जो संग्रहण प्राकृतिक रूप से होता था वह भी अब नहीं हो पा रहा है। अधिकतर जलाशयों का उपयोग मछली पालन और खेती किसानी के लिए होने लगा है। भूमिगत जल स्तर बहुत नीचे चले जाने से कुआं और नलकूप खनन के जरिए जो पानी पेयजल एवं अन्य कामों के लिए उपलब्ध होता था, वह भी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। हैंड पंप 4 से 5 महीने ही पानी दे पा रहे हैं। सरकार के साथ-साथ स्थानीय संस्थाओं, सामाजिक एवं पारिवारिक गतिविधियों में हम प्राकृतिक जल संसाधनों का अत्याधिक दोहन तो कर लेते हैं। प्राकृतिक जल के रखरखाव और जल संग्रहण को लेकर जो काम हमें करने चाहिए, वह नहीं कर पा रहे हैं। वर्तमान में जो जल स्रोत हैं। उनके आसपास मिट्टी का जमा हो जाना। समय-समय पर उनकी सफाई नहीं होना, बढ़ते जल संकट का बड़ा कारण है। भारत में हर साल बारिश के समय देश के अधिकांश राज्यों में बाढ़ की समस्या होती है। बारिश का जल हम बह जाने देते हैं। बाढ़ के समय नदियों और नालों का जल स्तर काफी ऊंचाई पर पहुंच जाता है। बारिश के पानी को संग्रहित करने की कोई योजना बनाएं। बाढ़ के पानी को भी बड़ी मात्रा में निचले क्षेत्रों में आसानी से संग्रहित किया जा सकता है। इस दिशा में अभी तक कोई काम भारत में नहीं हुआ है। दुनिया के सभी देशों में पेयजल संकट देखने को मिल रहा है। भारत जैसे देश में जहां पेयजल प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। अब भारत में भी पानी को खरीदकर पीना पड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ समय-समय पर चेतावनी दे रहा है। पूरी दुनिया के 270 करोड लोग अभी भी जल संकट से प्रभावित हैं। इतनी बड़ी आबादी को पीने के लिए शुद्ध जल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। जल संकट के कारण अब युद्ध तक की बात होने लगी है। भारत में बारिश के पानी को बचाने के लिए छोटी छोटी योजनाएं बनानी पड़ेंगी। मानसून के समय बाढ़ के पानी को उन निचले क्षेत्रों में ले जाकर संग्रहित कर सकें जहां इनकी जरूरत है। बिहार जैसे राज्य जहां हर साल बारिश में बाढ़ आती है। उस समय जल काफी ऊंचाई के स्तर पर रहता है। छोटे-छोटे कटाव करके पानी निचले क्षेत्रों में आसानी के साथ तेज बहाव में भेजा जा सकता है। बाढ़ से जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित होता है।

चिंतन-मनन

प्रार्थना की पुकार

यदि प्रार्थना सच्ची हो तो परमपिता परमेश्वर उस प्रार्थना को जरूर ही सुनते हैं। परमपिता परमेश्वर अत्यंत कृपालु और दयालु हैं, परंतु प्रार्थना के लिए भी हृदय का पवित्र और निर्मल होना अत्यंत आवश्यक है। मन का पवित्र होना, अहंकार और अभिमान से रहित होना नितांत आवश्यक है। ऐसे पवित्र-हृदय-अंतः करण से उत्पन्न हुए भाव ही प्रार्थना हैं। हृदय की पवित्रता का अर्थ है अपने आपको सांसारिक तुच्छ विषय-वासनाओं की आसक्तियों से मुक्त कर लेना। सब तरह की आसक्ति से रहित होना ही हृदय की पवित्रता है। किसी तपस्वी ने ठीक ही कहा है- सच्चे-वास्तविक जीवन को पाने की आकांक्षा उत्पन्न होना ही प्रार्थना है। हमारे भीतर हृदय में जिसकी खोज होगी, भीतर जिस चीज को पाने की प्यास होगी- तो, ही हम उस दिशा में जा सकेंगे। प्रार्थना होती है आत्म बोध से। आत्मबोध में ही परमार्थ की प्यास जगती है और तुच्छ स्वार्थी का परित्याग होता है। प्रार्थना है- परिपूर्ण समर्पण, अपने अहंकार के बोझ को अपने सिर से उतार फेंकना और उसके पावन चरणों में अपना सिर झुका देना। जो प्रभु की कृपाएं और उनका अनुग्रह चाहता है उसे चाहिए कि वह किसी से भी किसी तरह का वैर-विरोध न करे। वह सत्य बोले, वह असत्य, छल-कपट, निंदा-चोरी आदि से हमेशा दूर रहे। अपनी इंद्रियों पर हमेशा संयम रखे, किसी भी प्रकार का लोलुप-लालची न हो। वह कभी अहंकार अभिमान न करे, शत्रु-द्वेष को छोडकर मन को शुद्ध पवित्र रखें। प्रार्थना की शक्ति बहुत ही अद्भूत है। वह भगवान को भक्त का उद्धार करने के लिए अवश्य ही बाध्य कर देती है, परंतु प्रार्थना सच्ची हो, हृदय से हो। भगवान ने प्रार्थना मीरा की सुनी, बुद्ध की सुनी, उन सबकी सुनी जिन्होंने परहित के लिए उन्हें याद किया। वह हर मानव मन में चल रहे भाव-कुभाव को अच्छी तरह से जानते हैं। अतः उसके समक्ष जब भी जाएं, शुद्ध भाव रखें।

चक्रीय अर्थव्यवस्था की आवश्यकता क्यों?

-प्रहलाद सबनानी

हिंदू सनातन संस्कृति हमें सिखाती है कि आर्थिक विकास के लिए प्रकृति का दोहन करना चाहिए न कि शोषण। परंतु, आर्थिक विकास की अंधी दौड़ में पूरे विश्व में आज प्रकृति का शोषण किया जा रहा है। प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग कर प्रकृति से अपनी आवश्यक आवश्यकताओं की पूर्ति बहुत ही आसानी से की जा सकती है परंतु दुर्भाग्य से आवश्यकता से अधिक वस्तुओं के उपयोग एवं इन वस्तुओं के संग्रहण के चलते प्राकृतिक संसाधनों का शोषण करने के लिए हम जैसे मजबूर हो गए हैं। ऐसा कहा जाता है कि जिस गति से विकसित देशों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों का शोषण किया जा रहा है, उसी गति से यदि विकासशील एवं अविकसित देश भी प्राकृतिक संसाधनों का शोषण करने लगे तो इसके लिए केवल एक धरा से काम चलने वाला नहीं है बल्कि शीघ्र ही हमें इस प्रकार की चार धराओं की आवश्यकता होगी। एक अनुमान के अनुसार जिस गति से कोयला, गैस एवं तेल आदि संसाधनों का इस्तेमाल पूरे विश्व में किया जा रहा है इसके चलते शीघ्र ही आने वाले कुछ वर्षों में इनके भंडार समाप्त होने की कगार तक पहुंच सकते हैं। बीपी स्टेटिस्टिकल रिव्यू ऑफ वर्ल्ड

एनर्जी रिपोर्ट 2016 के अनुसार दुनिया में जिस तेजी से गैस के भंडार का इस्तेमाल हो रहा है, यदि यही गति जारी रही, तो प्राकृतिक गैस के भंडार आगे आने वाले 52 वर्षों में समाप्त हो जाएगें। फॉसिल फ्यूल में कोयले के भंडार सबसे अधिक मात्रा में उपलब्ध हैं। परंतु विकसित एवं अन्य देश इसका जिस तेज गति से उपयोग कर रहे है, यदि यही गति जारी रही तो कोयले के भंडार दुनिया में आगे आने वाले 114 वर्षों में समाप्त हो जाएगें। एक अन्य अनुमान के अनुसार भारत में प्रत्येक व्यक्ति औसतन प्रतिमाह 15 लीटर से अधिक तेल की खपत कर रहा है। धरती के पास अब केवल 53 साल का ही ऑइल रिजर्व शेष है। भूमि की उर्वरा शक्ति भी बहुत तेजी से घटती जा रही है। पिछले 40 वर्षों में कृषि योग्य 33 प्रतिशत भूमि या तो बंजर हो चुकी है अथवा उसकी उर्वरा शक्ति बहुत कम हो गई है। जिसके चलते पिछले 20 वर्षों में दुनिया में कृषि उत्पादकता लगभग 20 प्रतिशत तक घट गई है। कई अनुसंधान प्रतिवेदनों के माध्यम से अब यह सिद्ध किया जा चुका है कि वर्तमान में अनियमित हो रहे मानसून के पीछे जलवायु परिवर्तन का योगदान हो सकता है। कुछ ही घंटों में पूरे महीने की सीमा से भी अधिक बारिश का होना, शहरों में बाढ़ की स्थिति निर्मित होना, शहरों में भूकम्प के झटके एवं साथ में सुनामी का आना, आदि प्राकृतिक आपदाओं जैसी घटनाओं के बार-बार घटित होने के पीछे भी जलवायु परिवर्तन एक मुख्य कारण हो सकता है। एक अनुसंधान प्रतिवेदन के अनुसार, यदि वातावरण में 4 डिग्री सेल्सियस से तापमान बढ़ जाय तो भारत के तटीय किनारों के आसपास रह रहे लगभग 5.5 करोड़ लोगों के घर समुद्र में समा जाएंगे। साथ ही, चीन के शांघाई, शांटोयु, भारत के कोलकाता, मुंबई, वियतनाम के हनोई एवं बांग्लादेश के खुलना शहरों की इतनी जमीन समुद्र में समा जाएगी कि इन शहरों की आधी आबादी पर इसका बुरा प्रभाव पड़ेगा। वेनिस एवं पीसा की मीनार सहित यूनेस्को विश्व विरासत के दर्जनों स्थलों पर समुद्र के बढ़ते स्तर का विपरीत प्रभाव पड़ सकता है।

दुनिया में जितना भी पानी है, उसमें से 97.5 प्रतिशत समुद्र में है, जो खारा है। 1.5 प्रतिशत बर्फ के रूप में उपलब्ध है। केवल 1 प्रतिशत पानी ही पीने योग्य उपलब्ध है। वर्ष 2025 तक भारत की आधी और दुनिया की 1.8 अरब आबादी के पास पीने योग्य पानी उपलब्ध नहीं होगा। विश्व स्तर के अनेक संगठनों ने कहा है कि अगला युद्ध अब पानी के लिए लड़ा जाएगा। अर्थात पीने के मीठे पानी का अकाल पड़ने की पूरी सम्भावना है। इसमें कोई संदेह नहीं कि पानी के पानी के लिए केवल विभिन्न देशों के बीच ही युद्ध नहीं होंगे बल्कि हर गांव, हर गली-मोहल्ले में पानी के लिए युद्ध होंगे। पर हम इसके बारे में अभी तक जागरुक नहीं हुए हैं। आगे आने वाले समय में परिणाम बहुत गंभीर होने वाले हैं। चक्रीय अर्थव्यवस्था (सर्क्यूलर इकॉनामी) का आश्य उस अर्थव्यवस्था से है जिसमें उत्पादों के निर्माण में उपयोग किए जाने वाले कच्चे माल, पानी एवं ऊर्जा के उपयोग को कम किया जाता है एवं पदार्थों के अवशेष (वेस्ट) को कम करते हुए इनके पुनरुपयोग को बढ़ावा दिया जाता है। यह लक्ष्य विभिन्न पदार्थों के उपयोग को उच्चत्तम स्तर पर ले जाकर एवं इन पदार्थों की बबार्दी को रोककर हासिल किए जाने का प्रयास किया जाता है। इससे प्राकृतिक संसाधनों के अति-उपयोग पर अंकुश लगाया जा सकता है। चक्रीय अर्थव्यवस्था के अंतर्गत उत्पादों एवं विभिन्न पदार्थों के उपयोग को कम करना, इनका पुनः उपयोग करना तथा विनिर्माण इकाईयों द्वारा इस प्रकार की प्रक्रिया अपनाना, जिससे कच्चे माल, ऊर्जा एवं पानी का कम प्रयोग हो सके, आदि उपाय भी शामिल हैं। उत्पादों को यदि रिपेयर कर पुनः उपयोग किया जा सकता है तो यह आदत भी विकसित की जानी चाहिए, इससे उस उत्पाद के कुल जीवन साइकल को बढ़ाया जा सकता है एवं उसके स्थान पर नए उत्पाद की आवश्यकता को कम किया जा सकता है। क्षतिग्रस्त अथवा खराब हुए उत्पाद को पुनरुपयोग योग्य बनाए जाने के प्रयास भी किए जाने चाहिए। उचित वेस्ट मेनेजमेंट को भी बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इससे कुल मिलाकर प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव कम होगा। आजकल 7 आर ओफ सर्क्यूलर इकॉनामी को भी इस संदर्भ में अपनाने पर विचार किया जा रहा है - रिडयूस (फीठ्ठी -उत्पादों का उपयोग कम करें), रीयूज (फी४री -उत्पादों का पुनः उपयोग करें), रीसाइकल (फीृ८ी -बर्बाद हुए उत्पादों को रीसाइकल करें), रीडिजाइन (फीीश्ग्ल्ल -उत्पादों की इस प्रकार डिजाइन विकसित करें कि कच्चे माल, पानी एवं ऊर्जा का कम उपयोग हो), रीपेयर (फीस्रं१ -उत्पाद की मरम्मत कर पुनः उपयोग करने लायक बनाएं), रिन्यू (फील्ली६ -खराब हुए उत्पाद को ठीक कर उसका पुनः उपयोग करना), रिकवर (फीङ्गी१ -खराब हुए उत्पाद के कुछ पार्ट्स का पुनः उपयोग करना), रीथिंक (फीँल्ल' -नए प्रॉसेस के नवीकरण बारे में विचार करना), रिपर्पस (फीस्र४१स्रङ्गी), रिमैन्यूफेक्चर (फील्ल४ूं३४१ी) आदि उपाय भी सर्क्यूलर इकॉनामी के अंतर्गत किए जाते हैं। अतः कुल मिलाकर, अब समय आ गया है कि समस्त देश मिलकर इस बात पर गम्भीरता से विचार करें कि इस धरा को शोषित होने से कैसे बचाया जाय। इसके लिए आज इस धरा से लिए जाने वाले पदार्थों के उपयोग पर न केवल अंकुश लगाने की आवश्यकता है अपितु इन पदार्थों के पुनः उपयोग करने की विधियों को विकसित करने की भी महती आवश्यकता है।

अब हत्यारों के साथ डिनर पलटिक्स

- राकेश अचल

`आज आप फिर शिकायत कर सकते हैं कि मेरे सिर से मोदी जी का भूत उसी तरह नहीं उतर रहा जिस तरह की मोदी जी कि सिर से कांग्रेस और राहुल गांधी का भूत नहीं उतरता. लेकिन हकीकत ये है कि आज मै मोदी जी की नहीं बल्कि उस भारतीय राजनीति और धर्म की बात कर रहा हूँ जिसके अपने मानवीय मूल्य हैं. प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी निजी तौर पर किसके साथ उठें -बैठें, खाएं-पियें किसी को कोई ऐतराज नहीं हो सकता लेकिन वे जब भारत के प्रतिनिधि के रूप में किसी के साथ डिनर पालटिक्स करते हैं तो टीका-टिप्पणी करना बेहद जरूरी हो जाता है. तीसरी बार अल्पमत की सरकार के मुखिया बनने के बाद मोदी जी हमारे पुराने मित्र रूस में हैं . ये वो रूस नहीं है जो नेहरू और इंदिरा गाँधी के जमाने में हुआ करता था . वो जमाना था जब हम सब मेरा जूता है जापानी, ये पतलून इंग्लिस्तानी , सर पर लाल टोपी रूसी, फिर भी दिल है हिन्दुस्तानी गीत फक्र के साथ गाते थे आज का रूस पुराना वाला रूस नहीं है . आज का रूस लोकतान्त्रिक और समाजवादी मूल्यों वाला रूस नहीं है. आज का रूस हिंसक रूस है, आततायी रूस है , आज का रूस नर-संहार करने वाला रूस है . उस रूस के साथ हमारे देश के प्रधानमंत्री जी उस समय डिनर पलटिक्स करें, जब डिनर से ठीक पहले रूस यूक्रेन के कीव शहर में बच्चों के सबसे बड़े अस्पताल पर मिसाइल से हमला कर 24 लोगों को मौत के घाट उतार दिया , तो कुछ अजीब सा लगता है . कार के पहिये के नीचे कुत्ते के पिल्ले का दबकर मरना और मिसाइल के हमले में दो दर्जन लोगों का मरना शायद एक

जैसा होता हो किन्तु मुझे व्यक्तिगत रूप से ये कुछ वीभत्स लगता है . भारत की गांधीवादी सोच इस हिंसक सोच के साथ तालमेल नहीं बैठा सकती , लेकिन माननीय का 56 इंच का सीना है. वे सब कुछ कर सकते हैं. वे डिनर की टेबिल पर बैठकर पड़ौस में मिसाइल के हमले में मरे गए लोगों का चीत्कार शायद नहीं सुन सकते . सनातनी भाषा में कहें तो रूस पर हत्याओं का सूतक लगा हुआ है . ऐसे में रूसी पानी पीना भी गुनाह है , डिनर तो बहुत बड़ी बात है . भारत और रूस के साथ 22 वीं शिखर वार्ता हो रही है .खुशी की बात है . ये वाताएं लगातार होते रहना चाहिए ,लेकिन इन वाताओं के बीच भी भारत यूक्रेन युद्ध में हो रहे नर संहार के चलते कम से कम डिनर पलटिक्स से तौबा कर सकता था. उपवास का बहाना बनाया जा सकता था ,किन्तु कूटनीतिमें शायद ये सब आसान नहीं होता .माननीय भी आखिर इससे कैसे बच सकते थे ?.उनके लिए बिछी हुई लाशों का कोई अर्थ नहीं है. फिर चाहे वे कीव में बिछी हों या हाथरस के पास किस गांव में या मणिपुर में .माननीय लाश-प्रूफ नेता हैं . ये सच है कि मै स्वर्गीय वेद प्रताप वैदिक जैसा विदेशनीति का जानकार नहीं हूँ ,किन्तु मुझे गांधीवाद का थोड़ा-थोड़ा पता है .मै यदि माननीय की जगह होता तो शायद इस शिखर वार्ता में जाने का बहाना खोज लेता ,या कहता कि जब रूस युद्ध से फारिग हो जाएगा तब वार्ता कर लेंगे ,लेकिन हाय री किस्मत ! कि मै वो नहीं हो सकता जो माननीय हैं .निश्चित ही मै उन हालत में कोई डिनर-सिनर नहीं कर सकता जब की वातावरण में बारूदी गंध हो और पड़ौस में लाशों कि अम्बार लगे हों . आज का रूस कल का रूस नहीं है. आज का रूस भारतीय प्रधानमंत्री का भी उसी गर्मजोशी से स्वागत करता है जितना की चीन कि प्रधानमंत्री का .आज का रूस बदला हुआ रूस है .आज कि रूस के साथ कल के भारत की तरह हाथ नहीं मिलाया जा सकता .आज का रूस ,आज के भारत कि साथ हाथ मिला रहा है .आज के रूस के नेताओं की और भारत कि नेताओं की रुचियाँ,प्रवृत्तियां एक जैसी हैं. रूस के राष्ट्रपति माननीय पुतिन जिस तरह से सत्ता पर काबिज हैं उसी तरह से हमारे माननीय भी सत्ता पर काबिज हैं . देश की जनता ने उन्हें सत्ता में रहने का जनादेश नहीं दिया है लेकिन वे बैशाखियों कि सहारे सत्ता में हैं इसलिए उन्हें हक है कि वे किसी भी पड़ौसी या दूसरे देश के साथ जैसा चाहें व्यवहार करें .हमें उनकी हर विदेश यात्रा की कामयाबी की कामना करना ही पड़ेगी,अन्यथा हमारे ऊपर कोई भी लांछन लगाया जा सकता है . आप तय मानिये कि हम रूस के साथ भारत कि रिश्तों को लेकर हमेशा उत्सुक रहे हैं .हमारे रूस के साथ पुश्तैनी रिश्ते हैं ,लेकिन आज रूस और भारत दोनों कि रिश्तों में पहले जैसी बात नहीं है .रूस भी पहले जैसा रूस नहीं है .आज के रूस का चरित्र चीन के विस्तारवादी चरित्र से मिलता जुलता है .रूस अमेरिका की तरह शक्ति -प्रदर्शन करने वाला देश है .उसका मानवाधिकारों से ज्यादा कुछ लेना-देना नहीं है .यदि होता तो उसकी मिसाइलें कम से कम कीव में बच्चों कि अस्पताल को तो बख्श देतीं . मुझे नहीं लगता कि बैशाखियों के सहारे सरकार चला रहे हमारे माननीय यूक्रेन मुद्दे पर रूस से खुलकर बात कर पाएंगे .भारत यदि रूस को यूक्रेन पर हमला करने से रोक पाए तो मै भारत और रूस की डिनर पलटिक्स को कामयाब मानूंगा .अन्यथा रूस के साथ भारत कि कारोबारी रिश्ते तो पहले से हैं ही .हम रूस से हथियारों के साथ और न जाने क्या-क्या खरीदते और बेचते हैं .इससे हमारे रिश्तों में कुछ नयापन आने वाला नहीं है .मुश्किल ये है कि हम अपने देश में ही मानवाधिकारों की रक्षा नहीं कर पा रहे हैं ऐसे में रूस से किस मुंह से यूक्रेन पर हमला न करने के लिए कह सकते हैं ? हमारा मणिपुर आज भी जल रहा है. हमारा कश्मीर आज भी आतंकित है .वहां आज भी गोलियां चल रहीं है . बहरहाल हम एक भारतवासी होने के नाते उम्मीद करते हैं की हमारे माननीय अपनी रूस और आस्ट्रिया यात्रा से खाली हाथ वापस नहीं लौटेंगे. वे जिस तरह से रूसी मीडिया से मुखातिब हुए हैं स्वदेश लौटकर भारतीय मीडिया से भी मुखातिब होंगे .आगामी 23 जुलाई से शुरू होने वाली संसद को भी बताएँगे कि वे अपनी विदेश यात्राओं से क्या हासिल कर आये हैं ?

भारतीय सांख्यिकी के प्रणेता प्रशांत चंद्र महालनोबिस

- संजय गोस्वामी

किसी देश की सांख्यिकी प्रणाली उसके दर्पण के रूप में कार्य करती है। यह आंकड़े तैयार करता है जो पर्यवेक्षकों को यह देखने की अनुमति देता है कि कोई देश प्रति व्यक्ति आय, मुद्रास्फीति, गरीबी, जीवन प्रत्याशा और स्कूली शिक्षा के औसत वर्षों जैसे प्रमुख सामाजिक-आर्थिक मानकों पर कितना अच्छा प्रदर्शन कर रहा है।भारत में सांख्यिकी प्रणाली का विकास प्रशांत चंद्र महालनोबिस द्वारा किया गया थाप्रशांत चंद्र महालनोबिस का जन्म कोलकाता स्थित उनके पैतृक निवास में 29 जून, 1893 को हुआ था। उनके दादा गुरचरण ने सन 1854 में बिक्रमपुर (अब बांग्लादेश) से कोलकाता आकर अपना व्यवसाय स्थापित किया था। उनके पिता प्रबोध चंद्र महालनोबिस साधारण ब्रह्मो समाज के सक्रिय सदस्य थे और उनकी माता निरोदबसिनी बंगाल के एक पढ़े-लिखे कुल से सम्बन्ध रखती थीं। प्रशांत का बचपन विद्वानों और सुधारकों के सान्निध्य में गुजरा और उनकी प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा उनके दादा द्वारा स्थापित ब्रह्मो ब्वायज स्कूल में हुई। उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा भी इसी विद्यालय से सन 1908 में पास की। इसके बाद उन्होंने सन 1912 में प्रेसीडेंसी कालेज से भौतिकी विषय में आनर्स किया और उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिए लंदन चले गए। प्रेसीडेंसी कॉलेज में जगदीश चन्द्र बोस, सारदा प्रसन्न दास और प्रफुल्ल चन्द्र रॉय जैसे शिक्षकों ने उन्हें पढाया। मेघनाद साहा उनसे एक कक्षा जूनियर थे तथा सुभाष चन्द्र बोस 2 कक्षा जूनियर। लन्दन जाकर उन्होंने कैंब्रिज में दाखिला लिया और भौतिकी और गणित दोनों विषयों से डिग्री हासिल की। कैंब्रिज में इनकी मुलाकात महान भारतीय गणितग्य श्रीनिवास रामानुजन से हुई। फिजिक्स में अपना ट्रीपोस करने के बाद उन्होंने कवेंडिश प्रयोगशाला में टी.आर. विल्सन के साथ कार्य किया। उसके बाद ये कुछ समय के लिए कोलकाता लौट आए जहाँ उनकी मुलाकात प्रेसीडेंसी कॉलेज के प्रिंसिपल से हुई जिन्होंने उन्हें वहाँ पर भौतिकी पढ़ने का आमंत्रण दिया। कुछ समय बाद प्रशांत इंग्लैंड वापस चले गए जहाँ किसी ने उनको बायोमेट्रिका पढने के लिए कहा। यह एक सांख्यिकी जर्नल था। उन्हें इसे पढ़कर इतना आनंद आया कि उन्होंने इसका एक सेट ही खरीद लिया और अपने साथ भारत ले गए। बायोमेट्रिका पढने के बाद उन्हें मानव-शास्त्र और मौसमविज्ञान जैसे विषयों में सांख्यिकी की उपयोगिता का ज्ञान हुआ और उन्होंने भारत लौटते वक़्त ही इस पर काम करना प्रारंभ कर दिया। कोलकाता में प्रशांत चन्द्र महालनोबिस की मुलाकात निर्मला कुमारी से हुई जो हेरम्भाचंद्र मित्रा की पुत्री थीं। हेरम्भाचंद्र एक अग्रणी शिक्षाविद और ब्राह्मो समाज के सदस्य थे। 27 फरवरी 1923 को दोनों ने हेरम्भाचंद्र की मर्जी के विरुद्ध विवाह कर लिया। प्रशांत के मामा सर नीलरतन सरकार ने कन्या के पिता का रस्म अदा किया। भारतीय सांख्यिकी संस्थान प्रशांत चन्द्र महालनोबिस के कई सहयोगियों ने सांख्यिकी में दिलचस्पी लेना प्रारंभ किया और धीरे-धीरे ये समूह बढ़ता ही गया। ये सभी लोग प्रशांत के प्रेसीडेंसी कॉलेज कमरे में इकठ्ठे होते थे। 17 दिसम्बर 1931 को भारतीय सांख्यिकी संस्थान की स्थापना हुई और 28 अप्रैल 1932 को औपचारिक तौर पर पंजीकरण करा लिया गया। प्रारंभ में संस्थान प्रेसीडेंसी कॉलेज के भौतिकी विभाग से चलाया गया पर धीरे-धीरे इसके सदस्यों ने जैसे-जैसे इस दिशा में काम किया वैसे-वैसे संस्थान भी बढ़ता गया।

आज का राशिफल

मेष दिन सफलता से भरा होगा और कारोबार में लाभ होगा। आज का दिन कोई विशेष व्यवस्था करने में बीतेगा।

तुला आज दिन सफलता से भरा होगा। आज आपकी कमाई अच्छी होगी और मुनाफा होगा।

वृषभ आज भाग्य साथ दे रहा है और आज आपके आनंद में वृद्धि होगी। आपको सफलता प्राप्त होगी।

वृश्चिक सुख में वृद्धि होगी। आज का दिन काम काज को सुधारने में विशेष योगदान दे रहा है।

मिथुन दिन बिना किसी भागदौड़ के आराम से बीतेगा। आपका मन किसी कमा को करने में खुश रहेगा।

धनु आपको आनंद की प्राप्ति होगी। कारोबार में आपके लिए सफलता के योग बन रहे हैं।

कर्क आज करियर के मामले में दिन लाभ का बीतेगा और आपको उत्तम संपत्ति की प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

मकर आज का दिन व्यस्तता का संकेत दे रहा है और आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा।

सिंह आपको सफलता प्राप्त होगी। व्यावसायिक स्थान परिवर्तन आपके लिए अच्छा मोड़ सिद्ध होगा।

कुंभ आज करियर के मामले में लाभ होगा। आपके भाग्य में वृद्धि होगी। धन कर्म कीर्ति की वृद्धि होगी।

कन्या आज दिन सफलता से भरा होगा और कारोबार में योजनाएं पूर्ण होंगी। सबका सम्मान करें।

मीन आज भाग्य में वृद्धि का दिन है और कारोबार में आपकी योजनाएं सफल होंगी।

विशेष

5 साल बाद पुतिन और मोदी की मुलाकात

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात 5 साल के बाद रूस के राष्ट्रपति पुतिन से रूस में हुई है। दोनों नेताओं ने गले मिलकर एक दूसरे का स्वागत किया। पुतिन जिस तरीके से राष्ट्रपति पद का चुनाव जीते थे। वैसी कोशिश प्रधानमंत्री मोदी ने भी की थी। इस बार उन्होंने 400 पार का नारा दिया था। लेकिन मोदी को सफलता नहीं मिल पाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पुतिन से मिलकर अब यह जानेंगे, उन्होंने 80 फीसदी से ज्यादा वोट कैसे हासिल किए थे। अमेरिका के साथ अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरियाँ बढ़ रही हैं। ऐसी स्थिति में मोदी के लिए पुतिन सबसे बड़े सहारा हैं।

नीट यूजी पेपर को लेकर सरकार की परेशानी

सुप्रीम कोर्ट में नीट की सुनवाई चल रही है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को सुप्रीम कोर्ट में जवाब देना भारी पड़ रहा है। पहली बार सरकार को मनाना पड़ा, पेपर लीक हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए को आदेश दिया है। बुधवार तक बताएं पहली बार पेपर कहां लीक हुआ। किस तरह से लीक हुआ। पेपर लीक होने और परीक्षा होने में कितने समय का अंतर था। प्रिंटिंग प्रेस से कब पेपर छप के आए। विदेश में जो पेपर भेजे गए, वह कैसे भेजे गए। सुप्रीम कोर्ट के इस रूख को देखकर नेशनल टेस्टिंग एजेंसी और सरकार को पसीना तो आया है। अब निर्णय क्या आता है। परीक्षा कैंसिल होगी या काउंसलिंग की अनुमति मिलेगी।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1559: स्काऊट्स की रानी मेरी इंग्लैंड की रानी बनी. 1584: इंग्लैंड पर स्पेनी हमले की साजिश करने वाले 'फ्रांसिस थारामार्टिन को मौत के घाट उतार दिया गया. 1609: जर्मन राजकुमारी ने प्रोटेस्टैन्ट यूनियन के जवाब में कैथोलिक लीग की स्थापना की. 1645: ओलिवर क्रामवेल की 'फौजों को राजशाही समर्थकों को लैंगपोर्ट में शिकस्त दी. 1840: ब्रिटिश फौजों ने मारीशस पर कब्जा किया. 1877: फ्रांसिसी लेखक मार्शल प्राउस्ट का जन्म हुआ. 1896: फ्रांसिसी सैनिकों ने फशोदा (सूडान) पर कब्जा किया. 1911: मोरक्को संकट के दौरान फ्रांस का समर्थन करने पर जर्मनी को रूस ने चेतावनी दी. 1943: मित्र राष्ट्रो के सैनिक द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सिसलो (इटली) पहुंचे. 1953: सोवियत संघ के आंतरिक मामलों के मंत्री एल.पी. बेरिया बर्खास्त किए गए.

दैनिक पंचांग

10 जुलाई 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्न	लग्नारंभ समय
सूर्य	मिथुन में	कर्क	05.52 बजे से
चंद्र	सिंह में	सिंह	08.08 बजे से
मंगल	मेष में	कन्या	10.20 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.31 बजे से
गुरु	वृष में	वृश्चिक	14.46 ब.से
शुक्र	कर्क में	धनु	17.02 बजे से
शनि	कुंभ में	मकर	19.07 बजे से
राहु	मीन में	कुंभ	20.53 बजे से
केतु	कन्या में	मीन	22.26 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		मेष	23.57 बजे से
		वृष	01.37 बजे से
		मिथुन	03.35 बजे से

बुधवार 2024 वर्ष का 192 वां दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल **तिथि** चतुर्थी 07.53 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** मघा 10.15 बजे को समाप्त। **योग** व्यतीपात 03.10 बजे रात्र को समाप्त। **करण** विष्टि 07.53 बजे तदनन्तर बव 20.55 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 4.0 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 22° 12' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872036 **जूलियन दिन** 2460501.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1445 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 03

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

अगस्त में सूख जाती है तुर्की की साल्ट लेक

नमक के रेगिस्तान जैसी दिखती है झील

तुर्की की सॉल्ट लेक तुर्की की सबसे महत्वपूर्ण वेटलैंड्स में से एक है। देश में बायोलॉजिकल डायवर्सिटी के प्रोटेक्शन के लिए इसका बहुत महत्व है। यह झील अगस्त में काफी हद तक सूख जाती है। पानी घटने से यह झील नमक के रेगिस्तान जैसी दिखने लगती है। यहां पहुंचने वाले सैलानियों के लिए नमक पर पैदल चलने से फायदा भी होता है।

खारे पानी वाली ये लेक तुर्की की दूसरी सबसे बड़ी झील है। यह झील तुर्की के कोन्या से 105 किलोमीटर की दूरी पर है। गर्मियों के मौसम में यहां का पानी लाल हो जाता है। इसके पीछे कारण है यहां पाई जाने वाली विशेष प्रकार की घास। जिसकी कोशिकाएं कैरोटीनॉयड का उत्पादन करती हैं। 2001 में इस झील को प्रोटेक्टेड एरिया घोषित कर दिया गया था, क्योंकि औद्योगिक उपयोग का पानी इस झील में मिलने से झील की वनस्पति और अन्य जीवों को नुकसान पहुंच रहा था। इस झील में फ्लेमिंगो नाम के पक्षी पाए जाते है। प्रदूषण बढ़ने से इन्हें नुकसान हो रहा था।

इसी झील से निकलता है 70% नमक

इस झील से तुर्की का 70% नमक निकलता है। वहीं इस झील का नमक 60 देशों में निर्यात किया जाता है। 580 वर्गमीटर में फैली यह झील महज 6 फीट तक ही गहरी है। बता दें कि गर्मियों के मौसम में नमकीन रेगिस्तान के समान दिखाई देने वाली इस झील में हजारों सैलानी पैदल चलने आते है। ताकि नकारात्मक प्रभावों को दूर किया जा सके।

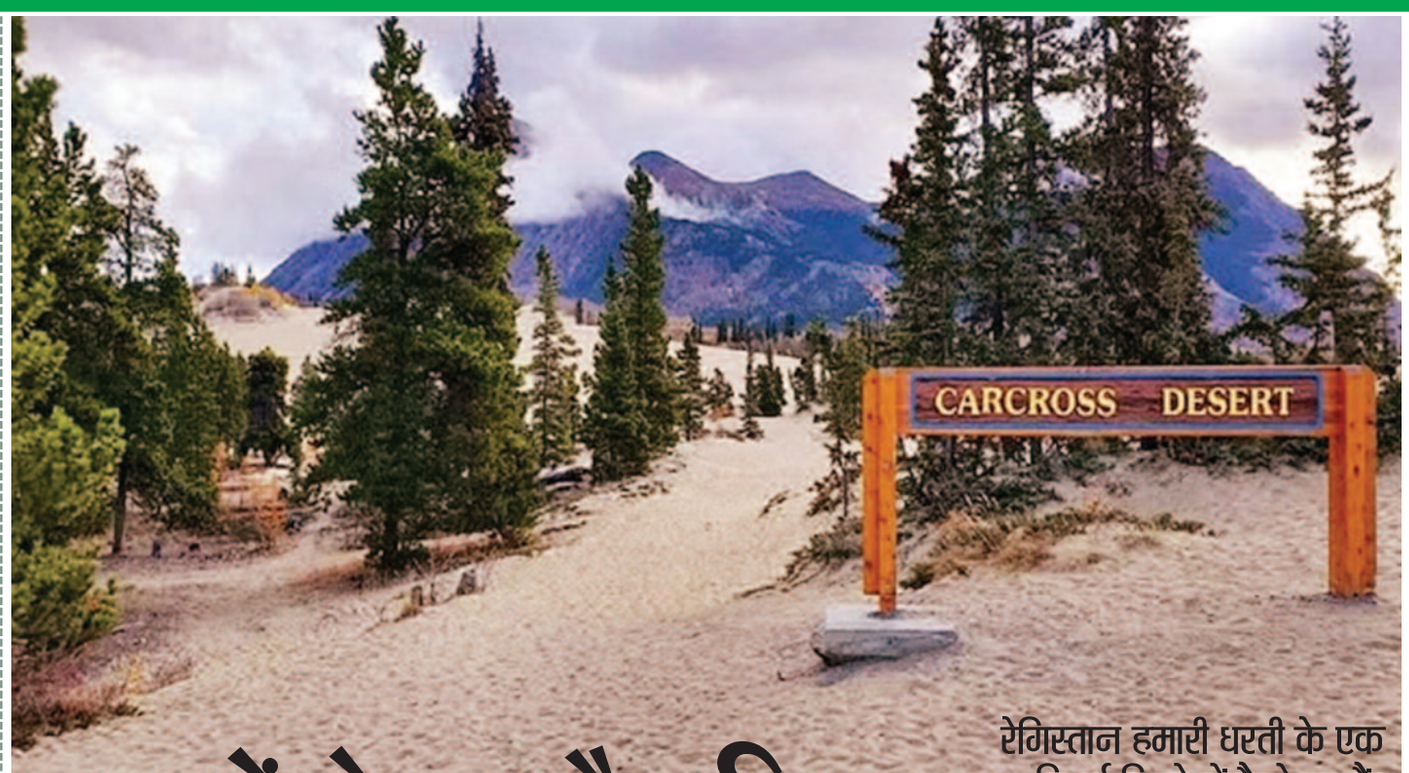

रहस्यों से भरा है दुनिया का सबसे छोटा रेगिस्तान

वैज्ञानिक भी अब तक नहीं सुलझा सके गुत्थी

रेगिस्तान हमारी धरती के एक तिहाई हिस्से में फैले हुए हैं। सहारा या रुब-अल खाली जैसे बड़े रेगिस्तानों के बारे में आपने कहीं ना कहीं पढ़ा जरूर होगा। हो सकता है कि सऊदी अरब, मिस्र, मंगोलिया, नामीबिया, मोरक्को, ओमान के रेगिस्तान कभी देखे भी हों। अगर नहीं तो भारत-पाकिस्तान के बीच फैले थार के रेगिस्तान के दीदार ही किए हों। लेकिन आज हम आपको दुनिया के सबसे छोटे रेगिस्तान की कहानी बताएंगे।

कनाडा के युकोन सूबे में कारक्रॉस डेजर्ट नाम का एक छोटा-सा रेगिस्तान है। इसका रकबा महज एक वर्ग मील का है जिसे कदमों से भी मापा जा सकता है। इस रेगिस्तान के पास ही बसा कारक्रॉस गांव करीब 4500 साल पहले आबाद हुआ था। यहां इस वक्त कुल जमा 301 लोग रहते हैं।

स्थानीय निवासी कीथ वॉल्फ स्मार्च का कहना है कि ये जगह यहां के लोगों के लिए भी एक पहेली है। कीथ लकड़ी पर नक्काशी का काम करते हैं और यहां की प्राकृतिक छटा उन्हें अपने काम में नए-नए तजुर्बे करने की प्रेरणा देती है। क्रॉस रिवर के किनारे बहुत तरह की दुर्लभ वनस्पतियां हैं, लेकिन इनके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं।

कारक्रॉस डेजर्ट काफी ऊंचाई वाले इलाके पर है। सदियों तक ये इलाका लोगों की जानकारी के बाहर था। अब से करीब 4500 साल पहले यहां बैनेट और नारेस झीलें आपस में मिलती थीं और कुदरती तौर पर एक पुल बन गया था। इस पुल के सहारे ही लोगों ने पलायन करना शुरू किया और यहां कारक्रॉस गांव बसा। इस डेजर्ट का नाम कारक्रॉस ही क्यों पड़ा, इसके पीछे भी एक दिलचस्प कहानी है।

दरअसल, पुल बनने के बाद कारिबू नाम की जंगली जनजाति के झुंड यहां आकर बसने लगे। इन्हीं के साथ नताशाहीन नदी के नजदीक शिकार के मकसद से तिलिंगित और तागिश नाम के घुमंतू कबीले आकर बसने लगे। लिहाजा कारिबू और क्रॉसिंग शब्दों के आवाजों को मिलाकर इस जगह का नाम कारक्रॉस रख दिया गया।

कारक्रॉस तक जो भी पहुंचा है उसने यहां सफेद रंग से सजे पुराने चर्च, एक जरनल स्टोर, पुरानी जंग लगी कुल्हाड़ियां और बारहसिंघों के सींगों से सजे कुछ केबिन जरूर देखे होंगे। ये सब चीजें क्लॉनडिक दौर की हैं। ये वो दौर था जब डॉसन सिटी और अटलिन के पास लोग सोने की खुदाई के लिए आते थे। लेकिन आज हालात बदल चुके हैं। कारक्रॉस डेजर्ट को अब एडवेंचर प्लेग्राउंड के तौर पर विकसित किया जा चुका है। हर हफ्ते यहां बड़ी संख्या में एडवेंचर प्रेमी आते हैं। गर्मी के मौसम में एक तरफ यहां बाइक प्रेमी अपना शौक पूरा करने आते हैं, तो वहीं दूसरी तरफ ये जगह पहाड़ी बकरियों, हिरणों, और डैल भेड़ के लिए पनाहगाह भी बनती है। सर्दी के मौसम में यहां बर्फ खूब पड़ती है और रेत पर जमा बर्फ का मजा लेने वालों की संख्या बढ़ जाती है।

कारक्रॉस डेजर्ट सिर्फ सैलानियों का ही गढ़ नहीं बल्कि कनाडा के वैज्ञानिकों और भूवैज्ञानिकों के लिए रिसर्च सेंटर भी है जो ये पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि पूरे बर्फीले इलाके में ये छोटा-सा रेगिस्तान कैसे बन गया। युकोन जियोलॉजिकल सर्वे की भूवैज्ञानिक पनाया लिपॉस्की का कहना है कि कारक्रॉस का जन्म कुदरत की करीब दस हजार साल की मेहनत का नतीजा है। करीब 11 से 24 हजार साल पहले विस्कॉन्सिन मैक्कॉनेल ग्लेशियर बनने के दौरान ही उत्तरी युकोन में ग्लेशियर जम गया था। उस वक्त कारक्रॉस में करीब एक किलोमीटर बर्फ जम गई थी, लेकिन बाद में जब बर्फ पिघलने लगी तो दक्षिणी युकोन में पानी बढ़ने लगा और इसी पानी से यहां बड़ी नहरें बनीं। चूंकि ग्लेशियर पिघल चुका था लिहाजा जब उत्तर-पश्चिम से रेतीली हवाएं चली तो उसने इस ऊंचाई पर दुनिया का असंभव सा रेगिस्तान बना दिया।

हालांकि कुछ लोग ये कहते हैं कि झील सूखने की वजह से ये रेगिस्ताना बना है, जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है। लिपॉस्की का कहना है कि आज भी बैनेट झील के पास तेज रेतीली हवाएं चलती हैं जिसकी वजह से यहां छोटे-छोटे रेत के टीले बन जाते हैं। कहा जा सकता है कि हिम-युग, पानी और हवा ने मिलकर इस बुलंदी पर एक अद्भुत रेगिस्तान को जन्म दिया है।

कारक्रॉस डेजर्ट के वर्गीकरण को लेकर भी कई मत हैं। कोई कहता है इसे शुष्क रेगिस्तान का दर्जा दिया जाए तो कोई कहता है इसे नमी वाला इलाका माना जाए। विज्ञान के हिसाब से शुष्क रेगिस्तान के दर्जे के लिए किसी भी जगह पर साल में 250 मिलीमीटर से कम बारिश होना चाहिए, जबकि अर्धशुष्क रेगिस्तान वो होता है जहां साल में 250-500 मिलीमीटर बारिश होती है। इस लिहाज से कारक्रॉस डेजर्ट को अर्ध-शुष्क डेजर्ट के वर्ग में रखा जा सकता है, क्योंकि आसपास के पहाड़ों की बारिश का असर यहां की रेत पर पड़ता है। एक बात का और खास ख्याल रखने की जरूरत है। रेगिस्तान में किसी तरह का पौधा नहीं उग सकता। तमाम विरोधाभासों के बावजूद कारक्रॉस को लेकर एक बात पर सबकी सहमति है कि ये जगह आश्चर्य और भय पैदा करती है। यहां आप जितना आगे बढ़ते जाएंगे खौफ बढ़ता जाएगा। लेकिन खौफ से आगे आपको युकोन भेड़िये और गर्मी के मौसम में बाइकल सेज फूल खूब देखने को मिलेंगे। इसके अलावा अब तक जीवों की कई दुर्लभ नस्लें यहां मिल चुकी हैं। उम्मीद है अभी और कई नई जानकारियां यहां से मिलेंगी। यहां के पर्यावरण की जटिलता को पूरी तरह समझना मुश्किल है लेकिन इतना तय है कि ये जगह है बहुत अद्भुत।

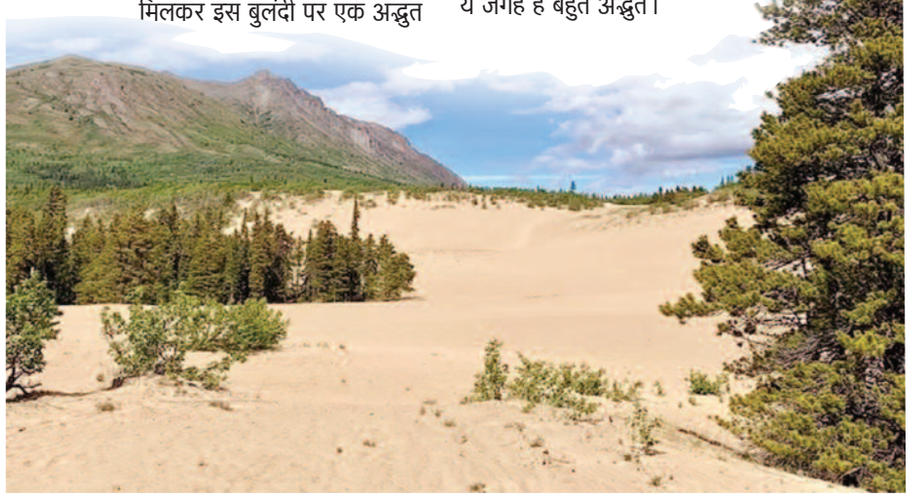

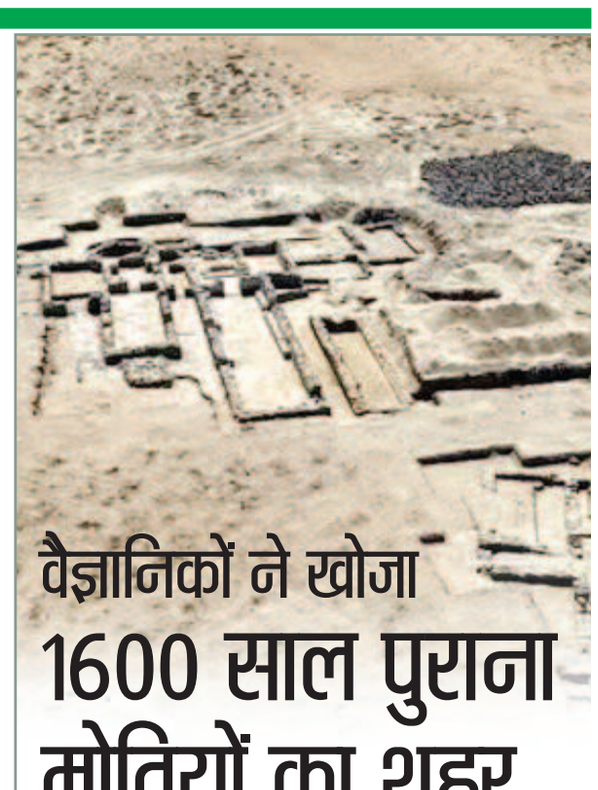

वैज्ञानिकों ने खोजा 1600 साल पुराना मोतियों का शहर

संयुक्त अरब अमीरात के पुरातत्वविदों ने एक बड़ी खोज की है। दरअसल उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात में एक प्राचीन नगर की खोज की है। जानकारी के अनुसार यह नगर दुबई से लगभग 42 मील दूर बताया जा रहा है जो उत्तर-पूर्व में अल सिन्नियाह द्वीप पर स्थित है। वहीं इस खोज से पुरातत्व विभाग को एक बड़ी कामयाबी मिली है। दरअसल इसे क्षेत्र के प्रारंभिक इतिहास के बारे ने नई जानकारी मिल सकती है। दरअसल इस स्थान को 'पर्लिंग सिटी' या 'मोतियों का शहर' भी कहा गया है। जानकारी के मुताबिक पर्यटकों के लिए लंबे समय अल सिन्नियाह द्वीप एक महत्वपूर्ण आकर्षण बना हुआ है। वहीं पुरातत्वविदों के अनुसार, यहां पर मिले बस्तियों के खंडहर और अवशेष चौथी शताब्दी के हैं, जो कम से कम 1600 साल पुराने हैं। इस महत्वपूर्ण खोज से इलाके के इतिहास के बारे में और नई महत्वपूर्ण जानकारियां मिलने की संभावना है।

वैज्ञानिकों ने किया यह खुलासा

दरअसल अमेरिकी अखबार मियामी हेराल्ड की रिपोर्ट के अनुसार, वैज्ञानिकों ने खुलासा किया है कि इस स्थान से कई बड़े जार मिले हैं, जिन्हें मेसोपोटामिया से मंगाया गया था। जबकि दो स्थानों पर आरामी भाषा के शिलालेख भी पाए गए हैं, जो पहली से चौथी शताब्दी के बीच के माने जा रहे हैं। पुरातत्वविदों का अनुमान है कि अल सिन्नियाह द्वीप पर खोजे गए खंडहर तवाम के गुमशुदा शहर के अवशेष हो सकते हैं।

क्यों कहा जा रहा है मोतियों का शहर

जानकारी के मुताबिक अल सिन्नियाह द्वीप पर मिले अवशेषों के आधार पर इसे 'मोतियों का शहर' कहा जा रहा हैं। जबकि अधिकारियों के अनुसार, 'पर्लिंग' शब्द का मतलब समुद्र में गोता लगाकर मोती और अन्य समुद्री जीवों को ढूंढ़ने की प्रथा से है। यह प्रथा यहां की संस्कृति का भी प्रतीक रही है, जिसे लोग हजारों सालों से निभाते आ रहे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि इस प्राचीन शहर के निवासी समुद्र पर निर्भर थे, इसलिए इसे 'पर्लिंग सिटी' के नाम से जाना जा रहा है।

द्वीप पर चार साल से जारी है खुदाई

जानकारी के मुताबिक प्राचीन शहर की खुदाई के दौरान प्राप्त चित्रों में तटरेखा के पास स्थित पत्थर की दीवारों की एक श्रृंखला देखी जा सकती है। जबकि ऊपर से देखा जाए तो ऐसा प्रतीत होता है कि यहां कई आयताकार कमरे बने हुए हैं। इसके साथ अधिकारियों ने जानकारी दी कि पिछले चार वर्षों से द्वीप पर खुदाई का काम किया जा रहा है।

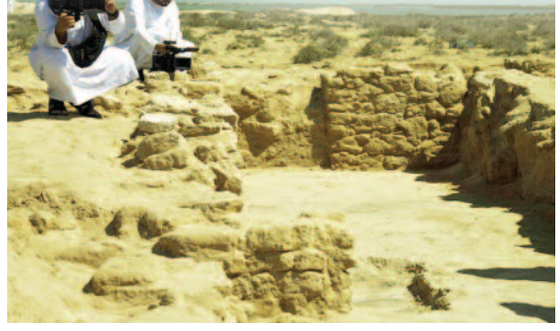

एक ऐसा अद्भुत पौधा जिसकी पत्तियों को महज छूने से बनता है खूबसूरत टैटू

पेड़ पौधों की अपनी एक अलग दुनिया है, कोई महक में अनूठा है तो कोई आकार में। अब बात करेंगे ऐसे पौधे की जिसकी पत्तियों में विचित्रता पाई गई है। जी हां इस पौधे की पत्तियों को इंसान के शरीर पर छूने से टैटू जैसा निशान खुद ब खुद बन जाता है। जो देखने में काफी खूबसूरत लगता है। दरअसल, ये पत्ती न्यूजीलैंड सिल्वर फर्न पेड़ की है जो वहां का राष्ट्रीय सिंबल है। पत्ती को जोर से दबाने पर ये टैटू जैसी आकृति हाथों पर बना देता है। न्यूजीलैंड के डिपार्टमेंट ऑफ कंजर्वेशन के अनुसार देश में 200 प्रजाति के फर्न प्लांट पाए जाते हैं। इस वाले को सिल्वर फर्न इसलिए कहते हैं क्योंकि इसका निचला हिस्सा सिल्वर रंग का होता है।

दुनिया में इतने तरह के पेड़-पौधे हैं कि आपको इनमें से बहुतों के बारे में पता भी नहीं होगा. कुछ से तो हम परिचित हैं लेकिन कई हैरान करने वाली चीजें हैं जिनके बारे में जब लोगों को पता चलता है तो हम दंग रह जाते हैं. इंसान से लेकर जानवरों और पेड़-पौधों तक हर जीव के कुछ ऐसे अनोखे और विचित्र पहलू होते हैं, जो हम अब भी नहीं जानते. आज हम आपको इसी तरह के एक विचित्र पौधे के बारे में बताने जा रहे हैं जिसकी पत्तियों के हाथों पर छूने से इंसान के शरीर पर खूबसूरत डिज़ाइन बन जाती है. इससे जुड़ा हुआ एक वीडियो वायरल हो रहा है, इस वीडियो की खासियत ये है कि इसमें एक ऐसी पत्ती नजर आ रही है जिसे त्वचा पर रखकर ज़ोर से दबाने के बाद हाथ पर टैटू जैसा निशान बन जाता है. ये देखने में बेहद खूबसूरत लग रहा है. हालांकि ये एक देश के नेशनल फ्लैग का हिस्सा है.

पत्ती से बन जाता है सुंदर टैटू

वीडियो में एक शख्स दूसरे के हाथ पर एक पत्ती को जोर से दबाता है. जब वो उस पत्ती को हटाता है तो उसी का डिजाइन शख्स के हाथों पर किसी टैटू की तरह छप जाता है. ये सिल्वर कलर का टैटू होता है. वैसे आपको बता दें कि ये पत्ती न्यूजीलैंड सिल्वर फर्न पेड़ की है जो वहां का नेशनल सिंबल है. इस पत्ती को जोर से दबाने पर पत्तियों का इम्प्रेशन हाथ पर बन जाता है.

टेम्परेरी होता है टैटू

न्यूजीलैंड के डिपार्टमेंट ऑफ कंजर्वेशन के अनुसार देश में 200 प्रजाति के फर्न प्लांट पाए जाते हैं. इस वाले को सिल्वर फर्न इसलिए कहते हैं क्योंकि इसका निचला हिस्सा सिल्वर रंग का होता है और इससे सिल्वर कलर का ही डिज़ाइन भी बनता है. ये थोड़ी देर के लिए ही बना हुआ टैटू होता है और बाद में मिट जाता है. ये सिर्फ न्यूज़ीलैंड ही नहीं बल्कि दूसरे देशों में भी मिलता है, जिसमें भारत और नेपाल भी शामिल हैं.

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि वीडियो में जो पौधा आपको दिख रहा है वह न्यूजीलैंड सिल्वर फर्न पेड़ है, जो वहां का राष्ट्रीय सिंबल है. इसे सिल्वर फर्न इसलिए भी कहते हैं क्योंकि इसका निचला हिस्सा सिल्वर रंग का होता है और अगर आप इसे जोर से अपने हाथों से दबाएंगे तो सेम टू सेम पत्तियों की छाप आपके हाथों पर जाएगी.

संक्षिप्त समाचार

आयुष्मान योजना में मुफ्त इलाज की सीमा 5 लाख से बढ़कर इतनी होगी! बजट में ऐलान की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को बजट पेश करेंगी। इस बजट में आम लोगों को कई राहत मिलने की उम्मीद है। मिली जानकारी के मुताबिक, सरकार नौकरी पेशा वर्ग को इनकम टैक्स में राहत के साथ देश के कम कमाई करने वाले लोगों को आयुष्मान योजना के तहत मिलने वाली मुफ्त इलाज की सीमा 5 लाख से बढ़ाकर 10 लाख कर सकती है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, केंद्र सरकार बजट में बीमा कवरेज को दोगुना करने के बारे में बड़ी घोषणा कर सकती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सरकार आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा

योजना के तहत लाभार्थी आधार को दोगुना कर सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, अब यह योजना 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी लोगों को कवर करेगी।

आयुष्मान भारत PM-JAY दुनिया की सबसे बड़ी हेल्थ इंश्योरेंस स्कीम है, जिसका उद्देश्य 12 करोड़ से अधिक गरीब और कमजोर परिवारों (लगभग 55 करोड़ लाभार्थी) को 5 लाख रुपए तक मुफ्त इलाज मुहैया कराना है। अब इस सीमा को बढ़ाने की तैयारी हो रही है। पीएम-जेएवाई पूरी तरह से सरकार द्वारा वित्त पोषित है और कार्यान्वयन की लागत केंद्र और राज्य सरकारों के बीच साझा की जाती है।

एमसीएक्स में टेक्नीकल इश्यू से कमोडिटी ट्रेडिंग ठप, जानें कब शुरू होगी

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में आज (9 जुलाई) को कारोबार देरी से खुलेगा। एमसीएक्स ने तकनीकी समस्याओं का हवाला देते हुए कहा कि मंगलवार को ट्रेडिंग सुबह 9 बजे के बजाय सुबह 10 बजे शुरू होगी। एमसीएक्स ने निवेशकों को सोमवार के कारोबार के लिए दिन के अंत की प्रक्रियाओं में तकनीकी गड़बड़ी के बारे में सूचित किया है, जिसके कारण देरी हुई है।

एक्सचेंज ने कहा कि आज दिन के लिए विशेष कारोबारी सत्र सुबह 9-45 बजे शुरू होगा और बाजार में कारोबार आज सुबह 10 बजे से शुरू होगा। इससे पहले, फरवरी में भी एमसीएक्स पर घंटों तक कारोबार शुरू नहीं हो पाया था। दोपहर 1 बजे के आसपास एमसीएक्स पर प्री-ओपन ट्रेडिंग शुरू हुई थी। किसी भी एक्सचेंज के लिए दिन के अंत की प्रक्रियाएं यह सुनिश्चित करने के लिए जरूरी होती हैं कि लेन-देन सही ढंग से अपडेट और बनाए रखा जाए। इस प्रक्रिया में लेन-देन करने वाले पक्षों के बीच ऑर्डर का मिलान, दिन के अंत की रिपोर्ट बनाना, डेटा का बैकअप लेना, जोखिम और मार्जिन जरूरतों की समीक्षा, आंतरिक अनुपालन जांच और अन्य पहलू शामिल हो सकते हैं।

अच्छी बारिश से खिले किसानों के चेहरे

खरीफ फसल की बुआई ने पकड़ी रफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। खरीफ फसल की बोआई पिछले सप्ताह तक पिछले साल से लगातार बेहतर बनी रही है। जुलाई में मॉनसून के गति पकड़ने के साथ कृषि इनपुट कंपनियां इस सीजन में बिक्री में 10 से 20 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद कर रही हैं। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के मुताबिक 5 जुलाई तक खरीफ फसलों की बोआई 378 लाख हेक्टेयर से ज्यादा क्षेत्र में हो चुकी है। खरीफ फसल की बोआई पिछले साल की तुलना में 14.10 प्रतिशत अधिक हुई है।

जीएसपी क्रॉप साइंस के कार्यकारी निदेशक तीर्थ शाह ने कहा, 'मॉनसून के पहले आने और बेहतर बारिश के अनुमान को देखते हुए इस खरीफ सीजन में प्लांट केमिकल्स की मांग और बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। मौसम अनुकूल रहने के साथ किसान अपनी खेती का रकबा बढ़ा सकते हैं। खासकर धान, सोयाबीन और कपास की फसल का रकबा बढ़ने की संभावना है।'

चालू सीजन में सबसे बेहतरीन बोआई दलहन फसलों की हुई है। दलहन फसलों का रकबा पिछले साल की सामान्य अवधि से 50 प्रतिशत से भी अधिक बढ़ा है। देश में धान की बोआई 59.99 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में हुई, जबकि पिछले साल इस समय तक धान का रकबा 50.26 लाख हेक्टेयर था यानी चालू खरीफ सीजन में धान की रोपाई पिछले साल की तुलना में 19.4 प्रतिशत अधिक है।

दलहन फसलों की बोआई पिछले साल के 23.78 लाख हेक्टेयर से 54.8 प्रतिशत की बढ़त के साथ 36.81 लाख हेक्टेयर में हो चुकी है। दालों में अरहर की बोआई 20.82 लाख हेक्टेयर और उड़द की बोआई 5.37 लाख हेक्टेयर, मूंग की बोआई 8.49 लाख हेक्टेयर, कुल्थी की 0.08 लाख हेक्टेयर और अन्य दालों की बोआई 2.05 लाख हेक्टेयर हेक्टेयर हो चुकी है।

तिलहन फसलों की बोआई पिछले साल की तुलना में 54.5 प्रतिशत अधिक हुई है। तिलहन फसलों की बोआई 80.31 लाख हेक्टेयर में हुई है जबकि पिछले साल इस समय तक देश में तिलहन फसलों की कुल रकबा 51.97 लाख हेक्टेयर था।

क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक अंकुर अग्रवाल ने कहा कि इस सीजन के बेहतर संकेतकों से हमारा अनुमान है कि मांग में 10 से 11 प्रतिशत बढ़ोतरी होगी, क्योंकि तेजी के कारण बीज और फसल सुरक्षा वाले उत्पादों की भी मांग बढ़ेगी।

विश्लेषकों का कहना है कि उर्वरक क्षेत्र को भी इस साल बिक्री बढ़ने की उम्मीद है और सभी उर्वरकों को मिलकार इस वित्त वर्ष में बिक्री 1 से 3 प्रतिशत बढ़ सकती है। मोटे अनाज की बोआई धीमी है।

धान की बुवाई का रकबा 19.35 फीसदी बढ़ा, दलहन में करीब 55 प्रतिशत की तेज बढ़ोतरी

नई दिल्ली, एजेंसी। कृषि मंत्रालय की सोमवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, दालों की बुवाई का रकबा भी 8 जुलाई, 2024 तक एक साल पहले की समान अवधि के 23.78 लाख हेक्टेयर से 54.79 फीसदी बढ़कर 36.81 लाख हेक्टेयर पहुंच गया। धान की धीमी बुवाई को पिछले 10 दिन से हो रही बारिश ने बूस्टर डोज दे दिया है। इसलिए, धान की बुवाई ?का रकबा चालू खरीफ सीजन 2024-25 में 19.35 फीसदी बढ़कर 59.99 लाख हेक्टेयर पहुंच गया है। एक साल पहले की समान अवधि में यह रकबा 50.26 लाख हेक्टेयर था। कृषि मंत्रालय की सोमवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, दालों की बुवाई का रकबा भी 8 जुलाई, 2024 तक एक साल पहले की समान अवधि के 23.78 लाख हेक्टेयर से 54.79 फीसदी बढ़कर 36.81 लाख हेक्टेयर पहुंच गया। इस अवधि में अरहर की बुवाई ?का रकबा भी 4.09 लाख हेक्टेयर से पांच गुना बढ़कर 20.82 लाख ?हेक्टेयर पर पहुंच गया।

अब जहाज भी बनाएंगे गौतम अडानी!

दुनिया को 30 साल में चाहिए 50,000 से अधिक कमर्शियल शिप

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और एशिया के दूसरे सबसे बड़े रईस गौतम अडानी अब जहाज निर्माण यानी शिपबिल्डिंग में उतरने की योजना बना रहे हैं। गुजरात के मुंद्रा में अडानी ग्रुप के फ्लैगशिप पोर्ट पर जहाज बनाने का काम शुरू हो सकता है। इसकी वजह यह है कि चीन, जापान और दक्षिण कोरिया में अधिकांश यार्ड कम से कम 2028 तक पूरी तरह बुक हैं। यही वजह है कि दुनिया में जहाज ऑपरेट करने वाली बड़ी कंपनियों को शिपबिल्डिंग के लिए वैकल्पिक जगहों की तलाश है। इनमें भारत भी शामिल है। इस मौके का फायदा उठाने के लिए अडानी ग्रुप शिपबिल्डिंग में उतरने पर गंभीरता से विचार कर रहा है। अडानी ग्रुप देश का सबसे बड़ा पोर्ट ऑपरेटर है।

मैरीटाइम इंडिया विजन 2030 में भारत को शीर्ष 10 शिपबिल्डर बनाने और मैरीटाइम अमृत काल विजन में 2047 तक शीर्ष पांच में शामिल होने का लक्ष्य रखा गया है। अडानी ग्रुप का प्लान देश की इस योजना में फिट बैठता है। दुनिया में कमर्शियल शिपबिल्डिंग मार्केट में भारत की हिस्सेदारी महज 0.05त्र है। दुनिया में कमर्शियल जहाज बनाने वाले देशों की लिस्ट में भारत 20वें स्थान पर है। देश की कुल विदेशी माल-ढुलाई आवश्यकताओं में भारतीय स्वामित्व वाले और भारतीय झंडे वाले जहाजों का हिस्सा लगभग 5त्र है। अडानी की जहाज निर्माण योजना को मुंद्रा बंदरगाह के लिए 45,000 करोड़ रुपए की विस्तार योजना में शामिल कर लिया गया है।

कंगाल पाकिस्तान में भारत से सस्ती है मोबाइल सेवा

नई दिल्ली, एजेंसी। रिलायंस जियो, एयरटेल और वोडाफोन आइडिया ने मोबाइल टैरिफ में भारी बढ़ोतरी की है। इससे महंगाई से जूझ रहे आम लोगों की परेशानी बढ़ गई है। एनालिस्ट्स का कहना है कि इससे शहरी इलाकों में टेलिकॉम सर्विसेज पर खर्च वित्त वर्ष 2025 में कुल घरेलू खर्च का 2.8 फीसदी हो जाएगा। ग्रामीण परिवारों के लिए यह 4.5 फीसदी से बढ़कर 4.7 फीसदी हो जाएगा लेकिन सरकार और टेलिकॉम रेगुलेटर ट्राई ने कहा है कि टेलिकॉम कंपनियां टैरिफ फिक्स करने के लिए स्वतंत्र हैं और उनका इस मामले में हस्तक्षेप करने का कोई इरादा नहीं है। अधिकारियों का कहना है कि भारत में मोबाइल टैरिफ अब भी दुनिया के अधिकांश देशों से सस्ता है। दूसरी ओर आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान में मोबाइल टैरिफ भारत से सस्ता है।

हालिया बढ़ोतरी के बाद रिलायंस जियो का मिनिमम सर्विस चार्ज 139 रुपए से बढ़कर 189 रुपए हो गया है। इसमें 28 दिन की वैलिडिटी और दो जीबी डेटा शामिल है। इसी तरह एयरटेल और वोडाफोन आइडिया का भी मिनिमम सर्विस चार्ज 179 रुपए से बढ़कर 199 रुपए हो गया है लेकिन सरकारी आंकड़ों के मुताबिक देश में महीनेभर के लिए अनलिमिटेड वॉयस और 18 जीबी डेटा के लिए आपको 1.89 डॉलर यानी करीब 157 रुपए खर्च करने पड़ते हैं। यह रेट सरकारी कंपनी बीएसएनएल का है। बीएसएनएल पहले एक प्राइस रेगुलेटर की तरह काम करता था। इससे प्राइवेट कंपनियां टैरिफ बढ़ाने से बचती थीं। लेकिन कंपनी 4-जी और 5-जी सर्विसेज के मामले में निजी कंपनियों के साथ होड़ करने की स्थिति में नहीं है।

सरकार ने कई देशों में मोबाइल टैरिफ के बारे में डिटेल जानकारी देते हुए भारत से उनकी तुलना की है। इन आंकड़ों के मुताबिक चीन में मिनिमम सर्विस के लिए यूजर्स को 8.84 डॉलर खर्च करने पड़ रहे हैं। अफगानिस्तान में यह राशि 4.77 डॉलर, भूटान में 4.62 डॉलर, बांग्लादेश में 3.24 डॉलर और नेपाल में 2.75 डॉलर है यानी इन देशों में मोबाइल टैरिफ भारत से महंगा है। वहीं पाकिस्तान में मोबाइल यूजर्स को अपनी सर्विस बनाए रखने के लिए मिनिमम 1.39 डॉलर खर्च करने पड़ते हैं यानी पाकिस्तान में मोबाइल टैरिफ भारत से सस्ता है।

अमेरिका में मिनिमम मोबाइल रिचार्ज प्लान 49 डॉलर यानी करीब 4000 रुपए का है। इसी तरह ऑस्ट्रेलिया में इसके लिए यूजर्स को 20.1 डॉलर, साउथ अफ्रीका में 15.8 डॉलर, यूके में 12.5 डॉलर, रूस में 6.55 डॉलर, ब्राजील में 6.06 डॉलर, इंडोनेशिया में 3.29 डॉलर, मिस्र में 2.55 डॉलर खर्च करने पड़ते हैं। भारत में टेलिकॉम कंपनियों ने प्रति यूजर औसत राजस्व बढ़ाने के लिए टैरिफ में बढ़ोतरी की है। उन्होंने महंगे 5त्र स्पेक्ट्रम खरीदने के लिए बहुत ज्यादा पैसे चुकाए हैं लेकिन अभी तक बहुत कम मोनेटाइजेशन हुआ है। यह नवंबर 2021 के बाद मोबाइल टैरिफ में पहली बड़ी बढ़ोतरी है।

नया निवेश जून तिमाही में दो दशक के निचले स्तर पर

नई दिल्ली, एजेंसी। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआईई) ने रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के मुताबिक या निवेश इस साल जून तिमाही में पूरी तरह से ठप हो गया। नया निवेश इस साल जून तिमाही में पूरी तरह से ठप हो गया। नए निवेश की घोषणाएं कम हुईं और परियोजनाएं भी पूरी नहीं हो पाईं। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआईई) के मुताबिक, जून तिमाही में 443 अरब रुपये का निवेश आया, जो 2004 के बाद दो दशक में सबसे कम है। रिपोर्ट के अनुसार, 18वीं लोकसभा चुनावों के दौरान निवेश गतिविधियों में गिरावट कई चुनावों से भी बदतर थी। यही नहीं, लॉकडाउन के दौरान जून, 2020 में भी इससे ज्यादा 1.6 लाख करोड़ का नया निवेश आया था। सीएमआईई ने कहा, सुप्रीम कोर्ट के चुनावी बॉन्ड योजनाओं को असांविधानिक घोषित करने और नई सरकार को लेकर कुछ अनिश्चितता ने भी निवेश माहौल खराब कर दिया।

डबल होगी अटल पेंशन की राशि

वित्त मंत्री बजट में कर सकती है ऐलान!

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार अपनी प्रमुख सोशल सिक्योरिटी स्कीम अटल पेंशन योजना के तहत न्यूनतम गारंटीड राशि को दोगुना कर 10,000 रुपए कर सकती है। सूत्रों के मुताबिक 23 जुलाई को पेश होने वाले बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण इसकी घोषणा कर सकती हैं। उन्होंने बताया कि सरकार इसके राजकोषीय प्रभाव का आकलन कर रही है तथा बजट से पहले इस पर निर्णय लिया जाएगा। सरकार देश में सामाजिक सुरक्षा ढांचे को मजबूत करना चाहती है क्योंकि वह सामाजिक सुरक्षा पर लेबर कोड लागू करने के लिए आधार तैयार कर रही है। 20 जून तक, इस योजना में कुल 66.2 मिलियन नामांकन थे, जिसमें 2023-24 में 12.2 मिलियन नए खाते खोले गए। एक अधिकारी ने बताया कि अटल

पेंशन योजना को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए कुछ प्रस्ताव रखे गए हैं। इनमें गारंटीड राशि बढ़ाना भी शामिल है। इन पर विचार किया जा रहा है। वर्तमान में, सरकार द्वारा गारंटीकृत लाभ के साथ, अंशदान के आधार पर 1,000-5,000 रुपए प्रति माह की न्यूनतम पेंशन की गारंटी है। पिछले महीने पेंशन फंड नियामक एवं विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष दीपक मोहंती ने कहा था कि 2023-24 में अटल पेंशन योजना के तहत एनरॉलमेंट 2015 में योजना के शुभारंभ के बाद से सबसे अधिक था।पेंशन रेगुलेटर ने पेंशन राशि में बढ़ोतरी की वकालत की है। उसका कहना है कि मौजूदा राशि समय के साथ अपनी वैल्यू बरकरार नहीं रख पाएगी। इस साल की शुरुआत में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि अटल पेंशन योजना को एक किफायती योजना के रूप में डिजाइन किया गया है जिसमें पेंशन राशि की गारंटी है। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि इस योजना ने शुरुआत से ही 9.1 फीसदी रिटर्न दिया है और यह अन्य बचत योजनाओं की तुलना में काफी प्रतिस्पर्धी है। वित्त मंत्री ने कहा कि अटल पेंशन योजना गरीबों और निम्न मध्यम वर्ग के लिए एक सब्सिडी वाली योजना है और यह स्पष्ट है कि अधिकांश पेंशन खाते निचले स्लैब में हैं।साल 2015-16 में शुरू की गई अटल पेंशन योजना को नेशनल पेंशन स्कीम के माध्यम से क्कस्नक्रष्ठ द्वारा प्रशासित किया जाता है। इस योजना में मृत्यु या लाइलाज बीमारी के मामलों को छोड़कर 60 वर्ष की आयु में पेंशन फंड के 100त्र एन्युटी के साथ योजना से बाहर निकलने की अनुमति है। बाहर निकलने पर ग्राहक को पेंशन उपलब्ध होती है। इनकम टैक्स का भुगतान करने वाले लोग इस योजना में शामिल होने के पात्र नहीं हैं।

स्पाइस जेट ने 2 साल से नहीं भरा किसी भी कर्मचारी का पीएफ

वित्तीय संकट से जूझ रही एयरलाइन

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्तीय संकट और कानूनी मामलों से जूझ रही एयरलाइन स्पाइसजेट ने करीब 2.5 साल से अपने किसी भी कर्मचारी का पीएफ नहीं जमा किया है। यह जानकारी ईपीएफओ ने एक आरटीआई के जवाब में दी है। कंपनी ने 2022 से ही ईपीएफओ में योगदान बंद कर दिया है। इस संबंध में ईपीएफओ की ओर से कई बार नोटिस और समन कंपनी को भेजे गए हैं। आरटीआई के मुताबिक स्पाइसजेट ने आखिरी बार जनवरी 2022 में 11,581 कर्मचारियों का पीएफ जमा किया था। स्पाइसजेट ने अभी तक पीएफ नहीं जमा करने की खबरों का न तो खंडन किया है और न ही कोई सफाई दी है। बता दें कि इसी साल जनवरी में कंपनी ने कथित तौर पर कर्मचारियों की सैलरी रोक दी थी।

कंपनी को विमान लीज पर देने वाली कई कंपनियों द्वारा दायर मुकदमे भी झेलने पड़ रहे हैं। ये कंपनियां स्पाइसजेट को लीज पर दिए गए प्लेन्स की मियाद नहीं बढ़ाना चाहती हैं। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने 18 अप्रैल को कंपनी को 3 अलग दिवालिया याचिका में नोटिस जारी किया था। नोटिस के अनुसार, कंपनी 77 करोड़ रुपए का भुगतान नहीं कर पाई है। मई में कलानिधि मारन और काल एयरवेज ने कंपनी से उन्हें हुई क्षति की भरपाई के लिए 1323 करोड़ रुपए की मांग की थी।

दरअसल, 2015 में कलानिधि मारन और उनकी कंपनी केएएल ने अपनी 58 फीसदी हिस्सेदारी स्पाइसजेट के प्रमुख अजय सिंह को हस्तांतरित की थी। अजय सिंह ने इसी के साथ कंपनी पर 1500 करोड़ की देनदारी भी अपने ऊपर ले ली थी। अजय सिंह स्पाइसजेट के को-फाउंड हैं। इस सौदे में मारन और केएएल को प्रेफरेंस स्टॉक व वॉरंट दिए जाने थे जिसके बदले उन्होंने स्पाइसजेट को 679 करोड़ रुपए दिए थे। अब मारन आरोप लगा रहे हैं कि कंपनी की ओर से उन्हें कोई शेयर या वारंट अलॉट नहीं हुए।

इम्पलॉई प्रोविडेंट फंड की मदद से कोई कर्मचारी अपने भविष्य के लिए धन एकत्रित करता है। इसमें कंपनी और कर्मचारी बराबर का योगदान करते हैं। इसी

उत्तर प्रदेश में हाइब्रिड कार खरीदना हुआ सस्ता, 2 लाख रुपए सस्ती हुई मारुति की ग्रैंड विटारा

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में हाइब्रिड कार खरीदना अब सस्ता हो गया है क्योंकि इस तरह की कारों की कीमत 4 लाख रुपए तक घट गई है। कीमत घटने की असली वजह ऐसे वाहनों का पंजीकरण शुल्क शून्य करने का राज्य सरकार का फैसला है। वाहन उद्योग के एक सूत्र ने बताया कि स्वच्छ तकनीक को बढ़ावा देने के इरादे से योगी आदित्यनाथ सरकार ने यह फैसला किया है, जिसके बाद पेट्रोल-डीजल तथा बैटरी के जरिये चलने वाली हाइब्रिड कारों की कीमत घट गई हैं।

उत्तर प्रदेश में पिछले वित्त वर्ष के दौरान हर महीने करीब 100 हाइब्रिड कार बिकी थीं। राज्य सरकार ने वाहन पंजीकरण शुल्क में छूट देने के लिए हाइब्रिड वाहनों को इलेक्ट्रिक वाहनों के बराबर रखने के निर्देश दिए थे। उत्तर प्रदेश देश में इलेक्ट्रिक वाहनों के सबसे बड़े बाजारों में शुमार है और इस नई छूट से यहां महंगी हाइब्रिड गाड़ियों की बिक्री को भी दम मिलने की उम्मीद है।

उद्योग के एक सूत्र ने बताया कि स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड कारें छोटी दूरी का सफर इलेक्ट्रिक मोटर से ही पूरा कर लेती हैं, जबकि माइल्ड हाइब्रिड कारों के लिए पेट्रोल-डीजल इंजन जरूरी होता है। पहले ईवी का पंजीकरण मुफ्त में होता था मगर 10 लाख रुपए

से कम के स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड वाहनों पर 8 फीसदी पंजीकरण और इससे अधिक कीमत के वाहनों पर 10 फीसदी पंजीकरण शुल्क देना पड़ता था। अब पंजीकरण शुल्क हटने पर उत्तर प्रदेश में इन हाइब्रिड गाड़ियों की एक्स-शोरूम कीमत करीब 10 फीसदी तक कम हो गई है।

एक सूत्र ने बताया, 'उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश जुलाई से प्रभावी हुए हैं। उत्तर प्रदेश में मारुति ग्रैंड विटारा करीब 2 लाख रुपए सस्ती हो गई है। इसी तरह मारुति इनविक्टो की कीमत भी करीब 3 लाख रुपए घट गई है।' सूत्रों के मुताबिक वर्ष 2023 में नोएडा में 900 इलेक्ट्रिक कारें बिकी थीं। पिछले वर्ष यह शहर देश के शीर्ष 20 इलेक्ट्रिक कार बाजारों में शामिल था। उनका कहना है कि हाइब्रिड कारों पर पंजीकरण शुल्क माफ किए जाने से उत्तर प्रदेश में इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री पर भी असर पड़ सकता है। इलेक्ट्रिक वाहनों को चार्ज करने के लिए चार्जिंग पॉइंट की चिंता रहती है, जिस कारण उनकी बिक्री में इजाफे की रफ्तार सुस्त है।

संक्षिप्त समाचार

उड़ान भरते ही निकल गया बोइंग विमान का पहिया, अटक गई सैंकड़ों यात्रियों की जान

लॉस एंजिलिस, एजेंसी। बोइंग विमान ने एक बार फिर सैंकड़ों यात्रियों की जान को खतरे में डाल दिया। अमेरिका के लॉस एंजिलिस में यूनाइटेड एयरलाइंस के बोइंग जेट विमान का पहिया सोमवार को उड़ान भरते समय निकल गया। हालांकि, बाद में विमान को डेनवर में सुरक्षित उतार लिया गया। विमानन कंपनी ने यह जानकारी दी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। बयान के मुताबिक, लॉस एंजिलिस में विमान का पहिया बरामद कर लिया गया है। हम घटना के पीछे की वजहों की जांच कर रहे हैं। घटना के समय बोइंग 757-200 विमान में 174 यात्री और चालक दल के सात सदस्य सवार थे। इससे पहले, सात मार्च को सैन फ्रांसिस्को से उड़ान भरने वाले यूनाइटेड एयरलाइन के बोइंग बी777-200 जेट विमान का पहिया बीच हवा में टूटकर गिर गया था। घटना के कारण विमान हवाई अड्डे के पार्किंग क्षेत्र में एक कार के ऊपर जा गिरा था। हालांकि, इससे कोई घायल नहीं हुआ था।

अब बेफिक्र होकर खाइए टिड्डे, झींगुर जैसे 16 कीड़े ; सिंगापुर खाद्य एजेंसी ने इन्हें बताया सुरक्षित

सिंगापुर , एजेंसी। झींगुर, टिड्डा और पतंगा प्रजाति इन्सान के खाने योग्य हैं। यह बात सिंगापुर के खाद्य नियामक सिंगापुर खाद्य एजेंसी (एसएफए) ने कही है। एसएफए ने सोमवार को इन कीटों की 16 प्रजातियां को इंसानी खानपान के लिए मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही ये कीड़े बहुजातीय संप्रभु द्वीप देश और नगर-राज्य सिंगापुर में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चीनी और भारतीय व्यंजनों सहित वैश्विक खाद्य पदार्थों के मशहूर मेन्यू में शामिल हो गए हैं। स्ट्रेट्स टाइम्स अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, एसएफए के इस एलान का खानपान के कारोबार से जुड़े लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। ये कारोबारी चीन, थाईलैंड और वियतनाम में पैदा होने वाले इन कीड़ों की सिंगापुर में आपूर्ति और खानपान की व्यवस्था करते हैं। दो साल हुआ कीड़ों की प्रजातियों पर मशवरा मंजूरी दिए गए कीटों में झींगुर, टिड्डे, पतंगे, मिल वॉर्म्स और रेशम के कीड़ों की प्रजातियां शामिल हैं। इनका इस्तेमाल करने का इरादा रखने वाले कारोबारियों को बस एसएफए के जरूरी दिशा-निर्देश मानने होंगे। एसएफए ने अक्तूबर 2022 में कीड़ों की 16 प्रजातियों को उपभोग के लिए मंजूरी देने की संभावना पर सार्वजनिक तौर पर सलाह-मशवरा शुरू किया था। इसके बाद उसने कहा था कि वह अप्रैल 2023 की दूसरी छमाही में इन प्रजातियों को उपभोग के लिए हरी झंडी देगा। फिर सीमा 2024 तक बढ़ा दी।

ईरान के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने हिज्बुल्ला के प्रति समर्थन दोहराया, इस्राइल की आलोचना की

तेहरान, एजेंसी। ईरान के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने एक बार फिर से लेबनान के हिज्बुल्ला समूह के लिए इस्लामी गणतंत्र के समर्थन की बात को दोहराया है और साथ ही फलस्तीनियों के खिलाफ इजरायल की कार्रवाई की निंदा की। हिजबुल्लाह के प्रमुख हसन नसरल्लाह के लिए जारी किया गया बयान इरानी राष्ट्रपति का पहली विदेश नीति टिप्पणियों में से एक था। इस्राइल के बेरूत पर कब्जा करने के बाद बनाया गया था हिजबुल्लाह समूह ईरान हिजबुल्ला को वित्तीय और सैन्य सहायता प्रदान करता है, जिसे लेबनान के गृह युद्ध के दौरान 1982 में कट्टर दुश्मन इस्राइल द्वारा बेरूत पर कब्जा करने के बाद ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स की पहल पर बनाया गया था। इब्राहिम रईसी की मौत के बाद राष्ट्रपति बने पेजेशकियान ईरान में 19 मई को हेलिकॉप्टर हादसे में राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मौत के बाद हुए दूसरे चरण के चुनाव में सुधारवादी नेता और देश में हिजाब के सख्त कानून में कुछ ढील देने के पक्षधर मसूद पेजेशकियान (69) ने जीत दर्ज की है। वह प्रतिद्वंद्वी कट्टरपंथी नेता सईद जलीली को हराकर विजेता घोषित किए गए। पेजेशकियन को 1.63 करोड़ वोट मिले जबकि जलीली को 1.35 करोड़ मत मिले। मसूद को मिले एक करोड़ 63 लाख वोटों में से 50 फीसदी 30 साल से कम उम्र वालों के हैं। पीएम मोदी ने दी थी बधाई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मसूद पेजेशकियन को ईरान का राष्ट्रपति निर्वाचित होने पर बधाई दी थी। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा था कि हमारे लोगों और क्षेत्र के लाभ के लिए हमारे गर्मजोशी भरे और दीर्घकालिक द्विपक्षीय संबंधों को प्रगाढ़ बनाने के लिए आपके साथ मिलकर काम करने को लेकर उत्सुक हूं। कट्टर विचारधारा के खिलाफ हैं नए राष्ट्रपति पेजेशकियान मसूद पजेशकियान ने चुनाव से पहले भी राजनीतिक भाषणों के दौरान कई बार हिजाब की खिलाफत की थी। उन्होंने कई बार कहा है कि वो किसी प्रकार के कट्टरपंथ के खिलाफ हैं, जो संस्कृति के नाम पर बने कानूनों पर सख्ती के साथ पेश आती है। इसी कानून में हिजाब की अनिवार्यता भी आती है, जो 1979 में इस्लामिक क्रांति के बाद से ईरान में लागू हुआ। पेजेशकियन ने कहा, वह इस कानून की सख्ती के खिलाफ हैं।

संयुक्त राष्ट्र ने कहा, गाजा के 90 प्रतिशत लोग हो चुके हैं विस्थापित

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि गाजा के 90 प्रतिशत लोग अपने घरों से विस्थापित हो चुके हैं, कुछ लोग तो कई बार विस्थापित हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र कार्यालय ने सोमवार को कहा कि इजरायली सेना ने रविवार और सोमवार को गाजा में 19 ब्लॉकों में रहने वाले हजारों लोगों को तुरंत खाली करने का निर्देश दिया।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया, रविवार को कुछ लोगों को पश्चिमी गाजा शहर में खाली करने का आदेश दिया गया था, जबकि सोमवार को डेर अल बलाह शिविर को खाली करने का निर्देश दिया गया। इसने कहा, सीधे तौर पर प्रभावित दो क्षेत्रों में 13 स्वास्थ्य सुविधाएं शामिल हैं, जो हाल ही में चालू हुई थीं, जिनमें दो अस्पताल, दो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और नौ चिकित्सा केंद्र शामिल हैं। गाजा पट्टी में 36 में से 13 अस्पताल केवल आंशिक रूप से चालू हैं।

कार्यालय ने कहा कि गाजा में हर 10 में से नौ लोगों के विस्थापित होने का अनुमान है, विस्थापन की नई लहरें मुख्य रूप से उन लोगों को प्रभावित कर रही हैं, जो पहले भी कई बार विस्थापित हो चुके हैं, लेकिन फिर से उन्हें भागने के लिए मजबूर होना पड़ा है। उन्हें बार-बार अपना जीवन फिर से शुरू करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। गाजा में लोग, खासकर बच्चे, हर दिन पानी इकट्ठा करने के लिए घंटों कतार में खड़े रहते हैं।

आपातकालीन स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच भी एक बड़ी चुनौती है।

उत्तरी गाजा में, आंतरिक रूप से विस्थापित 80,000 लोगों के लिए कोई शिविर नहीं है, इन्हें जून के अंत में यहां आने के लिए मजबूर होना पड़ा। कई लोग ठोस कचरे और मलबे के बीच सोते हुए पाए गए, उनके पास गद्दे या कपड़े भी नहीं थे, और कुछ ने आंशिक रूप से नष्ट हो चुकी संयुक्त राष्ट्र सुविधाओं और आवासीय भवनों में आश्रय लिया था। मानवीय मामलों के संयुक्त राष्ट्र कार्यालय ने कहा कि इजरायली सेना ने इन क्षेत्रों को निकासी क्षेत्र के रूप में नामित किया, जिससे पिछले दो हफ्तों में छोटे बच्चों और बुजुर्गों सहित कई परिवारों को विस्थापन की लहरों से गुजरना पड़ा। यहां मानवीय कार्यों को जारी रखने के लिए ईंधन और दूसरी चीजों की गंभीर कमी हो गई है, साथ ही गर्मी के कारण आपूर्ति (विशेष रूप से भोजन) के खराब होने और संक्रमण का जोखिम भी बढ़ गया है।

गाजा में 18 बेकरी में से केवल सात ही चालू हैं, सभी देर अल बलाह में हैं, और पहले से ही आंशिक क्षमता पर काम कर रही छह बेकरी को अब ईंधन की कमी के कारण पूरी तरह से बंद करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। कार्यालय ने कहा कि खाना पकाने की गैस और खाद्य आपूर्ति की कमी के चलते सामुदायिक रसोई भी काम करने के लिए संघर्ष कर रही हैं। यहां पका हुआ भोजन मिलना मुश्किल हो गया है।

विस्थापित परिवार खाना पकाने के लिए फर्नीचर और कचरे से लकड़ी और प्लास्टिक जलाने पर निर्भर हैं, जिससे स्वास्थ्य जोखिम और पर्यावरणीय खतरे बढ़ रहे हैं। खाना पकाने के लिए, मानवीय एजेंसी ने कहा कि वे गेहूं का आटा और डिब्बाबंद भोजन वितरित कर रहे हैं लेकिन एरेज़ वेस्ट क्रॉसिंग बंद होने से अब इसमें भी बाधा आ रही है।

संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन और संयुक्त राष्ट्र उपग्रह केंद्र द्वारा किए गए एक संयुक्त आकलन में अनुमान लगाया गया है कि गाजा की लगभग 57 प्रतिशत कृषि योग्य भूमि और उसके एक तिहाई ग्रीनहाउस क्षतिग्रस्त हो गए हैं। स्थानीय बाजार में मांस और मुर्गी जैसे भोजन की भी भारी कमी है, स्थानीय रूप से उत्पादित कुछ सब्जियां ही सस्ती कीमतों पर उपलब्ध हैं।

'आलोचना के बावजूद मैं दृढ़ता से खड़ा हूं', बाइडन ने कहा- आखिरी तक चुनावी जंग लड़ूंगा

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि तमाम विरोध के बावजूद वह नवंबर में चुनाव खत्म होने तक टिके रहेंगे। वह अपनी मानसिक फिटनेस के बारे में बढ़ती चिंताओं के बावजूद चुनावी यात्रा को जारी रखेंगे। यह बात बाइडन ने पत्र लिखकर अपने कांग्रेस के डेमोक्रेटों से कही है। बाइडन ने अपने पत्र में कहा कि अगर मुझे लगता कि मैं डोनाल्ड ट्रंप को नहीं हरा सकता हूं तो मैं दोबारा चुनाव नहीं लड़ता। उन्होंने कहा, मैं चाहता हूं कि मीडिया और अन्य जगहों पर तमाम अटकलों के बावजूद, मैं इस दौड़ में बने रहने, इस दौड़ को अंत तक चलाने और डोनाल्ड ट्रम्प को हराने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध हूं। इसके अलावा बाइडन ने यह भी कहा, हमारे पास डेमोक्रेटिक सम्मेलन के लिए 42 दिन और आम चुनाव के लिए 119 दिन बाकी हैं। ये सभी बातें बाइडन ने अपने पुनर्निर्वाचन अभियान द्वारा वितरित पत्र में कही हैं। बाइडन ने अपने पत्र में आगामी चुनाव में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को हराने के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता पर बल देते हुए अपनी पार्टी के बीच एकता का आह्वान किया। बढ़ती उम्र को लेकर उठ रहे हैं सवाल अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में चार महीने का ही समय बाकी है, लेकिन डेमोक्रेट पार्टी अपने उम्मीदवार को लेकर दुविधा में है। दरअसल पार्टी में जो बाइडन को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाने के खिलाफ उठे स्वर थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। हालांकि बाइडन ने साफ किया है कि वही रेस में हैं, लेकिन अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट्स की मानें तो पार्टी के भीतर जो बाइडन के विकल्पों पर विचार शुरू हो गया है। खासकर बीते दिनों अटलांटा में हुई पहली बहस के बाद तो बाइडन की बढ़ती उम्र की चर्चा फिर से तेज हो गई है। कई दानदाताओं ने दी फंडिंग रोकने की धमकी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, डेमोक्रेट पार्टी के कई प्रमुख दानदाताओं ने धमकी दी है कि अगर जो बाइडन राष्ट्रपति पद की रेस में बने रहे तो वे फंडिंग रोक देंगे। डेमोक्रेट पार्टी के एक नेता एंजी क्रेग ने कहा है कि मुझे नहीं लगता कि राष्ट्रपति प्रभावी ढंग से चुनाव प्रचार कर सकते हैं और डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ जीत सकते हैं। सदन के अल्पसंख्यक नेता हकीम जेफ्रीज ने रविवार को डेमोक्रेट प्रतिनिधियों की एक वर्चुअल बैठक निर्धारित की है।

क्या पार्किंसंस का इलाज करा रहे जो बाइडन ? अमेरिकी राष्ट्रपति से जुड़े सवाल पर भड़कीं व्हाइट हाउस प्रवक्ता

वाशिंगटन, एजेंसी। क्या अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन का पार्किंसंस का इलाज चल रहा है। इसको लेकर व्हाइट हाउस की तरफ से जवाब आया है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि पिछले साल अगस्त से मार्च के बीच एक पार्किंसंस स्पेशलिस्ट कम से कम से कम आठ बार व्हाइट हाउस गया है। उसने यह खबर विजिटर्स लॉग के हवाले से छापी है। अब इसी को लेकर व्हाइट हाउस की तरफ से जवाब आया है। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की तबियत इन दिनों सुर्खियों में है। हाल के दिनों में उनकी हरकतें काफी अजीब रही हैं। इसको लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। अमेरिका के अगले राष्ट्रपति चुनाव में जो बाइडन रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी हैं। बीमारी के चलते उनकी उम्मीदवारी पर सवाल उठने लगा है। इसको लेकर व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कैरीन जीन पियरे से सवाल पूछा गया था। इस सवाल के जवाब में तीन पियरे ने भड़कते हुए कहा, नहीं, क्या उनका पार्किंसंस का इलाज चल रहा है? नहीं, बिल्कुल भी नहीं। कुछ डेमोक्रेट लगातार जो बाइडन पर सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि बाइडन पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप का सामना करने के लिए ठीक नहीं हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक डॉक्टर केविन केनार्ड अगस्त से मार्च के बीच कई बार व्हाइट हाउस गए हैं।

रूस ने यूक्रेन पर दाग दीं ताबड़तोड़ 40 से ज्यादा मिसाइलें, बच्चों का अस्पताल तबाह, 31 की मौत

मास्को, एजेंसी। रूस ने बीते चार महीन में यूक्रेन पर सबसे बड़ा हमला किया है। रूस के ताबड़तोड़ मिसाइल अटैक से यूक्रेन में 31 से ज्यादा लोगों की मौत की खबर है। रूस ने बच्चों के एक अस्पताल पर भी हमला किया है जिसकी इमारत को काफी नुकसान पहुंचा है। अलग-अलग जगहों पर किए गए हमले में कम से कम 154 लोग घायल भी हुए हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पोस्ट पर एक बयान में कहा कि रूसी बमबारी ने पांच यूक्रेनी शहरों को विभिन्न प्रकार की 40 से अधिक मिसाइलों से निशाना बनाया, जिससे रिहाइशी इमारतें और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे नष्ट हो गए। क्रीवी रीह में नगर प्रशासन के प्रमुख ओलेक्सांद्र विल्कुल ने कहा कि यह एक बड़े पैमाने पर किया गया मिसाइल हमला था, जिसमें 10 लोगों की मौत हो गयी और 47 अन्य लोग घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने यूक्रेन के मध्य दिनप्रोपेट्रोव्स्क क्षेत्र में भी विस्फोट की सूचना दी है। अधिकारियों ने बताया कि राहतकर्मी कीव के ओखमाटडिट बाल अस्पताल की आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त इमारत के मलबे से लोगों की तलाश में जुटे हैं। मेयर विटाली क्लिट्स्को ने बताया कि कम से कम 16 लोग घायल हुए हैं, जिनमें सात बच्चे शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि बच्चों के अस्पताल की दो मंजिला इमारत आंशिक रूप से नष्ट हो गई। अस्पताल की मुख्य 10 मंजिला इमारत की खिड़कियां और दरवाजे उखड़ गए और दीवारें काली पड़ गयीं। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर कहा, %यह बहुत महत्वपूर्ण है कि दुनिया अब इस बारे में चुप न रहे और सभी को यह देखना चाहिए कि रूस क्या कर रहा है। यह हमला अमेरिका में तीन दिवसीय नाटो शिखर

सम्मेलन की पूर्व संध्या पर हुआ है। सम्मेलन में इस बात पर विचार किया जाएगा कि किस प्रकार यूक्रेन को गठबंधन के अटूट समर्थन का भरोसा दिलाया जाए तथा यूक्रेनवासियों को यह आशा प्रदान की जाए कि उनका देश द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोप के सबसे बड़े संघर्ष से उबर सकता है। यह पिछले कई महीनों में कीव पर सबसे बड़ी बमबारी थी। यूक्रेनी वायु सेना ने कहा कि दिन के उजाले में किए गए हमलों में किंजल हाइपरसोनिक मिसाइल शामिल थे, जो सबसे उन्नत रूसी हथियारों में से एक है। यह ध्वनि की गति से 10 गुना अधिक रफ्तार से उड़ता है, जिससे इसे रोकना मुश्किल हो जाता है। विस्फोटों से शहर की इमारतें हिल गईं। यूक्रेन की सुरक्षा सेवा ने कहा कि उसे घटनास्थल पर रूसी केएच-101 क्रूज मिसाइल का मलबा मिला है और उसने युद्ध अपराध के आरोपों पर कार्यवाही शुरू कर दी है। यूक्रेन ने कहा कि उसने सोमवार को दागी गई 13 एच-101 मिसाइलों में से 11 को नष्ट कर दिया। बता दें कि इन दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी दो दिन के रूस के दौरे पर हैं।

मंगल ग्रह पर एक साल बिताया, सही-सलामत लौटे नासा के चार वैज्ञानिक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के चार वैज्ञानिक मंगल ग्रह पर एक साल बिताकर वापस लौट आए हैं। अब आप सोच रहे होंगे कि मंगल ग्रह पर तो आज तक कोई व्यक्ति नहीं जा पाया है तो आखिर नासा ने अपने अंतरिक्षयात्री कब भेज दिए। दरअसल नासा मंगल पर इंसान भेजने के प्रयास में लगा है। इसीलिए वह पता लगाना चाहता था कि किसी इंसान को मंगल पर क्या मुश्किलें पेश आएंगी। इसीलिए 3डी प्रिंटर की मदद से मंगल ग्रह जैसे माहौल वाला एक बंद इलाका बनाया गया और इसमें चार लोगों को भेज दिया गया। 378 दिन यानी एक साल से ज्यादा वक्त गुजारने के बाद जब वे बाहर निकले तो नासा के लोगो ने तालियों के साथ उनका स्वागत किया। इस एक साल के दौरान किए गए अध्ययन में कई नई बातों का भी पता चला। 1700 वर्ग फीट का मंगल ग्रह ह्यूस्टन के स्पेस सेंटर में 1700 वर्ग फीट का एक स्पेशल घर बनाया गया ता। इसमें एक मिशन स्पेशलिस्ट, दो अन्य प्रोफेशनल और एक मेडिकल ऑफिसर को भेजा गया। एक साल के दौरान उन लोगों ने उसी घर में सब्जियां

उगाईं, खाना बनाया, एक्सरसाइज किया, यान के मेंटिनेंस का काम किया और कई वैज्ञानिक प्रयोग भी किए। नासा यह प्रयोग करके पता लगाना चाहता था कि आखिर मंगल पर इंसान को किन शारीरिक और मानसिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इस मिशन का नाम क्रू हेल्थ ऐंड पर्फॉर्मेंस एक्सप्लोरेशन एनालाग दिया गया था। इस दौरान वैज्ञानिकों को वैसे ही माहौल में रखा गया जैसा कि मंगल ग्रह पर होता है। पूरे एक साल वे किसी से मिल नहीं पाए। इसके अलावा उनके पास जिस सामग्री की व्यवस्था पहले कर दी गई थी वही उपलब्ध थी। इन 378 दिनों में उन्हें कई तरह की समस्याओं को सामना करना पड़ा। वहीं उन्होंने मार्सवॉक भी किया। सीमित संसाधनों में जीवन जीने के साथ ही अगर उस आर्टिफिशियल प्लैनेट में कोई चीज खराब हो जाती थी तो उसे खुद ही ठीक करना होता था। इसके अलावा टीम ने वहीं पर खेती भी की। इस दौरान अध्ययन किया गया।

शाही महल को ही किराये पर देगा सऊदी अरब, तेल के संकट से उबरने की नई कोशिश

रियाद, एजेंसी। कच्चे तेल की सप्लाई से अर्थव्यवस्था को चलाने वाले सऊदी अरब के आगे संकट खड़ा है। दुनिया भर में जिस तरह से इलेक्ट्रिक वाहनों का विकल्प बढ़ रहा है, उससे कच्चे तेल की डिमांड में कमी आ सकती है। ऐसी स्थिति सऊदी अरब, कुवैत, कतर जैसे देशों के लिए चिंता की बात है। सऊदी अरब ने तो इसकी काट भी खोजना शुरू कर दिया है और उस पर तेजी से काम भी कर रहा है। इसके तहत उसने खेल के आयोजनों को बढ़ावा दिया है तो वहीं मनोरंजन के कार्यक्रम भी करा रहा है। यही नहीं पर्यटन को भी सऊदी अरब बढ़ावा देने पर काम कर रहा है। अब पर्यटन को बढ़ावा देने के मकसद से सऊदी अरब अपने शासक रहे सऊद बिल अब्दुलअजीज के महल को भी किराये पर देगा। इस महल में पर्यटक रातें गुजार सकेंगे। 3 लाख 65 हजार वर्ग फुट का यह विशाल महल आधुनिक सऊदी अरब के दूसरे शासक सऊद बिन अब्दुलअजीज का घर हुआ करता था। रेड पैलेस के नाम से विख्यात इस महल को 1940 में तत्कालीन क्राउन प्रिंस के लिए तैयार किया गया था। अब इसे अल्ट्रा लग्जरी होटल के तौर पर विकसित किया जा रहा है। इस महल में ठहर कर लोगों को सऊदी अरब की शाही जिंदगी के अनुभव मिल सकेंगे। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार महल को नया रूप बुटीक ग्रुप दे रहा है, जो एक

बिल्डर कंपनी है। दशकों तक यह महल शासक का आवास होता था और फिर सरकार का इसे मुख्यालय बना दिया गया था। अब यह एक होटल के तौर पर विकसित होगा। इसके कुल 70 कमरों में पर्यटक रुकेंगे। इससे लोगों को न सिर्फ ठहरने का मौका मिलेगा बल्कि सऊदी अरब की शाही जिंदगी के भी दीदार हो सकेंगे। इसके अलावा इस होटल में सऊदी अरब के शाही परिवार के पसंदीदा व्यंजन परोसे जाएंगे। इस तरह रहने से लेकर खाने तक में लोगों को सऊदी अरब की शाही लाइफस्टाइल का अनुभव कराया जाएगा। इस महल में स्पा सेंटर भी खुलेंगे, जहां सऊदी की पारंपरिक थेरेपी मिलेंगी। सऊदी अरब के इतिहास और संस्कृति को भी बताएगा महल बुटीक ग्रुप का कहना है कि सऊदी अरब में यह अपनी तरह का पहला प्रयोग है।

नाटो सदस्यों में अलग-थलग पड़ा कनाडा, रक्षा खर्च में कटौती से निशाने पर आए जस्टिन

वॉशिंगटन, एजेंसी। नाटो के 32 सदस्य देशों में कनाडा अलग-थलग पड़ गया है। अमेरिका के एक मीडिया चैनल ने यह दावा किया है। उनका कहना है कि कनाडा अपने घरेलू रक्षा खर्च को तय सीमा तक खर्च नहीं कर पा रहा है। इसके चलते कनाडा की सेना के कई उपकरण पुराने हो गए हैं और कनाडा की सरकार में अभी रक्षा खर्च प्राथमिकता में भी नहीं है। यह रिपोर्ट ऐसे समय सामने आई है, जब कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो नाटो की बैठक में शामिल होने के लिए वॉशिंगटन डीसी पहुंचे। राष्ट्रपति जो बाइडन की अध्यक्षता में नाटो की अहम बैठक वॉशिंगटन में हो रही है।

क्या कहा गया है कि रिपोर्ट में : नाटो की बैठक में प्रधानमंत्री ट्रूडो नाटो में कनाडा के योगदान पर बात रखेंगे, जिसमें ऑपरेशन रि-एश्योरेंस भी शामिल है, जो कनाडा की सबसे बड़ी सक्रिय विदेशी सैन्य तैनाती है। साथ ही ट्रूडो यूरो-अटलांटिक क्षेत्र की सुरक्षा, स्थिरता के लिए कनाडा की प्रतिबद्धता भी जाहिर करेंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले कई वर्षों में, कनाडा 32 सदस्यीय गठबंधन के बीच अलग-थलग हो गया है। यह घरेलू सैन्य खर्च लक्ष्यों को प्राप्त करने में विफल रहा है, साथ ही नए उपकरणों को फंड देने के लिए तय बेंचमार्क से पीछे रह गया है। फिलहाल कनाडा के उन लक्ष्यों को हासिल करने की कोई उम्मीद भी नजर नहीं आ रही।

वादे के मुताबिक रक्षा खर्च नहीं कर पाया कनाडा : अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, नाटो के 12 संस्थापक सदस्यों में से एक कनाडा ने साल 2014 में रूस के क्रीमिया पर कब्जा करने के बाद सकल घरेलू उत्पाद का 2 प्रतिशत रक्षा पर खर्च करने का वादा किया था।

हालांकि कनाडा अपने वादे से काफी पीछे है। हालांकि नाटो के 32 सदस्य देशों में से 23 देशों ने रक्षा खर्च को लेकर तय लक्ष्यों को हासिल किया है। यूक्रेन पर हमले के बाद पुतिन को लेकर पूर्वी मोर्चे पर आशंकाएं बढ़ रही हैं। यही वजह है कि यूरोपीय देश अपना रक्षा खर्च बढ़ाने में जुटे हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि नाटो सम्मेलन के दौरान कनाडा पर अपने वादे को पूरा करने का दबाव डाला जा सकता है। इस बात की भी चिंता जताई जा रही है कि अगर अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप जीत जाते हैं तो यूरोप की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। मीडिया रिपोर्ट में अमेरिका के एक शीर्ष अधिकारी के हवाले से यह दावा किया गया है। कहा गया है कि कनाडा की सेना के कई हथियार और उपकरण अनुपलब्ध और अनुपयोगी हैं। कनाडा की सरकार इस दिशा में खास प्रयास भी नहीं कर रही है।

अगले 20 वर्षों में सेना पर 73 अरब डॉलर खर्च करेगा कनाडा : बता दें कि साल 2024 के बजट में, कनाडा सरकार ने रक्षा खर्च में पाँच वर्षों में 8.1 अरब अमरीकी डॉलर और 20 वर्षों में 73 अरब अमरीकी डॉलर खर्च करने का एलान किया है। कनाडा की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने और वैश्विक चुनौतियों का जवाब देने के लिए कनाडा सरकार ने यह ऐतिहासिक निवेश करने का एलान किया है। 2022 से, कनाडा ने यूक्रेन को समर्थन देते हुए 19 अरब अमरीकी डॉलर से अधिक की आर्थिक सहायता देने की प्रतिबद्धता जताई है। इसमें 4 अरब अमरीकी डॉलर की सैन्य सहायता शामिल हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, अन्य सहायता में 12.4 अरब अमरीकी डॉलर की वित्तीय सहायता, 35.2 करोड़ अमरीकी डॉलर की मानवीय सहायता, 44.2 करोड़ अमरीकी डॉलर की विकास सहायता और 21.0 करोड़ अमरीकी डॉलर से अधिक की सुरक्षा और स्थिरीकरण सहायता शामिल है।

भारतीय ओलंपिक दल को गौतम अदाणी ने दी शुभकामनाएं

- **कहा इस बार सबसे ज्यादा पदक जीतने का है भरोसा**

नई दिल्ली, एजेंसी। अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी ने 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय दल को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि इस बार भारत अपने इतिहास में सबसे ज्यादा पदक जीतने का लक्ष्य हासिल करेगा। उन्होंने एक्स पर लिखा कि हम 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए तैयार हैं। मैं उन असाधारण खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देता हूं, जो विश्व के सबसे बड़े खेल मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। उनका लगातार अभ्यास और अटूट समर्पण वास्तव में भारत की नई अजेय भावना का प्रतीक है। मुझे पूरा विश्वास है कि इस बार हम अपने इतिहास में सबसे ज्यादा पदक जीतने का लक्ष्य हासिल कर लेंगे। अदाणी ग्रुप के अध्यक्ष ने आगे

कहा कि हम सब मिलकर अपने चैंपियनों की हौसला अफजाई करेंगे और ओलंपिक में देश के गीत की गूंज का बेसब्री से इंतजार करेंगे। जय हिंद। अदाणी ग्रुप भारतीय ओलंपिक टीम का प्रमुख स्पॉन्सर है। अदाणी स्पोर्टलाइन ने 2022 राष्ट्रमंडल खेलों, 2023 एशियाई खेलों और आगामी 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए प्रमुख स्पॉन्सर के रूप में भारतीय टीम के साथ साझेदारी की है। भारत पेरिस ओलंपिक के लिए लगभग 120 एथलीटों का दल भेजेगा। इस दल में भारत के पुरुष भाला फेंक स्टार खिलाड़ी और डिफेंडिंग चैंपियन नीरज चोपड़ा के नेतृत्व वाली एथलेटिक्स टीम के अलावा 21 सदस्यीय निशानेबाजी टीम और 16 सदस्यीय पुरुष हॉकी टीम शामिल है। पिछले हफ्ते, भारतीय दल के सदस्यों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। प्रधानमंत्री ने उनकी हौसला अफजाई की थी और फ्रांस जाने से पहले उन्हें मार्गदर्शन दिया। भारत ने बार-बार खेलों की मेजबानी करने की इच्छा जताई है और इस मामले में भारत को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति प्रमुख थॉमस बाख का समर्थन प्राप्त हुआ है। भारत 2036 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक की मेजबानी के लिए बोली लगाएगा।

रवि शास्त्री की सलाह- टेस्ट क्रिकेट 6-7 टीमों तक समेटो, टी20 को बढ़ाओ

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व क्रिकेटर और मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि टेस्ट क्रिकेट को 6 या 7 देशों के बीच होने वाले खेलों तक ही सीमित रखा जाना चाहिए, जबकि दुनिया भर में खेल को फैलाने की जिम्मेदारी टी20 के जरिए होनी चाहिए। एक कार्यक्रम में शास्त्री ने कहा कि आप 2 स्तर रख सकते हैं लेकिन टेस्ट क्रिकेट में रुचि बनाए रखने के लिए शीर्ष छह को खेलते रहने दें। आप इस खेल को

टी20 जैसे अन्य प्रारूपों में भी फैला सकते हैं। जब आपके पास गुणवत्ता नहीं है, तब रेटिंग गिरती है, भीड़ में कम लोग होते हैं, यह अर्थहीन क्रिकेट है, जो आखिरी चीज है जो खेल चाहता है। आपके पास 12 टेस्ट मैच टीमें हैं। इसे छह या सात तक करें। वहां पदोन्नति प्रणाली रखें। जो बढ़िया खेले ऊपर आए जो खराब खेले वह नीचे चली जाए। एमसीसी अध्यक्ष मार्क निकोलस ने कहा कि टी20 क्रिकेट से आने वाला पैसा खेल के वित्त को बनाए रखने का एकमात्र तरीका हो सकता है। टी20 क्रिकेट वह महानायक है जो हर कोई चाहता है। यह वह जगह है जहां नया बाजार है, जहां प्रशंसक हैं और जहां पैसा है। क्रिकेट में, पैसे को एक गंदे शब्द के रूप में देखा जाता है लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए क्योंकि यह खेल को बनाए रखने का एकमात्र तरीका है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज और मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया में वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज शमर जोसेफ के यादगार टेस्ट डेब्यू का हवाला देते हुए कहा कि वह चाहते हैं कि युवाओं पर इसके प्रभाव के कारण अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को संरक्षित किया जाए।

विंबलडन के क्वार्टर फाइनल में जोकोविच,

एलेक्स की होगी टक्कर

लंदन, एजेंसी। नोवाक जोकोविच ने डेनमार्क के होल्गर रूण को 6-3, 6-4, 6-2 से हराकर अपने 15वें विंबलडन क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अब उनका मुकाबला बुधवार को एलेक्स डी मिनौर से होगा। जोकोविच मैच में फैंस की हूटिंग से नाराज दिखे और कहा कि इस तरह के व्यवहार को वह स्वीकार नहीं करते हैं।

जोकोविच को रूण ने पिछले कई मुकाबले में बैकफुट पर धकेल दिया था, जिसमें 2022 में पेरिस मास्टर्स फाइनल सहित कई अन्य मैच शामिल हैं। मैच के बाद जोकोविच ने अपनी जीत पर बात की और कहा कि जिन लोगों ने उनको सम्मान दिया और टिकट लेकर मैच देखने आए और देर रात तक बैठकर टेनिस के प्रति अपने प्यार को दिखाया, उनको दिल से शुक्रिया। साथ ही, उन्होंने हूटिंग कर रहे लोगों की आलोचना की और कहा कि इसे स्वीकार नहीं किया जाएगा। जोकोविच ने कहा, मुझे नहीं पता कि वे रूण के समर्थन में नारे लगा रहे थे, पर यह भी हूटिंग का एक बहाना है। मैं इसे स्वीकार नहीं करता हूं। विंबलडन में 15वीं बार अंतिम आठ में पहुंच कर, जोकोविच ने ग्रास-कोर्ट मेजर में सबसे अधिक क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की सर्वकालिक सूची में जिमी कोनर्स (14) को पीछे छोड़ते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। एटीपी के आंकड़ों के अनुसार, केवल रिकॉर्ड आठ बार के चैंपियन रोजर फेडरर ही क्वार्टर फाइनल में (18 बार) पहुंचे हैं। यह ग्रैंड स्लैम टेनिस में जोकोविच का 60वां क्वार्टर फाइनल है। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन इस चैंपियनशिप में फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी करने का लक्ष्य बना रहे हैं और उनका अगला मुकाबला एलेक्स डी मिनौर से होगा।

पेरिस ओलंपिक

उद्घाटन समारोह में पीवी सिंधू-शरत कमल होंगे भारत के ध्वजवाहक, गगन नारंग को मिली यह जिम्मेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक की शुरुआत में अब 18 दिन शेष हैं। भारतीय दल इसके लिए पूरी तैयार है। भारत को इस बार पेरिस जाने वाले खिलाड़ियों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। इन खेलों के उद्घाटन समारोह में स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और दिग्गज टेबल टेनिस खिलाड़ी ए शरत कमल भारत के ध्वजवाहक होंगे। वहीं, ओलंपिक पदक विजेता पूर्व निशानेबाज गगन नारंग को भी बड़ी जिम्मेदारी मिली है।

उद्घाटन समारोह में सिंधू-शरत कमल होंगी ध्वजवाहक

पेरिस ओलंपिक का आयोजन 26 जुलाई से 11 अगस्त तक होगा और इसके लिए भारत 100 से अधिक खिलाड़ियों का दल भेजेगा। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष डॉ. पीटी उषा ने कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए भी खुशी हो रही है कि भारत की एकमात्र महिला खिलाड़ी, जिसने दो ओलंपिक पदक जीते हैं, पीवी सिंधू, टेबल टेनिस के दिग्गज ए. शरत कमल के साथ उद्घाटन समारोह में महिला ध्वजवाहक होंगी। उन्होंने आगे कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे एथलीट पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में भारत के लिए सर्वश्रेष्ठ परिणाम देने के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं।

गगन नारंग को मिली बड़ी जिम्मेदारी

इस टूर्नामेंट में चार बार के ओलंपियन और 2012 ओलंपिक खेलों के पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल के कांस्य पदक विजेता गगन नारंग को भारतीय दल के शेफ-डी-मिशन के रूप में एमसी मैरी कॉम की जगह चुना गया है। पीटी उषा ने आगे कहा कि मैरी कॉम के इस्तीफे के बाद 41 वर्षीय गगन नारंग को डिप्टी शेफ-डी-मिशन के पद से हटाना एक स्वत :स्फूर्त निर्णय था। उन्होंने कहा, मैं अपने दल का नेतृत्व करने के लिए एक ओलंपिक पदक विजेता की तलाश में थी और मेरी युवा सहकर्मी मैरी कॉम के लिए एक उपयुक्त प्रतिस्थापन है।

चैम्पियंस ट्रॉफी का शेड्यूल भारत-पाकिस्तान एक ग्रुप में...

नईदिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम ने पिछले ही महीने टी20 वर्ल्ड कप 2024 खिताब जीतकर इतिहास रचा है. अब टीम इंडिया का अगला मिशन चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 है. मगर इस टूर्नामेंट को लेकर एक पेंच फंसता दिखाई दे रहा है. यह चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 पाकिस्तान की मेजबानी में होनी है. जबकि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव जय शाह पहले ही कह चुके हैं कि भारतीय टीम पाकिस्तान दौरे पर नहीं जाएगी. मगर इन सबके बीच पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड अपनी तैयारियों में पूरी तन्मयता के साथ जुटा हुआ है.

चैम्पियंस ट्रॉफी का शेड्यूल मंजूरी से पहले वायरल

पाकिस्तान ने चैम्पियंस ट्रॉफी का शेड्यूल भी तैयार कर लिया है. साथ ही इस शेड्यूल को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल और इसके सदस्य देशों को मंजूरी के लिए भेजा है. सब जगह से हरी झंडी मिलने के बाद इसे जारी किया जाएगा. मगर उससे पहले ही यह शेड्यूल वायरल हो गया है.

ब्रिटेन के एक अखबार छाप दिया है. इसके मुताबिक, चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 का आगाज कराची में 19 फरवरी को होगा. ओपनिंग मुकाबला पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा. साथ ही शेड्यूल के मुताबिक, भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा गया है.

भारत- पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा गया- टूर्नामेंट में कुल 8 टीमें होंगी, जिन्हें 2 ग्रुप में रखा गया है. भारत, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश को एक साथ ग्रुप-ए में रखा गया है. जबकि अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड को ग्रुप -बी में रखा गया है. चैम्पियंस ट्रॉफी के फाइनल समेत सभी मैच 19 दिन में होंगे.

वायरल शेड्यूल के मुताबिक, भारतीय टीम अपने सभी मुकाबले लाहौर में ही खेलेगी. टीम का पहला मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश और दूसरा मैच 23 फरवरी को न्यूजीलैंड के खिलाफ होगा. जबकि भारतीय टीम को अपना तीसरा और ग्रुप स्टेज का आखिरी मैच पाकिस्तान के खिलाफ 1 मार्च को खेलना है.

भारत के लिए सेमीफाइनल भी शिफ्ट किया जाएगा- चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल मुकाबले 5 और 6 मार्च को खेले जाएंगे. जबकि 19 मार्च को खिताबी टक्कर होनी है. यह सेमीफाइनल मुकाबले कराची और रावलपिंडी में होने हैं. मगर भारतीय टीम टॉप-4 में पहुंचती है, तो वो अपना सेमीफाइनल लाहौर में ही खेलेगी.

पेरिस ओलंपिक

अभिनव बिंद्रा ने मौजूदा समय के खिलाड़ियों के लिए कही अहम बात

नई दिल्ली, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक का आयोजन कुछ ही दिनों में होना है और इसके लिए भारत सहित इसमे हिस्सा लेने वाले सभी देश के एथलीट पूरी तरह तैयार हैं। इस बीच, 2008 बीजिंग ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले निशानेबाद अभिनव बिंद्रा ने अपने समय के खिलाड़ियों की तुलना मौजूदा दौर के खिलाड़ियों से करते हुए बड़ी बात कही है।

भारत के पहले व्यक्तिगत स्पर्धा के ओलंपिक चैंपियन बिंद्रा का मानना है कि खिलाड़ियों की मौजूदा पीढ़ी उनके समय के कमजोर दिल वाले खिलाड़ियों की तुलना में अधिक मजबूत है।

जमीनी स्तर पर काम करने की जरूरत- बिंद्रा ने कहा कि भारत को 30-40 ओलंपिक पदक जीतने का सपना देखना शुरू करने के लिए जमीनी स्तर पर बहुत काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, हमें खेल को अलग तरह से देखना शुरू करना होगा। वर्तमान में हम यह देख रहे हैं कि विश्व स्तर पर एथलीट कैसा प्रदर्शन कर रहे हैं। यह हमें मजबूती देता है। हमें राष्ट्र निर्माण में खेल की बड़ी भूमिका को देखने की जरूरत है।

बीजिंग ओलंपिक में निशानेबाजी में स्वर्ण पदक जीतने वाले बिंद्रा ने 26 जुलाई से शुरू होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए देश की तैयारियों पर आयोजित एक पैनल चर्चा के दौरान भारतीय दल को सलाह दी कि वे अतीत या भविष्य के बारे में

सोचने की गलती न करें। भारत के लगभग 125 खिलाड़ियों ने इन खेलों के लिए क्वालिफाई कर लिया है, जो देश के इतिहास में सबसे ज्यादा है। उन्होंने कहा, एथलीटों की सबसे बड़ी गलती यह है कि वे या तो अतीत में जीते हैं या भविष्य के बारे में सोच रहे हैं।

मौजूदा दौर के खिलाड़ियों का आत्मविश्वास अधिक है

बिंद्रा ने कहा, मैं एक ऐसी पीढ़ी से आया हूं जो स्वभाव से कमजोर दिल वाली थी। आज के दौर के खिलाड़ियों का आत्मविश्वास कहीं अधिक है। वे इन खेलों में सिर्फ हिस्सा लेना नहीं बल्कि पदक जीतना चाहते हैं। ये खिलाड़ी कोई और पदक नहीं बल्कि स्वर्ण पदक जीतना चाहते है। यह हमारे समाज का प्रतिबिंब है कि पिछले कुछ वर्षों में यह कैसे विकसित हुआ है। इस 41 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि खेलों को देखने और उसके बारे में बात करने का तरीका बदल गया है लेकिन जिस चीज में बदलाव नहीं आया है वह है एथलीटों को मिलने वाली कड़ी प्रतिस्पर्धा। बिंद्रा ने कहा, अब अलग तरह से बातचीत होती है। उसमें हालांकि कई समानताएं है, उन्हें पेरिस में अपना दमखम दिखाना होगा और उस विशेष दिन पर प्रदर्शन करना होगा। यह किसी भी तरह से आसान नहीं होने वाला है। उन्हें दबाव झेलना सीखना होगा। वर्षों से सीखी गई प्रक्रिया, अपने कौशल को खेल में उतारने पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

अढ़ाई महीने बाद मैदान पर दिखेंगे विराट, रोहित और बुमराह, यह है वजह

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और चैम्पियन बल्लेबाज विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह को अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला से आराम दिया जा सकता है। बीसीसीआई उनकी जगह केएल राहुल या हार्दिक पंड्या को इस प्रारूप में कप्तानी देने पर विचार कर रहा है। समझा जाता है कि रोहित और विराट ने बीसीसीआई से लंबा ब्रेक मांगा है चूंकि दोनों आईपीएल की शुरूआत से लगातार खेल रहे हैं। 37 बरस के रोहित ने 6 महीने से ब्रेक नहीं लिया है। उन्होंने दिसंबर-जनवरी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से लगातार खेला है। उसके बाद अफगानिस्तान के खिलाफ टी20, इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला, आईपीएल और टी20 विश्व कप शामिल है।

बोर्ड के एक सूत्र ने बताया कि चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले इंग्लैंड के खिलाफ 3 वनडे तैयारी के लिए काफी है। इसके बाद अगले कुछ महीने दोनों टेस्ट को प्राथमिकता देंगे क्योंकि भारत को सितंबर से जनवरी के बीच दस टेस्ट खेलने हैं। भारतीय टीम अभी जिमबाब्वे के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेल रही है। इसके बाद श्रीलंका से तीन टी20 और तीन वनडे होने हैं।

3 किमी दूर से पानी लाने को मजबूर भारतीय महिला हॉकी कप्तान सलीमा टेटे...

घर का वादा भी सरकार ने नहीं किया पूरा

नईदिल्ली, एजेंसी। इस साल होने वाले पेरिस ओलंपिक से पहले ही भारतीय महिला हॉकी टीम काफी सुर्खियों में रही है. सबसे पहले यह टीम जनवरी में चर्चाओं में आई थी, जब वो क्वालिफाइंग राउंड में हारकर बाहर हुई थी. यानी भारतीय महिला हॉकी टीम अब पेरिस ओलंपिक में नजर नहीं आएगी, क्योंकि वो क्वालिफाई नहीं कर सकी है. अब भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे सुर्खियों में बनी हुई हैं. वो अपने खेल के बाद अब घरेलू स्ट्रगल को लेकर सुर्खियों में हैं. सलीमा को इसी साल 2 मई को ही सविता पूनिया की जगह कप्तान बनाया गया. सलीमा झारखंड में राजधानी रांची से करीब 165 किमी दूर रहती हैं. वो सिमडेगा जिले के एक छोटे से गांव बड़की छापर की रहने वाली हैं.

परिवार 3 किलोमीटर दूर से पानी लाने को मजबूर

सलीमा के परिवार के पास साफ पानी का भी पर्याप्त साधन नहीं है. घर पर माता-पिता के अलावा दो बहन हैं जिन्होंने लगातार कड़े संघर्ष के जरिए उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है. सलीमा के पिता सुलक्षण टेटे भी हॉकी खेलते थे, जहां से उन्हें इस खेल के बारे में पता चला.

वो भारतीय पहलवान... जिसने घर गिरवी रखकर ओलंपिक में लिया भाग, फिर रचा इतिहास

नईदिल्ली, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक 2024 की शुरुआत में अब ज्यादा समय नहीं बचा है. पेरिस ओलंपिक 26 जुलाई से 11 अगस्त तक खेला जाना है. इस ओलंपिक के लिए भारतीय खिलाड़ी भी अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं. भारत ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में एक स्वर्ण सहित 7 पदक जीतकर इन खेलों में अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था. अब इस बार वो अपने रिकॉर्ड में सुधार करना चाहेगा.

इस भारतीय रेसलर ने रचा था इतिहास- देखा जाए ओलंपिक में अब तक भारत ने 10 गोल्ड, 9 सिल्वर और 16 ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं. इन 10 में से आठ गोल्ड तो फील्ड हॉकी में आए, लेकिन फिर भी चर्चा उस पदक की होती है जिसे केडी जाधव ने हासिल किया. केडी जाधव ओलंपिक की व्यक्तिगत स्पर्धा में पदक जीतने वाले पहले

भारतीय खिलाड़ी थे. जाधव ने 1952 के हेलसिंकी ओलंपिक में कुश्ती में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा था. जाधव से पहले 1900 के ग्रीस ओलंपिक में नॉर्मन प्रिचर्ड ने दो सिल्वर मेडल जीते थे, लेकिन वे भारतीय मूल के नहीं थे. भारत तब अंग्रेजों के गुलाम था और प्रिचर्ड ने ब्रिटिश झंडे के तहत ओलंपिक में भाग लिया था. खाशाबा दादासाहेब जाधव का जन्म साल 1926 में महाराष्ट्र के सतारा जिले में एक मराठी परिवार में हुआ था. उनके पिता दादासाहेब खुद भी पहलवान थे और महज 5 साल की उम्र में ही उन्होंने अपने बेटे को कुश्ती से परिचित करवा दिया. छोटे कद के जाधव ऊपर से देखने में बेहद कमजोर दिखाई देते थे. जिसके चलते राजाराम कॉलेज के स्पोर्ट्स टीचर ने उन्हें वार्षिक खेलों की टीम में शामिल करने से इंकार कर दिया. बाद में काफी मिन्नतों के बाद कॉलेज के प्रिंसिपल ने उन्हें प्रतियोगिता में भाग लेने की इजाजत दे दी थी.

प्रियंका मोहन ने शुरू की सारिपोधा सानिवारम की डबिंग

निभा रही हैं पुलिस अधिकारी का किरदार

अभिनेता नानी लगातार हिट फिल्में दे रहे हैं। वो अब अपनी अगली फिल्म सारिपोधा सानिवारम को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेत्री प्रियंका मोहन भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। हाल ही में, निर्माताओं ने इस फिल्म से प्रियंका का लुक साझा किया था और अब उनसे जुड़ा एक और अपडेट सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रियंका मोहन ने सारिपोधा सानिवारम के लिए अपनी डबिंग शुरू कर दी है। वो इस फिल्म में एक पुलिस अधिकारी का किरदार निभाते हुए दिखाई देंगी, जिसका नाम चारु होता है। इसकी जानकारी फिल्म निर्माताओं द्वारा पोस्टर जारी करके दी गई थी। उनके प्रशंसक उनका यह अवतार देखने के लिए काफी उत्सुक नजर आ रहे हैं। प्रियंका मोहन केवल सारिपोधा सानिवारम से ही सुर्खियां नहीं बटोर रही हैं, बल्कि वो ओजी फिल्म को लेकर भी चर्चा में बनी हुई हैं। इस फिल्म में पवन कल्याण मुख्य भूमिका अदा कर रहे हैं। खास बात यह है कि दोनों ही फिल्मों का निर्माण डीवीवी एंटरटेनमेंट द्वारा किया जा रहा है। नानी और प्रियंका मोहन इससे पहले गैंग लीडर फिल्म में साथ काम कर चुके हैं और सारिपोधा सानिवारम में दोनों दूसरी बार एक साथ परदे पर दिखाई देंगे। हाल ही में, फिल्म का गाना गरम-गरम रिलीज किया गया था, जिसे विशाल ददलानी ने गाया है। इसका संगीत जेक्स बिजॉय ने तैयार किया है।

फिल्म में इंटेलिजेंस ऑफिसर का किरदार निभाएंगे रणवीर सिंह

काफी दिनों से चर्चा है कि उरी द सर्जिकल स्ट्राइक फेम निर्देशक आदित्य धर एक फिल्म बना रहे है, जिसका नाम नाम धुरंधर है। बताया जा रहा है कि इस फिल्म के लिए उन्होंने रणवीर सिंह, संजय दत्त, आर माधवन और अर्जुन रामपाल से बात की है। बताया जा रहा है कि फिल्म धुरंधर में रणवीर सिंह लीड रोल में नजर आएंगे और इंटेलिजेंस ऑफिसर का किरदार निभाएंगे। आदित्य धर की फिल्म का धुरंधर टाइटल अभी फाइनल नहीं और इसे बदला भी जा सकता है। आदित्य धर इस फिल्म को अपने भाई लोकेश धर के साथ मिलकर प्रोड्यूस करने वाले हैं। फिल्म के प्री-प्रोडक्शन का काम शुरू हो चुका है और साल के अंत तक फिल्म की शूटिंग पूरी होने की उम्मीद है।

कभी मां नहीं बन सकतीं राखी सावंत

ड्रामा क्वीन राखी सावंत किसी न किसी वजह से चर्चा में बनी रहती है। राखी इन दिनों मुंबई में नहीं है, बल्कि सर्जरी के बाद दुबई में रेस्टिंग मोड पर है। इसके बावजूद भी राखी ने पिछले कुछ दिनों में अरमान मलिक और उनकी दो पत्नियों को लेकर बहुत से बयान दिए हैं। अब ड्रामा क्वीन ने अपनी सर्जरी के बारे में बात की है।

राखी ने कहा- डॉक्टर्स को लगा था कि वो हार्ट अटैक है, लेकिन बाद में उन्हें मेरे पेट में 10 सेमी का ट्यूमर मिला था। मैं हमेशा सोचती थी कि मुझे इतनी ब्लोटिंग क्यों हो रही है। इसके बाद उन्होंने मेरा यूटर्स और ट्यूमर निकाला। सर्जरी के बाद मैं कोमा में और आईसीयू में थीं।

राखी सावंत ने आगे कहा- अब कभी मां नहीं बन सकतीं। दर्द बहुत हैं अंदर लेकिन जिंदगी का सामना करना ही पड़ेगा। अब मैं सरोगेसी के बारे में सोचूंगी। मैं बच्चा अडॉपट भी नहीं कर सकती हूं। मैं विकी डोनर जैसा कुछ करूंगी। कोई वारिस तो चाहिए न। सर्जरी के दौरान उनके हॉस्पिटल के बिल बॉलीवुड के भाईजान यानी सलमान खान ने भरे हैं। इस पर राखी सावंत ने कहा- वो कभी भी अपने लोगों को नहीं भूलते, वो बिना किसी को बताए मदद करते हैं। उन्होंने मेरे मेडिकल खर्चों में मेरी मदद करी।

रितेश -जेनेलिया ने लिया था अंगदान करने का संकल्प

एनओटीटीओ ने जताया कपल का आभार

रितेश देशमुख और जेनेलिया डिसूजा बॉलीवुड इंडस्ट्री के फेमस कपल्स में से एक हैं। दोनों हमेशा अपने काम और नेक दिली से लोगों का दिल जीतते नजर आते हैं। याद हो तो कपल ने 4 साल अंगदान करने का संकल्प लिया था, जिसके लिए अब 'राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन' (एनओटीटीओ) ने दोनों का आभार व्यक्त किया है।

रितेश देशमुख और जेनेलिया ने इंस्टाग्राम पर अंग दान करने की प्रतिज्ञा के बारे में शेयर किया था और कहा था कि वह लंबे समय से इस बारे में सोच रहे थे। उन्होंने कैप्शन में लिखा था, 'किसी के लिए जीवन के उपहार से बड़ा कोई उपहार नहीं हो सकता। जेनेलिया और मैंने अपने अंग दान करने का संकल्प लिया है। हम आप सभी से इस महान कार्य में शामिल होने और जीवन के बाद का जीवन का हिस्सा बनने का आग्रह करते हैं।' वीडियो में रितेश कहते दिखे थे, 'आज 1 जुलाई को हम ये कहना चाहते हैं और आपको ये बताना चाहते हैं कि हम दोनों ने एक प्रतिज्ञा ली है। हमने अपने अंग दान करने का फैसला किया है।' वहीं, जेनेलिया ने कहा, हां, हमने अपने अंग दान करने का संकल्प लिया है और हमारे लिए जीवन के उपहार से बेहतर कोई उपहार नहीं है।' कपल के इस नेक काम की उनके फैंस ने खूब सराहना की थी। वहीं, अब राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (एनओटीटीओ) ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर रितेश और जेनेलिया का धन्यवाद दिया है। उन्होंने एक्टर का वीडियो शेयर करते हुए लिखा था, 'बॉलीवुड स्टार कपल रितेश देशमुख और जेनेलिया को धन्यवाद, जिन्होंने जुलाई में चल रहे अंगदान महीने के दौरान अपने अंग दान करने का संकल्प लिया है। उनका यह कदम दूसरों को भी इस नेक काम से जुड़ने के लिए प्रेरित करेगा।' काम की बात करें तो रितेश देशमुख जल्द ही फिल्म ककूड़ा में नजर आएंगे। हाल ही में उनकी इस फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज किया गया है, जिसे दर्शकों की मिली जुली प्रतिक्रिया मिल रही है।

बैड कॉप में गला काटने वाले सीन पर घबरा गए थे अनुराग कश्यप: डायरेक्टर

अनुराग कश्यप डायरेक्टर के साथ-साथ एक्टर भी हैं। वह इन दिनों वेब सीरीज बैड कॉप को मिल रहा पॉजिटिव फीडबैक एन्जॉय कर रहे हैं। शो के डायरेक्टर आदित्य दत्त ने खुलासा किया कि अनुराग को एक मर्डर सीन शूट करने में काफी परेशानी आई थी। मर्डर सीन अक्सर चुनौतीपूर्ण होते हैं और उन्हें शूट करने के लिए एक्टर्स और क्रू दोनों को काफी हिम्मत जुटानी पड़ती है। अनुराग कश्यप को ऐसा ही एक सीन शूट करने में परेशानी आई। सीरीज के डायरेक्टर आदित्य दत्त ने कहा कि एक सीन में अनुराग को किसी दूसरे का गला काटना था, लेकिन उन्हें इस सीन को शूट करने में परेशानी हो रही थी। मैं उन्हें याद दिलाने की कोशिश कर रहा था कि बतौर डायरेक्टर उनके कई फिल्मों में खून-खराबा होता है, ताकि वह ये सीन आसानी से कर सकें, लेकिन वह कहते रहे कि शूटिंग करना और सीन को खुद से करना अलग-अलग बातें होती है। आदित्य ने आगे बताया कि ऐसा करने से पहले अनुराग को घबराहट होने लगती थी और मुझे उन्हें बैठाकर बताना पड़ता था कि यह सिर्फ शूटिंग है, ताकि वह इसे बहुत आसानी से कर पाएं.

मानसून में चाय संग पकौड़ों का लुत्फ उठाती हैं एक्ट्रेस सुम्बुल तौकीर

एक्ट्रेस सुम्बुल तौकीर को मानसून सीजन बेहद पसंद है। सुम्बुल को बारिश के दिनों में परिवार और करीबी दोस्तों संग गर्म चाय, पकौड़ों संग मैगी खाना बहुत अच्छा लगता है। बारिश के प्रति अपने प्यार के बारे में बात करते हुए सुम्बुल ने कहा, बारिश में कुछ खास होता है। बारिश में परिवार और करीबी दोस्तों के साथ चाय, पकौड़े और मैगी का आनंद लेना सबसे अच्छा लगता है। जब सेट पर बारिश होती है,तो पूरी टीम एक साथ मस्ती करती है। हमें सेट पर पकौड़े भी खाने को मिलते हैं। बारिश में भीगने का एक अलग ही मजा है। यह मुझे मेरी बहन सानिया के साथ बिताए बचपन के दिनों की याद दिलाता है, जब हम साथ में भीगते थे। सुम्बुल ने पर्यावरण के बारे में भी चिंता व्यक्त की और कहा कि बारिश की कमी और जलवायु परिवर्तन गंभीर समस्याएं हैं।

एक्ट्रेस ने कहा, मुझे लगता है कि केवल हम इंसान ही बदलाव ला सकते हैं। हमें पानी बचाने, अधिक पेड़ लगाने और प्लास्टिक का उपयोग करने से बचने की जरूरत है। प्रकृति हमें हील करती है, लेकिन अगर हम इसे नहीं बचाएंगे, तो हम प्रकृति का आशीर्वाद नहीं ले पाएंगे और हील भी नहीं हो पाएंगे। मेरे पिता ने हमारे घर की बालकनी पर एक छोटा सा बगीचा बनाया है, और हर सुबह वहां बहुत ताजगी महसूस होती है। हम पौधों के पास बैठते हैं। मुझे बालकनी पर अपनी किताबें पढ़ना भी पसंद है।

चेक बाउंस का है मामला

निर्देशक राजकुमार संतोषी के खिलाफ वारंट जारी

बॉलीवुड के मशहूर फिल्म निर्माता-निर्देशक और हिंदी फिल्मों के पटकथा लेखक ने घायल, अंदाज अपना अपना और द लीजेंड ऑफ भगत सिंह जैसी कई ब्लॉकबस्टर फिल्में बनाई हैं। उन्हीं में से एक दामिनी भी है। राजकुमार संतोषी बड़ी मुश्किल में फंस गए हैं। क्योंकि उनके ऊपर उन्हीं की फिल्म दामिनी का डायलॉग तारीख पर तारीख फिट बैठता नजर आ रहा है। अब उन्हें कोर्ट की तारीखों और वारंट का सामना करना पड़ रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार राजकुमार संतोषी, जिनकी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म गांधी गोडसे एक युद्ध बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई, जिसकी वजह से उन्हें बेहद नुकसान भी हुआ। अब संतोषी को इसी फिल्म के सह- निर्माता झूलन प्रसाद गुप्ता के चेक बाउंस के लिए कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल, राजकुमार संतोषी अदालत द्वारा दी गई किसी भी तारीख पर कोर्ट में उपस्थित नहीं हुए, जिसकी वजह से संतोषी के खिलाफ एक वारंट जारी किया गया।

'कल्कि 2898 एडी' देख महेश बाबू का हिल गया दिमाग

'कल्कि 2898 एडी' ने बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा रखी है। फिल्म लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है। दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर गजब का उत्साह बना हुआ है। 27 जून को सिनेमाघरों में फिल्म ने दस्तक दी थी। रिलीज के 12 दिन बाद भी फिल्म का क्रेज उसी तरह से बना हुआ है। ऑनलाइन टिकट बुकिंग वेबसाइट बुक माय शो पर कल्कि 2898 एडी के एक करोड़ से ज्यादा टिकट बिक चुके हैं। यह अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है।

फिल्म की तारीफ ना सिर्फ दर्शक कर रहे हैं, बल्कि फिल्मी सितारे भी इसकी खूब सराहना कर रहे हैं। बॉलीवुड से लेकर साउथ तक के अभिनेताओं ने कल्कि की तारीफ की है। अब दक्षिण के सुपरस्टार महेश बाबू ने फिल्म की जमकर प्रशंसा की है। आइए जानते हैं अभिनेता महेश बाबू ने 'कल्कि 2898 एडी' को लेकर क्या प्रतिक्रिया दी है। हाल ही में महेश बाबू अपने परिवार के साथ विदेश में छुट्टियां मनाकर हैदराबाद लौटे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर 'कल्कि 2898 एडी' को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। अभिनेता ने फिल्म की जमकर तारीफ की। महेश बाबू ने एक्स पर लिखा, 'कल्कि 2898 एडी ने मेरा दिमाग हिला दिया, वाह!' उन्होंने फिल्म के कास्ट और क्रू की भी तारीफ की।

नाथ कृष्ण और गौरी की कहानी में नेगेटिव रोल निभाएंगी सत्यमवदा सिंह

टीवी एक्ट्रेस सत्यमवदा सिंह नाथ कृष्ण और गौरी की कहानी शो में नेगेटिव रोल में नजर आएंगी। वह जीनत का किरदार निभाएंगी। एक्ट्रेस चांद जलने लगा सीरियल की भूमिका के लिए घर-घर में जानी जाती हैं। सत्यमवदा ने कहा कि मैं जीनत का किरदार निभाने के लिए एक्साइटेड हूं। वह मजाकिया, खूबसूरत और मनमौजी लड़की है। यह कॉमिक टाइमिंग वाला एक नेगेटिव रोल है। मैं इस तरह के किरदार का लंबे समय से इंतजार कर रही थी। एक्ट्रेस ने कहा कि वह इस नए सफर को एक्सप्लोर करने के लिए एक्साइटेड हैं।

सत्यमवदा ने बताया कि वह फिल्म निर्माता संजय लीला भंसाली की सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाजार में सोनाक्षी सिन्हा, मनीषा कोइराला, अदिति राव हैदरी, संजीदा शेख और शर्मिन सहगल जैसे किरदारों को निभाना चाहती हैं। उन्होंने आगे कहा कि संजय लीला भंसाली सर की हीरामंडी देखने के बाद, मैंने स्क्रीन पर एक मुस्लिम महिला का किरदार निभाने का मन बनाया।

मेरी एक और इच्छा है कि मैं उनके प्रोजेक्ट में लीड रोल निभाऊं। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि मुझे टीवी शो में एक मुस्लिम महिला की भूमिका निभाने का मौका मिलेगा। इससे पहले, मैंने गुलजार सर के नाटक में एक मुस्लिम किरदार अदा किया था, इसलिए मुझे यकीन है कि मैं इस नए किरदार को शानदार ढंग से निभा पाऊंगी। नाथ कृष्ण और गौरी की कहानी में चाहत पांडे, अलीशा पंवार और रेयांश वीर चड्ढा भी हैं। अपकमिंग एपिसोड बलूचिस्तान, पाकिस्तान पर बेस्ड होने के कारण एक नया मोड़ लेने वाला है। एक्ट्रेस की बात करें तो सत्यमवदा सिंह ने मॉडलिंग के साथ अपने करियर की शुरुआत की। उन्होंने ग्लैडरैग्स मेगा मॉडल, मिस कल्चर वर्ल्ड इंडिया, मिस उत्तर प्रदेश और मिस दिल्ली जैसे ब्यूटी सौंदर्य कॉम्पिटिशन जीते। इसमें मोस्ट फोटोजेनिक खिताब भी शामिल है। उन्होंने 2014 में शो लापतागंज के साथ अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी फिर चिड़िया घर और कृष्ण कन्हैया जैसे अन्य टीवी सीरियल्स में भी अहम भूमिका निभाई थी।

-साभार एजेंसी